नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

द न्यूज फिफ्टीन

जन-जन की आवाज

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :02 | अंक : 177 | नई दिल्ली, बुधवार 25 सितम्बर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 | आयरनमैन ट्रायथलॉन को पूरा करने वाली पहली भारतीय... पेज-12

एक नजर

अदालत के बजट और इन्फ्रास्ट्रक्चर के मामले में हम सरकार के साथ: सीजेआई

मुंबई। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि निःसंदेह कहा जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट्स के न्यायाधीश अपना काम पूरी स्वतंत्रता के साथ करते हैं। लेकिन जब भी बात बजट और बुनियादी ढांचे की आती है, तो हम सरकार के साथ खड़े होते हैं। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि बात जब अदालत के बजट और इन्फ्रास्ट्रक्चर की आए, तो कोर्ट सरकार के साथ खड़ी है। सीजेआई ने सोमवार को मुंबई के बांद्रा क्षेत्र में बम्बई उच्च न्यायालय के नए परिसर की आधारशिला रखी। दक्षिण मुंबई में मौजूदा उच्च न्यायालय भवन के पत्थरों को नींव में शामिल किया जाएगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार, उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश और उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय समारोह में शामिल हुए। उच्च न्यायालय के नए परिसर में विशाल अदालत कक्ष, न्यायाधीशों और रजिस्ट्री कर्मियों के लिए कक्ष, एक मध्यस्थता केंद्र, एक सभागार, पुस्तकालय तथा कर्मचारियों, वकीलों और वादियों के लिए अनेक सुविधाएं होंगी। महाराष्ट्र सरकार ने कहा है कि 30.16 एकड़ भूमि का कब्जा चरणबद्ध तरीके से उच्च न्यायालय को सौंप दिया जाएगा। उसने कहा कि 4.39 एकड़ की पहली किस्त पहले ही दी जा चुकी है। एक अधिकारी ने कहा कि 16 अगस्त 1862 को स्थापित बम्बई उच्च न्यायालय वर्तमान में फ्लोरा फाउंटेन (हुतात्मा चौक) के पास एक इमारत में स्थित है। अधिकारी ने बताया कि अदालत वहां पर नवंबर 1878 से है।

भारत में विमानन सुरक्षा में सुधार की आवश्यकता: नायडू

नई दिल्ली। विमानन मंत्री के राम मोहन नायडू ने नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा किए गए ऑडिट के परिणामों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान सुरक्षा जोखिमों में मानवीय कारक भी महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित विमानन दुर्घटनाओं में मानवीय कारकों पर पहली राष्ट्रीय सुरक्षा संगोष्ठी में सोमवार को बोलते हुए नायडू ने कहा कि हवाई दुर्घटनाओं में मानवीय भूलों से संबंधित घटनाओं में 10 फीसदी की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, वैश्विक स्तर पर 80% विमानन दुर्घटनाएं मानवीय भूलों के कारण होती हैं, हालाँकि, दुर्घटनाओं की कुल संख्या में कमी आई है। मंत्री ने उल्लेख किया कि विमान दुर्घटना ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा जांच की गई 91 दुर्घटनाओं में से कई का कारण मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन न करना रहा है। नायडू ने सभी हितधारकों से अपील की है कि वे अपने कार्यबल के कौशल, पुनः कौशल और अपस्किलिंग पर ध्यान दें। उन्होंने कहा, सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर बनी रहनी चाहिए, और एक अच्छी तरह से तैयार कार्यबल उस प्रतिबद्धता की रीढ़ है जिसे हम सुनिश्चित करना चाहते हैं। मंत्री ने विमानन पेशेवरों, विशेषकर पायलटों और हवाई यातायात नियंत्रकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उन्नत मनोवैज्ञानिक अनुसंधान को शामिल करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने सुझाव दिया कि पायलटों के व्यवहार और प्रदर्शन को अनुकूलित करने के लिए मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और डेटा एनालिटिक्स जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जाए। नायडू ने उद्योग जगत को मजबूत तनाव प्रबंधन कार्यक्रम विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

दुनिया में तीसरा सुपरपावर बना भारत !

जापान और रूस रह गए पीछे, पाकिस्तान का हाल बेहाल

- ऑस्ट्रेलिया के थिंक टैंक लोवी इन्स्टीट्यूट द्वारा जारी की गई एशिया पावर इंडेक्स की रैंकिंग में भारत ने दुनिया के कई ताकतवर देशों को पछाड़ा

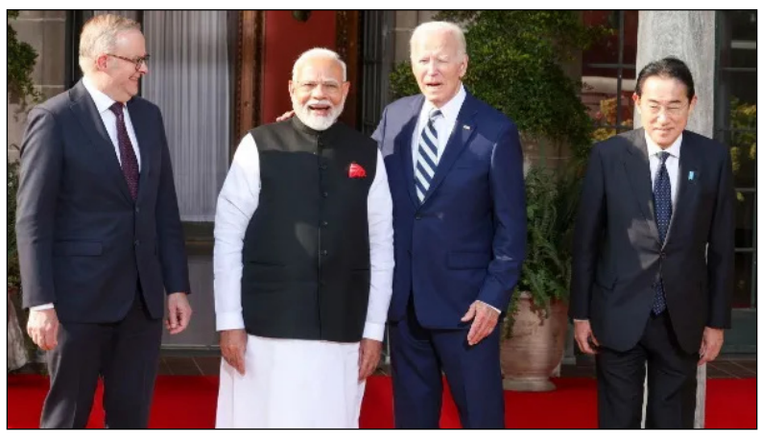

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने अपनी शक्ति का ऐसा परचम लहराया है कि पूरी दुनिया इसका लोहा मानने पर मजबूर हो गई है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के थिंक टैंक लोवी इन्स्टीट्यूट द्वारा जारी की गई एशिया पावर इंडेक्स की रैंकिंग में भारत ने दुनिया के कई ताकतवर देशों को पछाड़ते हुए शीर्ष तीन में अपनी जगह बना ली है। एशिया भौगोलिक क्षेत्र में अमेरिका और चीन का दबदबा कायम है। इन दोनों देशों के बाद भारत अब तीसरी सबसे बड़ी महाशक्ति के रूप में उभरकर सामने आया है। भारत ने रूस और जापान जैसी महाशक्तियों को भी पीछे छोड़ दिया है। इस रैंकिंग में 39.1 के स्कोर के साथ भारत ने अपनी वैश्विक स्थिति को और मजबूत किया है, जबकि जापान 38.9 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर खिसक गया है। वहीं पाकिस्तान की हालत इस रैंकिंग में और भी खराब नजर आ रही है।

लोवी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट एशिया में शक्ति की उभरती रूपरेखा को उजागर करती है। रिपोर्ट से यह स्पष्ट होता है कि अमेरिका और चीन प्रमुख ताकतें बनी हुई हैं, लेकिन भारत एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभर चुका है। जैसे-जैसे समय बीतेगा, भारत की आर्थिक कौशल, सैन्य शक्ति और कूटनीतिक रणनीतियों का परस्पर प्रभाव क्षेत्र के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की स्थिति इस रैंकिंग में डांवाडोल है। लिस्ट में पाकिस्तान का नंबर 14.4 और पड़ोसी देश 16वें स्थान पर है।

लोवी की रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया गया है कि एशिया में शक्ति का संतुलन अभी भी अमेरिका और चीन के हाथ में है लेकिन भारत की उभरती धमक इस स्थिति को बदल सकती है। वहीं चीन की आर्थिक और सैन्य वृद्धि लगातार जारी है, लेकिन उसकी शक्ति स्थिर हो गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन की शक्ति न तो बढ़ रही है और न ही घट रही है, बल्कि वह एक स्थिर अवस्था में है। वहीं अमेरिका अब भी छह में से आठ शक्तियों के मानकों में सबसे आगे बना हुआ है। इसके साथ ही भारत की स्थिति में सुधार देखा जा रहा है और उसने जापान और रूस को पीछे छोड़ते हुए एशिया में तीसरे स्थान पर अपनी जगह बनाई है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एशिया पावर इंडेक्स में भारत की बढ़त का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और वैश्विक रणनीति को दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में भारत ने एशिया पावर इंडेक्स के देशों के साथ सबसे अधिक कूटनीतिक संवाद में भाग लिया। जो यह दिखाता है कि भारत अपनी कूटनीतिक स्थिति को मजबूत करने में सक्रिय है।

इस रिपोर्ट के परिणामस्वरूप, भारत की शक्ति को वैश्विक भू-राजनीति में एक नई दिशा में ले जाने की संभावनाएं बन रही हैं। जैसे-जैसे भारत अपने संसाधनों का सही उपयोग करेगा और अपनी कूटनीतिक क्षमताओं को बढ़ाएगा, वह एशिया में एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरता जाएगा। यह परिवर्तन न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी एशियाई क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि शक्ति संतुलन में बदलाव वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक स्थिरता और सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है।

एशिया पावर इंडेक्स क्षेत्र के राजनीतिक माहौल की मल्टी-डायमेंशनल तस्वीर पेश करता है, जिसमें स्थिर लेकिन महत्वाकांक्षी चीन से चुनौतियों के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपना शीर्ष स्थान बनाए रखा है।

भारत के उदय और जापान द्वारा अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं के पुनर्मूल्यांकन सहित बदलती शक्ति गतिशीलता, बदलते गठबंधनों, आर्थिक प्रतिद्वंद्विता और मिलिट्री एडवांसमेंट का संकेत देती है। ये घटनाक्रम क्षेत्रीय और वैश्विक भू-राजनीति दोनों के भविष्य के लिए गहरे निहितार्थ रखते हैं, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन का द्विध्रुवीय प्रभुत्व एशिया में शक्ति के जटिल अंतर्संबंध के लिए मंच तैयार करता है।

लोवी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट एशिया में शक्ति की उभरती रूपरेखा को उजागर करती है, जहां संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन प्रमुख ताकतें बनी हुई हैं, लेकिन भारत एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभर चुका है, जो आगे जाकर अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल करने वाला है, जो उसे एक महत्वपूर्ण शक्ति बनाएगा।

कैसे बढ़ रही है भारत की शक्ति

ऑस्ट्रेलियाई थिंक टैंक की मानें तो भारत की बढ़ती शक्ति का मुख्य आधार इसकी विशाल जनसंख्या और तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था है। रिपोर्ट में भारत की आर्थिक क्षमता में 4.2 अंकों की वृद्धि हुई है। इसके साथ ही, भविष्य के संसाधनों के संदर्भ में भारत का स्कोर 8.2 अंकों से बढ़ा है। इसका मतलब है कि भारत की युवा जनसंख्या आने वाले दशकों में एक जनसांख्यिकीय लाभ प्रदान कर सकती है, जो उसे आर्थिक और सामरिक दृष्टि से और भी मजबूत बनाएगा।

एशिया में बदलता शक्ति संतुलन

एशिया में मिलिट्री क्षमता की गतिशीलता विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच तीव्र प्रतिद्वंद्विता को रेखांकित करती है। चीन सैन्य अंतर को लगातार काम कर रहा है, खासकर क्षेत्र में संभावित संघर्षों में सेना को जुटाने और बनाए रखने की अपनी क्षमता में लगातार इजाफा कर रहा है।
फिर भी, अपनी सीमाओं के बाहर पावर प्रोजेक्शन की इसकी क्षमता सीमित मानी जाती है। लेकिन इससे ये भी पता चलता है, कि संयुक्त राज्य अमेरिका की समग्र सैन्य शक्ति से मेल खाए बिना भी, चीन अभी भी पूर्वी एशिया में अपने रणनीतिक लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकता है।

सरकार किसानों के साथ: शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज पूसा परिसर स्थित अंतरराष्ट्रीय गेस्ट हाउस के बोर्ड मीटिंग हॉल में किसानों और किसान यूनियनों से संवाद किया। इस क्रम में मीडिया से बातचीत में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि देश की रीढ़ है और किसान आत्मा हैं। किसानों की सेवा करना भगवान की पूजा करने जैसा है। उन्होंने कहा कि वे आज किसान संघ के नेताओं से मिले। अलग-अलग किसान संगठनों से भी बातचीत की। उनमें से कुछ फसलों, फसल बीमा योजना और फसलों के नुकसान के बारे में सुझाव दिए हैं। इसके अलावा सभी ने और भी बहुत सारे सुझाव दिए हैं। हम उन सुझावों पर काम कर रहे हैं।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता किसान कल्याण है। समन्वित और सामूहिक प्रयासों से हम किसानों की उन्नति में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मंगलवार को किसानों तथा किसान संगठनों के साथ जो संवाद हमने प्रारंभ किया है, इसी दिशा में आज नई दिल्ली स्थित पूसा परिसर में अलग-अलग किसान संगठनों के किसान भाइयों से भेंट की। वह सबके मन को भाया है। संवाद का यह क्रम निरंतर चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने कुछ दिनों पहले तय किया था कि प्रत्येक मंगलवार किसान संगठनों और किसान भाई-बहनों से भेंट कर चर्चा करेंगे। इस दौरान विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने की जेलेंस्की से मुलाकात

शांति प्रक्रिया में मदद की भारत की इच्छा दोहरायी

न्यूयॉर्क/नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को न्यूयॉर्क में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की और बातचीत तथा कूटनीति के माध्यम से यूक्रेन में चल रहे संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की तलाश में रचनात्मक भूमिका निभाने की भारत की इच्छा दोहरायी।

गौरतलब है कि श्री मोदी और श्री जेलेंस्की की पिछले एक महीने में यह दूसरी मुलाकात है। इससे पहले श्री मोदी के यूक्रेन दौरे के दौरान दोनों नेता कीव में मिले थे।

श्री मोदी ने संघर्ष के समाधान के लिए भारत के स्पष्ट, सुसंगत और रचनात्मक दृष्टिकोण को भी दोहराया और कहा कि दोनों पक्षों (यूक्रेन और रूस) को शांतिपूर्ण तरीके से समाधान खोजने के लिए एक मेज पर बैठना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष के स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान को सुविधाजनक बनाने के लिए सभी प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की बैठक से पहले दोनों नेता गर्मजोशी से गले मिले।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, ह्लप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की बैठक के मौके पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की। इस दौरान नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने यूक्रेन की स्थिति पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री ने बातचीत और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की तलाश में रचनात्मक भूमिका निभाने की भारत की इच्छा दोहरायी।

मीडिया में जारी बयान में कहा गया, प्रधानमंत्री मोदी ने 23 सितंबर को 'समिट ऑफ द फ्यूचर इन न्यूयॉर्क' के दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं ने श्री मोदी की हाल की यूक्रेन यात्रा को याद किया और द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर सुदृढ़ीकरण पर संतोष व्यक्त किया। यूक्रेन की स्थिति और शांति के मार्ग पर आगे बढ़ने के तरीके पर भी उनकी प्रमुखता से चर्चा हुई।

मुलाकात के दौरान श्री मोदी ने कूटनीति और संवाद के साथ-साथ सभी हितधारकों के बीच सहभागिता के माध्यम से संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के पक्ष में भारत के स्पष्ट, सुसंगत और रचनात्मक दृष्टिकोण को दोहराया। उन्होंने कहा कि संघर्ष के स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान को सुविधाजनक बनाने के लिए भारत सभी प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि पिछले तीन महीने से भी कम समय में दोनों नेताओं की यह तीसरी मुलाकात है। इस दौरान दोनों नेताओं ने निकट संपर्क में रहने पर सहमति व्यक्त की।

भगवंत सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

एनआरआई कोटे का दायरा बढ़ाने वाला नोटिफिकेशन किया रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल और डेंटल कोर्स में एनआरआई कोटो को लेकर पंजाब सरकार को फटकार लगाई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि हमें एनआरआई कोटे का धंधा बंद कर देना चाहिए। यह पूरी तरह से धोखाधड़ी है। इसके साथ ही कोर्ट ने मंगलवार को मेडिकल दाखिले में एनआरआई कोटा बढ़ाने वाले पंजाब सरकार की अधिसूचना को भी रद्द कर दी।

10 सितंबर को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने भगवंत मान सरकार के 20 अगस्त के उस फैसले को खारिज कर दिया था। जिसमें मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए एनआरआई ग्रुप कोटे को 15 प्रतिशत बढ़ा दिया था। इस बढ़े हुए कोटे में दूर के रिश्तेदारों "जैसे चाचा, चाची, दादा-दादी और चचेरे भाई-बहनों" को भी शामिल किया गया था।

'सामान्य कोटे के छात्रों को नहीं मिलेगा एडमिशन'

इस मामले पर आज फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, हमें धोखाधड़ी को समाप्त करना होगा, हाईकोर्ट का आदेश बिल्कुल सही है। राज्य सरकार के इस नोटिफिकेशन के घातक परिणाम होंगे। जिन सामान्य उम्मीदवारों के नंबर एनआईआई कोटे के छात्र से 3 गुना अधिक हैं, वो सामान्य छात्र लिस्ट से बाहर हो जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को इस पर अमल करने की नसीहत दी। कोर्ट ने कहा कि कानून के कुछ सिद्धांतों का पालन करना चाहिए, हम कानून के सिद्धांत निर्धारित करेंगे।

क्या है पूरा मामला?

बता दें कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की भगवंत मान सरकार ने 20 अगस्त को नोटिस जारी करते हुए सरकार ने नीट के एडमिशन में एनआरआई कोटा देने का ऐलान किया था। पंजाब सरकार ने एनआरआई को 15 प्रतिशत तक आरक्षण देने का ऐलान किया था। जिसके बाद डॉ बीआर अंबेडकर स्टेट इंस्टीटयूट मेडिकल साइंसेज मोहाली में एमबीबीएस की जनरल सीटें कम कर दी गई थी। कम की गई सीटों को एनआरआई कोटे में शामिल कर दिया गया।
जिसके बाद कुल छात्र इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में पहुंच गए। 10 सितंबर को इस मामले पर सुनवाई करते हुए पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने इस कोटे को रद्द कर दिया। हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को सही बताते हुए याचिका खारिज कर दी।

'ये पैसा कमाने की मशीन है'

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, यह पैसे कमाने की मशीन के अलावा कुछ नहीं है। पीठ ने कहा, हम सभी याचिकाओं को खारिज कर देंगे। यह एनआरआई व्यवसाय धोखाधड़ी के अलावा कुछ नहीं है। हम इस सब को खत्म कर देंगे... अब तथाकथित मिसालों की जगह कानून को प्राथमिकता देनी होगी। शीर्ष अदालत का कहना है कि वो जल्द ही इस संबंध में गाइडलाइन जारी करेंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया इंडियन कोस्ट गार्ड कमांडर्स के 41वें सम्मेलन का उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को तटरक्षक मुख्यालय में कमांडरों के 41वें सम्मेलन का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने तटरक्षक कमांडरों के साथ राष्ट्रीय और समुद्री सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत की। 26 सितंबर तक चलने वाले सम्मेलन में कमांडर भारत सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप 'मेक इन इंडिया' पहल के माध्यम से स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन की गई आईसीजी परियोजनाओं का मूल्यांकन करेंगे।

रक्षा मंत्री ने तटरक्षक बल के एडीजी एस परमीश और अन्य वरिष्ठ तटरक्षक कमांडरों के साथ राष्ट्रीय और समुद्री सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत की। यह शीर्ष वार्षिक सम्मेलन तटरक्षक बल के वरिष्ठ कमांडरों के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक, परिचालन और प्रशासनिक मामलों पर सार्थक चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा। यहां सभी भू-राजनीतिक परिदृश्यों और समुद्री सुरक्षा की जटिलताओं की पृष्ठभूमि में मंथन होगा। यह सम्मेलन आईसीजी के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सम्मेलन के दौरान आईसीजी कमांडरों को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के साथ-साथ नौसेना प्रमुख और इंजीनियर-इन-चीफ के साथ बातचीत करने का अवसर भी मिलेगा। सम्मेलन में की जाने वाली चर्चाएं समुद्री सुरक्षा के पूरे क्षेत्र में सेवाओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए होंगी।

गरीबों को बिजली मुफ्त देने पर जेल में डाला : केजरीवाल

- दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने आप प्रत्याशी के समर्थन में रानिया विधानसभा क्षेत्र में रोडशो किया
- कहा-भाजपा मुझे दोषी दिखाना चाहती है इसलिए जेल में डाला

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार पर प्रहार तेज करते हुए आरोप लगाया कि उन्हें इसलिए गिरफ्तार कर जेल में डाला गया क्योंकि उन्होंने दिल्ली और पंजाब में गरीबों को मुफ्त बिजली और पानी दिया। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी उन्हें दोषी दिखाना चाहती है लेकिन उनके कट्टर शत्रु भी मानते हैं कि वह भ्रष्ट नहीं हैं। केजरीवाल ने पांच अक्तूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए ह्यआप प्रत्याशी हरपिंदर सिंह के समर्थन में सिरसा के रानिया विधानसभा क्षेत्र में एक रोडशो किया। केजरीवाल ने आबकारी नीति मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद आप नेता आतिशी ने राष्ट्रीय राजधानी के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। रोडशो के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि उन्हें बिना किसी कारण के जेल में साढ़े पांच महीने बिताने पड़े। उन्होंने कहा, मेरी क्या गलती थी? मेरी गलती पिछले 10 साल से दिल्ली का मुख्यमंत्री बने होने की है, मैंने गरीबों के बच्चों के लिए अच्छे सरकारी स्कूल बनवाए। पहले दिल्ली में सात-आठ घंटे बिजली कटौती होती थी लेकिन अब 24 घंटे बिजली आती है। क्या ये मेरी गलती है कि मैंने दिल्ली तथा पंजाब में बिजली मुफ्त कर दी। उन्होंने कहा, मेरी गलती है कि मैंने बुजुर्ग लोगों के लिए निशुल्क तीर्थ यात्रा शुरू की। दिल्ली और पंजाब में कई काम किए गए। कोई भ्रष्ट व्यक्ति यह नहीं कर सकता। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उसकी पार्टी की सरकार वाले हर राज्य में बिजली बहुत महंगी है। उन्होंने कहा, हरियाणा में बिजली मुफ्त नहीं है, यह बहुत महंगी है। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि भ्रष्ट कौन है- बिजली मुफ्त करने वाला या बिजली महंगी करने वाला। केजरीवाल ने कहा, उन्होंने मुझे जेल में क्यों डाला? मैं ईमानदार हूं। मेरी ईमानदारी पर चोट करना चाहते हैं। वे यह कहना चाहते हैं कि केजरीवाल भ्रष्ट है क्योंकि वह पांच महीने तक जेल में रहा। आप नेता ने कहा कि लेकिन जब वह जेल से बाहर आए तो कोई यह स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं था कि वह भ्रष्ट हैं। मेरे कट्टर से कट्टर दुश्मन कहते हैं कि केजरीवाल कुछ भी हो लेकिन भ्रष्ट नहीं है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि जेल में उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। वे मेरा संकल्प तोड़ना चाहते हैं लेकिन वे यह नहीं जानते कि मैं हरियाणा से आता हूं। आप किसी का भी संकल्प तोड़ सकते हैं लेकिन हरियाणा वाले का नहीं। हम हरियाणा में स्कूल बनाएंगे और निशुल्क बिजली देंगे दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मैं यहां वोट मांगने आया हूं। यह सत्ता मिलने के लिए नहीं है। मैं सत्ता छोड़कर आया हूं। मैंने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। आज के जमाने में कोई चपरासी का पद भी नहीं छोड़ता। किसी ने मेरा इस्तीफा नहीं मांगा था। उन्होंने कहा कि वह सत्ता के भूखे नहीं हैं। उन्होंने कहा, आपके बेटे और भाई ने देश तथा दुनिया में हरियाणा का नाम रोशन किया है। मैंने पंजाब और दिल्ली में सरकार बनाई। हमें हरियाणा की सेवा करने का एक मौका दीजिए। हम हरियाणा में स्कूल बनाएंगे और निशुल्क बिजली देंगे। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में उनके बिना सरकार नहीं बनेगी।

कैलाश गहलोत ने कार्यभार संभाला, दिल्ली के परिवहन मंत्री के रूप में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं नजफगढ़ से विधायक कैलाश गहलोत ने मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार में परिवहन, गृह, प्रशासनिक सुधार और महिला एवं बाल विकास मंत्री के रूप में मंगलवार को कार्यभार संभाल लिया। गहलोत को वही विभाग दिए गए हैं जो पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार में उनके पास थे। कार्यभार संभालने के बाद गहलोत ने कहा, मेरा एकमात्र लक्ष्य पहले की तरह दिल्ली की जनता के लिए काम करना और हमारे नेता अरविंद केजरीवाल को फिर से मुख्यमंत्री बनाना है।

मुख्यमंत्री आतिशी और उनके तीन मंत्रियों गोपाल राय, इमरान हुसैन और मुकेश अहलावत ने सोमवार को अपने-अपने विभागों का कार्यभार संभाला था। उपराज्यपाल वी के सक्सेना द्वारा मुख्यमंत्री और उनकी मंत्रिपरिषद को शपथ दिलाए जाने के बाद स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को कार्यभार संभाला था। गहलोत ने उम्मीद जताई कि फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव में केजरीवाल फिर से दिल्ली के मुख्यमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है।

केजरीवाल के खिलाफ बहुत षड्यंत्र रचे गए : आतिशी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने मंगलवार को कहा कि आम आदमी पार्टी(आप), दिल्ली सरकार, दिल्ली की जनता और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बहुत षड्यंत्र रचे गए लेकिन हनुमान जी ने हर संकट से रक्षा की। सुश्री आतिशी ने आज यहां कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में हनुमान जी के दर्शन किए, पूजा-अर्चना की और सभी की सुख-समृद्धि के लिए आशीर्वाद लिया। उन्होंने एक्स पर कहा, कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में हनुमान जी का आशीर्वाद लिया। पिछले दो सालों में आम आदमी पार्टी, दिल्ली सरकार, दिल्ली की जनता और हमारे नेता अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बहुत षड्यंत्र रचे गए। लेकिन हनुमान जी ने हर संकट से हमारी रक्षा की। संकट मोचन से यही प्रार्थना है कि, उनका आशीर्वाद सदैव हम सभी पर बना रहे, हम दिल्लीवालों के काम करते रहें और आने वाले चुनाव के बाद एक बार फिर अरविंद केजरीवाल जी दिल्ली के मुख्यमंत्री बनें। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि, "हनुमान जी हमारे संकट मोचन रहे है। पिछले दो सालों में आम आदमी पार्टी पर, दिल्ली सरकार पर, हमारे नेता अरविंद केजरीवाल जी पर हमारे दुश्मनों द्वारा हर तरह के हमले हुए। उन्होंने कोशिश की कि, हमें तोड़ दें, हमें दबा दें, हमें चुप करा दें, दिल्ली वालों के काम रोक दें। उन्होंने कहा कि हनुमान जी ने हर संकट में आपकी,श्री जरीवाल की,दिल्ली सरकार की और दिल्लीवालों की रक्षा की। सुश्री आतिशी ने कहा, "आज हनुमान जी से मैंने यही प्रार्थना की कि, जिस तरह से उनका आशीर्वाद हमेशा हम सभी पर बना रहा है, वैसे ही बना रहे।

116 किलो गांजे के साथ दो अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दो अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 116 किलो गांजा बरामद हुआ है। आरोपी उड़ीसा और आंध्र प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों से गांजा लेते थे और देश के विभिन्न हिस्सों में भेजते थे। आरोपियों में बिहार निवासी नितेश और रोहित शामिल हैं। पुलिस इनसे पूछताछ कर तस्करी के पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है। गांजे की कीमत 58 लाख रुपये बताई जा रही है। क्राइम ब्रांच ने बताया कि गांजा की तस्करी में एक अंतरराज्यीय गिरोह संचालित होने की जानकारी मिली थी। पता चला कि यह गिरोह कूरियर के माध्यम से भारी मात्रा में गांजा की दिल्ली में सप्लाई कर रहा है। इसी दौरान पता चला कि मीरा बाग के पास यह गिरोह गांजा के पार्सल की डिलीवरी करने वाला है। यहां दो तस्कर इसे लेकर जाएंगे। इसके बाद पुलिस ने जांच कर पार्सल में रखा करीब 116 किलो गांजा बरामद किया और पार्सल लेकर आने वालों के बारे में जानकारी एकत्र कर उन्हें हरियाणा के यमुना नगर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे पिछले 2-3 साल से हरियाणा के यमुनानगर स्थित प्लाई फैक्टरी में काम कर रहे थे। एक दिन उनकी मुलाकात अविनाश कुमार से हुई। उसने बताया कि कुछ साल पहले वह भी उसकी तरह फैक्टरी में काम करता था, लेकिन बाद वह गांजे की सप्लाई करने लगा और काफी पैसा कमाया। इसके बाद वे भी अविनाश के साथ काम करने लगे।

उन्होंने खुलासा किया कि इस नेटवर्क में कई लोग शामिल हैं, जिन्हें अलग-अलग भूमिकाएं सौंपी गई है। पार्सल के जरिए आंध्र प्रदेश से दिल्ली, हरियाणा तक गांजा सप्लाई होती है।

पदभार ग्रहण करने के बाद मुख्यमंत्री ने कैबिनेट मंत्रियों साथ की बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री आतिशी ने पदभार ग्रहण करने के बाद मंगलवार को कैबिनेट मंत्रियों व दिल्ली सरकार के सभी विभागाध्यक्षों साथ सरकार के कामकाज को लेकर बैठक की। बैठक में कैबिनेट मंत्री गोपाल राय, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज, इमरान हुसैन और मुकेश अहलावत शामिल रहे। साथ ही दिल्ली के मुख्य सचिव धर्मेंद्र सहित सरकार के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली सरकार और दिल्ली में तैनात अफसरों की पूरी जबाबदेही दिल्ली के लोगों के प्रति है। दिल्ली के लोगों द्वारा दिए टैक्स से ही हम सभी के घर चलते हैं। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें बेहतर से बेहतर सुविधाएं देने के लिए काम करें और लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी के साथ निभाएं। उन्होंने कहा कि सरकार के रूप में हमारी जिम्मेदारी है कि पंक्ति में खड़े आखिरी व्यक्ति तक सरकारी सुविधाएं पहुँचे और सरकार उसकी उम्मीदों पर खरा उतरे। ऐसे में दिल्ली सरकार और अफसर मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि दिल्ली में हर जरूरतमंद तक सरकारी सुविधाएं पहुंचें और उन्हें एक सम्मानजनक जीवन मिल सके।

उपराज्यपाल द्वारा निर्देशित कार्यों की जांच करने पहुंचे सांसद मनोज तिवारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दो दिन पहले उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी के साथ दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने मुस्तफाबाद एवं करावल नगर तथा गोकलपुर विधानसभा क्षेत्र का अधिकारियों के साथ दौरा किया था और कई विकास कार्यों की आवश्यकता के अनुरूप कार्यवाही का निर्देश दिया था 2 दिन बाद आदेश के बाद शुरू किए गए कार्यों की जांच करने के लिए सांसद मनोज तिवारी उत्तर पूर्वी दिल्ली की डीएम वेदिता रेड्डी शाहदरा नॉर्थ जोन के उपायुक्त विनोद अत्रे अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिशासी अभियंता सुधीर आर्य और संबंधित अधिकारियों के साथ गोकुलपुरी मेट्रो स्टेशन अचानक पहुंचे। इस अवसर पर पूर्व विधायक रंजीत कश्यप भाजपा नेता आनंद त्रिवेदी सोनू सिरिया पहलवान सहित कई गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। शुरू विकास कार्यों की जांच करने पहुंचे सांसद मनोज तिवारी को अधिकारियों ने बताया की तीन सड़कों के निर्माण की मांग और आदेश हुए थे जिनमें से एक सड़क का टेंडर हो गया है दो का शीघ्र करने की प्रक्रिया शुरू है गोकलपुर ड्रेन की सफाई युद्ध स्तर पर होती हुई मिली जबकि स्ट्रीट लाइट जगमगाती नजर आई फिर अचानक सांसद तिवारी अधिकारियों के साथ खजूरी चौक पर पहुंचे और जाम की स्थिति को देखा और मौके पर बुलाकर संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही का निर्देश दिया। सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि इसी तरह आगामी दिनों में भी जिन-जिन कार्यों की प्रक्रिया उपराज्यपाल विनय सक्सेना के आदेश के बाद शुरू हुई है उनकी समीक्षा की जाएगी और कार्यों में आने वाली बाधाओ को दूर कर उन्हें पूरा करवाया जाएगा जिससे क्षेत्र की जनता को सुकून और समस्या से निजात मिलेगी उन्होंने बताया कि बाकी के लंबित कार्यों को भी शीघ्र पूरा करवाने के लिए अधिकारियों के साथ वह क्षेत्र के अन्य हिस्सों का आगामी दिनों में दौरा करेंगे।

आईपी यूनिवर्सिटी में रक्तदान शिविर का आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) के द्वारका कैम्पस में राष्ट्रीय सेवा योजना(एनएसएस) दिवस पर आज एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्रों, फैकल्टी सदस्यों, कर्मचारियों, एनएसएस वालंटीयर्स और एनसीसी कैडेट्स ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के एनएसएस सेल के प्रमुख प्रो. वरुण जोशी ने रक्तदान और नियमित स्वास्थ्य जांच के लाभों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सेवा करने की दिशा में इस तरह के छोटे योगदान की भी बड़ी भूमिका है। कार्यक्रम का आयोजन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बेसिक एंड अप्लाइड साइयन्स(यूएसबीएएस) और यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी (यूएसबीटी) के एनएसएस यूनिट द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम वी-केयर हॉस्पिटल ब्लड बैंक और चंद्र लक्ष्मी हॉस्पिटल ब्लड बैंक संगठन, गाजियाबाद के सहयोग से आयोजित किया गया। इस रक्तदान शिविर में 127 लोगों ने भाग लिया। तकरीबन 100 यूनिट ब्लड जमा हुआ जिसे जरूरतमंद लोगों के लिए डोनेट कर दिया गया।

पंथ रत्न जत्थेदार गुरचरण सिंह टौहड़ा ने हमेशा दिल से कौम की लड़ाई लड़ी: हरमीत सिंह कालका

नई दिल्ली, एजेंसी। पंथ रत्न जत्थेदार गुरचरण सिंह टौहड़ा ने हमेशा पूरे साहस के साथ कौम की लड़ाई लड़ी और सरकारों की आँखों में आँखें डालकर पंथ के मुद्दे हल करवाए। यह बात दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका ने कही। आज गाँव टौहड़ा में टौहड़ा परिवार और अकाली दल सुधार लहर द्वारा आयोजित जत्थेदार टौहड़ा के जन्म शताब्दी समारोह में उपस्थित होते हुए सरदार कालका ने कहा कि उन्हें गर्व है कि उन्होंने जत्थेदार टौहड़ा के साथ कई साल करीब रहकर काम किया। उन्होंने कहा कि अंतिम समय में भी वह जत्थेदार टौहड़ा के साथ थे। उन्होंने कहा कि आज की सभा यह बता रही है कि लोगों के दिलों में कौम और पंथ के प्रति कितना दर्द है और पंथ लोगों के दिलों में जीवित है। बस इसे सही दिशा देने और उसमें नया जोश भरने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जिस बहादुरी और पूरी ईमानदारी के साथ जत्थेदार टौहड़ा ने 27 साल तक शिरोमणि कमेटी के प्रधान के रूप में सेवाएं दीं, उनके बाद कोई भी नेता उनके जैसा नहीं बन सका।

उन्होंने कहा कि आज कौम को फिर से ऐसे नेताओं की जरूरत है जो पंथ का दर्द समझते हों। उन्होंने यह भी कहा कि अगर जत्थेदार टौहड़ा जीवित होते, तो पंजाब में बेअदबी जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं कभी नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि जत्थेदार टौहड़ा को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनकी सोच के मुताबिक पंथ को मजबूत करने और कौम को आगे ले जाने के लिए काम करें। ज्यादा से ज्यादा लोगों को अमृतधारी बनाएं, गुरबाणी और गुरसिखी जीवन से जोड़ें। इस मौके पर उनके साथ दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य सरदार भुपिंदर सिंह भुल्लर, सरदार परविंदर सिंह लक्की, सरदार सतनाम सिंह, सरदार जसविंदर सिंह और सरदार बलजिंदर सिंह भी मौजूद थे।

करोल बाग जोन उपायुक्त से दिल्ली सफाई कर्मचारी आयोग की बैठक सम्पन्न

नई दिल्ली, एजेंसी। सफाई कर्मचारियों की विभिन्न समस्यायों के निपटान हेतु आज दिल्ली सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन संजय गहलोत ने करोल बाग जोन में अपने तयशुदा कार्यक्रमानुसार उपायुक्त कर्नल अभिषेक मिश्रा एवं अन्य सभी क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान बारी बारी से करोल बाग जोन से सम्बंधित सफाई कर्मचारियों की विभिन्न जवलनतशील समस्यायों पर गहन चर्चा की, जिनमे प्रमुख रूप से कर्मचारियों के नियमतिकरण, लेफ्ट आउट कर्मचारियों के नियमतिकरण, करुणामूलक आधार पर नियुक्ति एवं नियमतिकरण, रिटायरमेंट कर्मचारियों के अंतिम लाभांश एवं अन्य सभी समस्यायों के शीघ्र और तीव्र गति से कार्य करने के निर्देश जारी किए। बैठक में करोल बाग जोन के सफाई कर्मचारियों और ट्रेड यूनियन नेताओं ने भी हिस्सा लिया।

एक नजर

देशबंधु गुप्ता रोड से अतिक्रमण हटाया

नई दिल्ली, एजेंसी। करोल बाग जोन के देशबंधु गुप्ता रोड पर अतिक्रमण हटाया गया। दिल्ली नगर निगम ने इस सड़क पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जे को हटाया। जोन में फैज रोड रेड लाइट से रानी झांसी राउंड तक के हिस्से को अतिक्रमण मुक्त कर दिया गया। निगम की टीमों ने दिल्ली पुलिस के सहयोग से यह कार्रवाई की। इस दौरान अस्थायी ढांचों और प्लेटफॉर्मों को हटाया। जोन के उपायुक्त कर्नल अभिषेक कुमार मिश्रा ने कहा कि सड़कों पर अवैध कब्जे के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। सार्वजनिक स्थानों से अतिक्रमण को हटाया जा रहा है।

स्कूटी की डिक्की का लॉक तोड़ रुपये ले उड़े बदमाश

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाबी बाग इलाके में 20 सितंबर को अज्ञात बदमाशों ने एक स्कूटी की डिक्की का लॉक तोड़ कर उससे लाखों रुपये चोरी कर लिए। वारदात के समय पीड़ित स्कूटी खड़ी कर मेडिकल स्टोर में दवाई लेने के लिए गया था। मामले की सूचना मिलने के बाद पंजाबी बाग थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित के बयान पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर चोरों की पहचान करने में जुटी हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित 29 वर्षीय बिजेन्द्र अपने परिवार के साथ नांगलोई में रहते हैं। 20 सितंबर को वह पश्चिम विहार स्थित बैंक गए थे। बैंक से उन्होंने एक लाख 90 हजार रुपये निकाले। दोपहर करीब दो बजे वह पंजाबी बाग स्थित एक दवाई की दुकान पर गए। कुछ देर बाद वह बाहर आए तो देखा स्कूटी की डिक्की का लॉक टूटा हुआ है और अंदर रखे रुपये गायब हैं।

यमुना में छलांग लगाने वाले छात्र का शव बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। वजीराबाद सिग्नेचर ब्रिज पर बाइक खड़ी कर यमुना में छलांग लगाने वाले छात्र का शव गोताखोरों की टीम ने तीन दिन बाद सोमवार शाम को ढूंढ निकाला। शव सिग्नेचर ब्रिज से कई किलोमीटर दूर ओखला बैराज के पास से बरामद किया गया। मारे गए छात्र की पहचान 17 वर्षीय अंशु चौधरी के तौर पर हुई है। खुदकुशी के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस के मुताबिक अंशु चौधरी अपने परिवार के साथ गाजियाबाद के लोनी स्थित इंद्रापुरी में रहता था। अंशु के भाई आकाश ने पुलिस को बताया कि उसका भाई 12वीं कक्षा में पढ़ता था और यमुना विहार में कोचिंग सेंटर पढ़ने के लिए जाता था। शनिवार को वह घर से कोचिंग सेंटर के लिए निकला था, लेकिन यह पता चला कि उस दिन कोचिंग सेंटर की छुट्टी थी। परिजनों को उसी दिन करीब सात बजे सूचना मिली कि अंशु ने सिग्नेचर ब्रिज पर बाइक खड़ी कर नदी में छलांग लगा दी है।

दिल्ली स्टेट एससी-एसटी, ओबीसी माइनारिटी आगेर्नाईजेशन ज्वाइंट एक्शन कमेटी ने आतिशी को जनता के मुद्दे याद दिलाए

नई दिल्ली, एजेंसी। ज्वाइंट एक्शन कमेटी दिल्ली स्टेट एससी-एसटी, ओबीसी माइनारिटी आगेर्नाईजेशन के मुख्य समन्वयक वीरेंद्र कुमार जाटव ने आतिशी सिंह का दिल्ली के मुख्यमंत्री का कार्यभार संभालने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष बारिश के कारण जो तबाही का मंजर देखने को मिला है और जान माल का भारी नुकसान दिल्ली की जनता को उठाना पड़ा है वह बहुत ही दुखदाई रहा है। इसलिए अब हम अपेक्षा करते हैं कि दिल्ली सरकार पूरी ताकत से दिल्ली वालों के मुद्दों पर त्वरित समाधान के लिए अग्रसर रहेगी। दिल्ली वाले यह भी अपेक्षा करते हैं कि नया मंत्रिमंडल केंद्र, उप राज्यपाल एवम दिल्ली के ब्यूरोक्रेट्स के साथ समन्वय और संवाद स्थापित करते हुए कार्य करेगी। उन्होने एक बयान में मंगलवार को कहा कि नवनियुक्त मुख्यमंत्री के सामने आने वाले दिनों में सबसे बड़ी समस्या प्रदूषण की होगी। इस पर भी रोकथाम की बड़ी जरूरत है। जाटव ने कहा कि एससी-एसटी, ओबीसी माइनारिटी आगेर्नाईजेशन ज्वाइंट एक्शन कमेटी बहुत जल्द मुख्यमंत्री से मिलकर कर्मचारियों की लंबी मांगे और हितों के लिए सरकार से सकारात्मक पहल उठाने की मांग करेगी।

शौच करने गई नाबालिग से दुष्कर्म की कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में 22 सितंबर को खुले में शौच करने गई एक नाबालिग बच्ची का उसके भाई के सामने अपहरण कर दुष्कर्म करने की कोशिश का मामला सामने आया है। बच्ची के भाई ने घर जाकर परिजनों को वारदात की जानकारी दी। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और आरोपी को पकड़ लिया।

पुलिस ने बच्ची की काउंसलिंग और मेडिकल के बाद मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को दिए बयान में नाबालिग ने बताया कि 22 सितंबर को वह अपने भाई के साथ शौच करने गई थी। वहां आरोपी हरेंद्र ने उसे जबरन पकड़ लिया और एक खाली झुग्गी में ले गया। पीड़िता का भाई भागकर अपने घर पहुंचा और वारदात के बारे में पिता को बताया। पिता परिवार के बाकि सदस्यों के साथ मौके पर पहुंचे। परिजनों ने पीड़िता को बचाकर आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया।

10 साल से छुप कर रहे लूट के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। सब्जी मंडी पुलिस ने रेलवे में नौकरी का झांसा देकर हथियार के बल पर लूटपाट करने वाले एक आरोपी को मेरठ से गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी सुभाष चंद है। जोकि 10 साल से अदालती कार्रवाई बच कर रह रहा था। पुलिस अधिकारी के मुताबिक थाना प्रभारी राममनोहर मिश्रा की देखरेख में गठित टीम एएसआई अशोक, हेड कांस्टेबल परमवीर, तेजवीर व कांस्टेबल दीपक ने एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाही करते हुए मेरठ से आरोपी को धर दबोचा। जिसने अपने तीन साथी के साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया था। जोकि 10 साल से फरार था। टीम ने भारी मशक्कत के बाद उसकी जानकारी जुटाई तो पता चला कि वह देर रात अपने परिवार के बीच में आता है। पुलिस ने कई दिन की मशक्कत के बाद उसे मेरठ से धर दबोचा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आपातकालीन चिकित्सा प्रशिक्षण पर कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन ऑयल और सामाजिक कार्य विभाग, डॉ भीम राव अम्बेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आपातकालीन चिकित्सा प्रशिक्षण (फर्स्ट ऐड ट्रेनिंग) का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो सदा नंद प्रसाद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इंडियन ऑयल के प्रबंधक गौरव गुप्ता ने कार्यक्रम की सार्थकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि हर व्यक्ति को फर्स्ट ऐड का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि आपातकाल में घायल व्यक्ति की जान बचाई जा सके। अन्य वक्ता चंद्रकला इंडेन के प्रोपराइटर डॉ राकेश रमण झा ने बतलाया कि जीवन बचाने और स्थिति को और खराब होने से बचाने के लिय फर्स्ट ऐड ट्रेनिंग की जरूरत रहती है। उन्होंने एलपीजी से सुरक्षा के कई उपाय भी बताए। मुख्य वक्ता के रूप में दंत चिकित्सक डॉ चंद्रदीप चंद्रा ने अपने लाइव डेमो द्वारा बतलाया कि अगर किसी व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ता है तो उसे किस प्रकार से सीपीआर दिया जाना चाहिए।

यूपीआईटीएस 2024 किसी राज्य सरकार द्वारा आयोजित अपनी तरह का अनूठा ट्रेड शो: एमएसएमई मंत्री, राकेश सचान

ऋषि तिवारी

ग्रेटर नोएडा। यूपीआईटीएस 2024 अपने पहले सफल संस्करण से अधिक सफल होगा, ऐसा उत्तर प्रदेश के माननीय एमएसएमई, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा और वस्त्र मंत्री श्री राकेश सचान ने हाल ही में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कहा। यूपी सरकार द्वारा यूपीआईटीएस 2024, का आयोजन इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट के सहयोग से किया जा रहा है और 25 से 29 सितंबर 2024 तक यह शो उत्तर प्रदेश को एक वैश्विक सोर्सिंग केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश, 37 सेक्टरों में अपनी व्यापारिक और वाणिज्यिक क्षमताओं को एक ही छत के नीचे इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में प्रदर्शित करेगा। इस शो में न केवल प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों को उजागर किया जाएगा, बल्कि राज्य की समृद्ध संस्कृति, व्यंजन, शिल्प और परिवर्तनकारी विकास को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इस प्रेस वार्ता में श्री प्रांजल यादव,

आईएएस, सचिव एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार; श्री पवन अग्रवाल, संयुक्त आयुक्त निर्यात, उत्तर प्रदेश निर्यात प्रोत्साहन परिषद; श्री के. विजयेंद्र पांडियन, आईएएस, आयुक्त और निदेशक उद्योग विभाग सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।माननीय मंत्री श्री राकेश सचान ने मीडिया को बताया कि यूपीआईटीएस 2024 (25-29 सितंबर) किसी भी राज्य सरकार द्वारा आयोजित एक अनोखा ट्रेड शो है। उन्होंने आगे कहा कि पिछला संस्करण बहुत सफल रहा और इस बार के शो को और भी बड़ी उपलब्धियां मिलने की उम्मीद है। वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) और यूपीआईटीएस 2024 जैसे प्रयास उत्तर प्रदेश की निर्यात वृद्धि, एमएसएमई विकास और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन में हुई महत्वपूर्ण प्रगति को प्रदर्शित करेंगे। यह आयोजन राज्य की आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की प्रतिबद्धता का प्रमाण है और उत्तर प्रदेश को एक वैश्विक व्यापार केंद्र के रूप में स्थापित करने का प्रयास है। उन्होंने आगे कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय खरीदारों, निवेशकों और हितधारकों के लिए एक अनिवार्य रूप से भाग लेने योग्य कार्यक्रम है, जो उत्तर प्रदेश के विविध उद्योगों और क्षमताओं को प्रदर्शित करते हुए व्यापार और निवेश को बढ़ावा देगा। इंडिया एक्सपो मार्ट लिमिटेड के चेयरमैन श्री राकेश कुमार ने प्रेस वार्ता के दौरान यूपीआईटीएस 2024 के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह मंच उत्तर प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय सोर्सिंग केंद्र के रूप में स्थापित करने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है। इसमें मैन्युफैक्चरिंग, तकनीक, कृषि, वस्त्र, स्वास्थ्य, पर्यटन जैसे क्षेत्रों को प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस प्रतिष्ठित ट्रेड शो का उद्घाटन भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ करेंगे, और इस दौरान उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, माननीय एमएसएमई मंत्री श्री जितन राम मांझी, माननीय मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता "नंदी", और वियतनाम के राजदूत महामहिम गुयेन थान्ह है भी उपस्थित रहेंगे। मीडिया को यह भी बताया गया कि इस बार दर्शक वियतनाम की समृद्ध संस्कृति, व्यंजन और अद्भुत उत्पादों का अनुभव करेंगे। यूपीआईटीएस 2024 उत्तर प्रदेश को 2027 तक एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर करेगा। इस वर्ष के शो में 2,500 से अधिक प्रदर्शकों की भागीदारी के साथ 3.5 लाख से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों की उपस्थिति की उम्मीद है।यूपीआईटीएस 2024, जो 1.1 लाख वर्ग मीटर में फैला है, 5 दिनों तक विभिन्न गतिविधियों की मेजबानी करेगा, जिसमें ज्ञान सत्र, सम्मेलन, उत्पाद प्रदर्शन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, फैशन शो, लेजर डिस्प्ले और राज्य के विभिन्न जिलों के व्यंजन शामिल होंगे। वियतनाम, जो इस बार 'पार्टनर कंट्री' है, अपनी समृद्ध संस्कृति को प्रस्तुत करेगा। वियतनाम के भारत में राजदूत महामहिम गुयेन थान्ह है ने इस सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। यह शो उत्तर प्रदेश की शिल्पकला, नवाचार और व्यापारिक क्षमताओं को प्रदर्शित करते हुए सरकारी अधिकारियों, नीति निमार्ताओं, उद्योगपतियों और उद्यमियों को एक मंच प्रदान करेगा। पीआईटीएस 2024 में महिला उद्यमियों, स्टार्टअप्स, ओडीओपी पहल, और प्रमुख उद्योगों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। ब्रज, अवध और बुंदेलखंड की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ प्रसिद्ध कलाकार अंकित तिवारी, कनिका कपूर और पलाश सेन के 'युफोरिया' बैंड द्वारा प्रदर्शन भी किया जाएगा। वियतनाम, बोलीविया, रूस आदि देशों की अंतरराष्ट्रीय प्रस्तुतियां भी इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशंस (आईसीसीआर) के सहयोग से आयोजित की जाएंगी। यह शो व्यापार, संस्कृति और वैश्विक साझेदारियों का एक अनूठा संगम होगा।

आईएमएस लॉ कॉलेज में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

ऋषि तिवारी

नोएडा। आईएमएस लॉ कॉलेज, नोएडा ने छात्रों के स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए दो दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस शिविर में मंगलवार को मैक्स हॉस्पिटल, शार्प साइट, और क्लोव डेंटल के विशेषज्ञों के सहयोग से छात्रों की मुफ्त स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर के पहले दिन छात्रों के लिए कोलेस्ट्रॉल, कंप्लीट ब्लड काउंट टेस्ट, मधुमेह, ब्लड प्रेशर, बोन मिनरल डेंसिटी टेस्ट, पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट, दंत, और नेत्र संबंधी जांच के फ्री डॉक्टर कंसल्टेशन की व्यवस्था की गई। यह पहल छात्रों के स्वास्थ्य की स्थिति की सही जानकारी देने और उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक बनाने के उद्देश्य से की गई। मंगलवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का उद्घाटन करते हुए आईएमएस के महानिदेशक प्रो.(डॉ.) विकास धवन ने कहा कि मानव जीवन में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। हमें इसके प्रति जागरूक और जिम्मेदार होना चाहिए। आज का यह फ्री स्वास्थ्य जांच शिविर छात्रों के स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। वहीं आईएमएस लॉ कॉलेज के विभागाध्यक्ष डॉ. भाविश गुप्ता ने भी छात्रों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि संस्थान के छात्र शैक्षणिक रूप के साथ-साथ स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी समृद्ध बने। यह स्वास्थ्य जांच शिविर छात्रों को उनके स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानने और इसे बेहतर बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। शिविर के संयोजक डॉ. गोविंद प्रसाद गोयल ने बताया कि इस दो दिवसीय कार्यक्रम में छात्रों को उनके स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी प्राप्त हुई और भविष्य में बेहतर देखभाल के लिए प्रेरित किया गया। यह पहल हमारे छात्रों के समग्र विकास और कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। इसके अलावा, कार्यक्रम के दौरान 'मिस एवं मिस्टर व्हिसल स्माइल प्रतियोगिता' की भी घोषणा की गई, जिसमें सबसे आत्मविश्वास भरी और चमकदार मुस्कान वाले प्रतिभागियों को बुधवार को सम्मानित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ाना और स्वस्थ मुस्कान के महत्व को समझाना है।

पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद ठक-ठक गिरोह के चार बदमाश गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। सेक्टर-58 थानाक्षेत्र में पुलिस ने कारों का शीशा तोड़कर कीमती सामान चोरी करने वाले एक गिरोह के चार बदमाशों को मंगलवार को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि पुलिस आज तड़के सेक्टर-62 के पास तलाशी कर रही थी, तभी एक मोटरसाइकिल से आ रहे कुछ लोगों को जब उसने रुकने का इशारा किया तो वे रुकने की बजाए भागने लगे। उन्होंने बताया कि पीछा करने पर बदमाशों ने पुलिस गोली चला दी जिसपर पुलिसकर्मियों ने भी जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा चलाई गई गोली एजाज नामक एक बदमाश के पैर में लगी है। उन्होंने बताया कि मौके से भाग रहे आसिफ उर्फ हाशिम, अमरदाज, खुर्रम को पुलिस ने पीछा कर-के पकड़ लिया। अपर उपायुक्त ने बताया कि इन बदमाशों के पास से पुलिस ने देसी तमंचा, कारतूस, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, छह मोबाइल फोन, एक चाकू आदि बरामद किया है। उन्होंने बताया कि एजाज के ऊपर पूर्व में छह, अमरदाज के ऊपर पूर्व में 12, आसीम के ऊपर पूर्व में छह तथा खुर्रम के ऊपर पूर्व में आठ मुकदमे दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि इन बदमाशों ने एनसीआर में कारों का शीशा तोड़कर की गयी दर्जनों चोरियों में अपनी भूमिका कबूल की है।

"कवि प्रीमियर लीग (केपीएल) 2024" का आयोजन

ऋषि तिवारी

नोएडा। नोएडा ललित फाउंडेशन के तत्वावधान में हिंदी साहित्य और काव्य को नई दिशा देने के उद्देश्य से "कवि प्रीमियर लीग (डढछ) 2024" का आयोजन 27 से 29 सितंबर, 2024 को अंबर हाल, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में किया जाएगा। इस भव्य आयोजन में विश्वभर से 400 से अधिक कवियों की भागीदारी होगी। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य हिंदी काव्य और साहित्य को प्रोत्साहित करना और युवा पीढ़ी को इसके प्रति आकर्षित करना है। यह जानकारी नोएडा

मीडिया क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान ललित फाउंडेशन के संस्थापक कवि अमित शर्मा ने दी। डढछ ललित फाउंडेशन के वार्षिक अधिवेशन "अभिव्यंजना" के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। इस महोत्सव के मुख्य प्रायोजक इनॉक्स ग्रुप हैं। अमित शर्मा ने कहा, यह आयोजन कवियों को मंच प्रदान करने के साथ-साथ हिंदी काव्य के प्रति नई पीढ़ी में रुचि जगाने का माध्यम बनेगा। इस आयोजन में गणमान्य अतिथि जैसे प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास, सांसद मनोज तिवारी, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, क्रिकेटर सुरेश रैना, और सनथ जयसूर्या भी शामिल होंगे।

शांदी का झांसा देकर लड़कियों को ठगने वाल गिरफ्तार

ऋषि तिवारी

नोएडा। थाना बिसरख पुलिस द्वारा मेट्रीमोनियल वेब साइट के माध्यम से शादी का झांसा देकर लड़कियो के साथ ठगी करने वाला 01 शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है जिसके पास से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन बरामद किए गए है। बता दे कि अभियुक्त द्वारा जीवन साथी डाट कॉम व वेटर हॉफ साइट पर अपनी प्रोफाइल में अपने आप को विप्रो कम्पनी का रीजनल मैनेजर एचआर बताकर अलग- अलग लड़कियो से सम्पर्क कर उनसे मोबाइल नम्बर प्राप्त कर वार्ता करके प्रेमजाल में फसाकर व शादी का झासा देकर धोखाधडी करते है और उनसे कीमती मोबाईल, आई फोन व अन्य सामान एवं पैसो की ठगी करता है। जिसमें वादिया से करीब 2 लाख रूपए की नगद ठगी की गई है तथा एक एप्पल कम्पनी का फोन कीमत करीब 80 हजार रूपए लिया है। अब तक करीब 16-17 लड़कियो को अपने प्रेमजाल में फंसा चुका है।

जिसके लिए अभियुक्त विप्रो कम्पनी की अपनी अलग-अलग माह की फर्जी सैलरी स्लिप भी बनाकर दिखाता है। जिनमें से एक लडकी से कीमती 02 फोन व 65000/- रुपए नगद तथा दूसरी लडकी से 5000/- रुपए नगद, तीसरी लडकी से करीब 2 लाख रुपए व एक एप्पल फोन व अन्य लडकियो स्ो कई कीमती सामान जूते आदि ले चुका है। कीमती फोन व अन्य सामान को अपने नाम पर लेकर उनको बेचकर पैसा कमाना बताया।

बुधवारदो महिलाओं समेत छह पर गैंगस्टर ऐक्ट लगाया

गाजियाबाद, एजेंसी। सिहानी गेट और कविनगर थाना पुलिस ने दो महिलाओं समेत छह लोगों के खिलाफ गैंगस्टर ऐक्ट के तहत केस दर्ज किया है। सिहानी गेट थाने में दर्ज मुकदमे के आरोपी संजय सूरी पर रंगदारी, धोखाधड़ी, मारपीट और धमकी के 12 केस दर्ज हैं। वहीं, कविनगर थाने में दर्ज हुए गैंगस्टर के मुकदमे में नामजद तीन आरोपियों पर धोखाधड़ी के कई केस दर्ज हैं। सिहानी गेट थाने से एसएचओ सचिन बालियान ने पटेल नगर व हाल निवासी मेडिकल मार्केट नई बस्ती निवासी संजय सूरी, उसकी पत्नी ज्योति सूरी तथा गुलावठी बुलंदशहर व हाल निवासी चंद्रपुरी के खिलाफ गैंगस्टर ऐक्ट के तहत केस दर्ज किया है। एसीपी नंदग्राम पूनम मिश्रा ने बताया कि उत्तर प्रदेश गिरोहबंद समाज विरोधी क्रिया क्लाप निवारण अधिनियम के तहत तीनों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई की है। संजय सूरी गैंग का सरगना है।

लोकतांत्रिक राष्ट्रनिर्माण अभियान का दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन सामूहिकता की एक नयी उम्मीद जगा गया है

सत्यशोधकों और असत्यप्रचारकों, समाजवादियों और साम्प्रदायिक फासीवादियों दोनों के गढ़ पुणे में लोकतांत्रिक राष्ट्रनिर्माण अभियान का तीन दिवसीय दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन एस एम जोशी सोशलिस्ट फाउंडेशन में संपन्न हुआ।यह सम्मेलन अधिकांश सहभागियों को सफलता का सुखद अहसास देते हुए सम्पन्न हुआ। प्रथम सत्र में संगठन के एक साल की रपट प्रस्तुति और स्वागत वक्तव्य के बाद सत्यशोधक एवं रचनात्मक समाजवादी 95 वर्षीय बाबा आढाव का उद्घाटन उद्बोधन हुआ। इसके पहले सौवें वर्ष में प्रवेश कर चुके समाजवादी रचनाकर्मी डॉ जी जी पारीख का प्रो आनन्द कुमार के नाम संदेश पढ़ा गया। इस सत्र में असंगठित श्रमिकों के बीच पांच दशकों से कार्यरत सुभाष लोमटे, जनतंत्र समाज के अध्यक्ष एस आर हीरेमठ, स्मारिका संपादक मंडल के दीपक धोलकिया का संबोधन हुआ। स्वागत वक्तव्य लोकतांत्रिक राष्ट्रनिर्माण अभियान के संयोजक आनन्द कुमार ने दिया।

लोकतांत्रिक राष्ट्रनिर्माण अभियान की स्मारिका का लोकार्पण भी किया गया।

सम्मेलन साम्प्रदायिक राष्ट्रवाद की चुनौती; स्त्री, दलित, आदिवासी और अन्य शोषणग्रस्त समुदायों की दावेदारी के प्रश्न; पर्यावरण, आजीविका एवं रोजगार; चुनाव और राजनीतिक सुधार जैसे विषयों पर केन्द्रित रहा।

मनीषा गुप्ते, दया सिंह, भारत पाटणकर , श्रुति तांबे, रवि चोपड़ा, आशीष कोठारी, अरुण कुमार (ऑनलाइन), जगदीप छोकर, प्रशांत भूषण (ऑनलाइन) आदि ने विशेष व्याख्यान दिया।

विभिन्न विषयों पर विशेष चर्चा के बाद विविध सहमना समूहों के बीच सहकार के व्यावहारिक प्रश्न पर एक विशेष सत्र चला। इसमें एद्देलु कर्नाटक के सलमान, खुदाई खिदमतगार के फैसल खान, सर्व सेवा संघ के अरविन्द अंजुम, आईकैन के अरविन्द मूर्ति, झारखंड के वरिष्ठ भूमि आंदोलनकारी कुमार चन्द्र मार्डी और लोकतांत्रिक राष्ट्रनिर्माण अभियान के आनंद कुमार ने अपनी बातें रखीं।

महाराष्ट्र चुनाव पर केन्द्रित सत्र में सुभाष लोमटे, सुभाष वारे, जस्टिस कोलसे पाटिल, उल्का महाजन, नितिन वैद्य ,योगेन्द्र यादव (ऑनलाइन), सुनीलम, रमेश अवस्थी, तुषार गांधी ने अपने विचार रखे। आनंद कुमार ने हास्य से भरा गंभीर वैचारिक विश्लेषण रखा।

इस सम्मेलन से भावी कार्यक्रमों की एक विस्तृत रूपरेखा तैयार हुई। तीन माह के अंदर वैचारिक भिन्नता वाले मसलों पर एक सहचिंतन होगा। तीन चार माह के अंदर शांतिनिकेतन में एक महिला सम्मेलन किया जाएगा। विविध सहमना समूहों और व्यक्तियों के बीच सहकार की अंतरंगता बढ़ाने के लिए नियतकालिक ऑनलाइन संवाद की कोशिश होगी। छह माह के अंदर इन समूहों के नेतृत्वकारी साथियों की प्रत्यक्ष बैठक बुलाई जाएगी। एक युवा समावेश भी किया जाएगा।

सम्मेलन में प्रस्तुत राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिस्थिति विश्लेषण में मणिपुर, लद्दाख, कश्मीर पर जारी औपनिवेशिक और शत्रुतापूर्ण बर्ताव और वहां की जनता पर साम्प्रदायिक आक्रमण का स्पष्ट विरोध व्यक्त हुआ। दुनिया के विविध देशों खासकर फिलीस्तीनी जनता पर इजरायल द्वारा किए जा रहे जनसंहार तथा युक्रेन पर रुसी आक्रमण की निंदा की गयी। समाज के वंचित शोषित तबकों पर हो रहे अत्याचार के प्रकरणों पर तत्काल प्रतिवाद दर्ज करने , आहत पक्ष से मिलने और उनके साथ संवेदनशील एकजुटता व्यक्त करने के लिए एक विशेष टीम बनी। एक साहित्यिक सांस्कृतिक टीम भी बनी। अंत में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के नेतृत्व में पूरे सम्मेलन की सहभागियों ने सफलता और असफलता आंकी और एक सूत्रसंकल्प के साथ सम्मेलन समाप्त हुआ। विषमता मुक्त, पराधीनता मुक्त, अन्याय मुक्त, आक्रमण मुक्त, मैत्रीपूर्ण अहिंसक समाज बनाने के लिए लोकतांत्रिक व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण, समाज निर्माण और राष्ट्रनिर्माण की सहयात्रा पर तमाम सहमना समूहों और व्यक्तियों के साथ साझा करते हुए निरंतर आगे बढ़ते रहने का संकल्प लिया गया।

एक नजर

पत्नी को मृत बताकर पूर्व सहकर्मी ने महिला से की शादी

ट्रांस हिंडन, एजेंसी। महिला ने पूर्व सहकर्मी पर पहली पत्नी को मृत बताकर शादी करने का आरोप लगाया है। थाना साहिबाबाद में दर्ज कराई रिपोर्ट में महिला ने कहा कि आरोपी ने उसका चार बार गर्भपात भी कराया है। महिला ने आरोपी की मां व पत्नी समेत अन्य पर भी मारपीट व उत्पीड़न के आरोप लगाये हैं। थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला ने पुलिस को बताया कि वह पति से विवाद के चलते 15 साल से एक बच्चे के साथ अलग रह रही थी।

वह अपना व बच्चे का पेट भरने के लिए फैक्टरी में नौकरी करने लगी। आरोप है कि इस दौरान फैक्टरी में ही कार्य करने वाले संजीव चौहान ने उससे नजदीकी बनाई और पत्नी की मौत की बात कहते हुए साथ रखने का वादा कर शादी कर ली। आरोप है कि तब से वह चार बार गर्भवती हुई और हर बार आरोपी ने उसका गर्भपात करा दिया। इस दौरान उसे पता चला कि आरोपी की पत्नी जिंदा है। पांचवी बार गर्भवती होने पर फिर उससे गर्भपात कराने के लिए कहा गया और विरोध करने पर आरोपी, उसकी पत्नी व सास तथा बहन ने उसका उत्पीड़न करना शुरू कर दिया और खाना देना भी बंद कर दिया। आरोपियों के उत्पीड़न से परेशान होकर पीड़िता ने पुलिस आयुक्त से मामले की शिकायत की। साहिबाबाद पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

बेकरी कारोबारी ने दो लोगों पर मारपीट और धमकाने का आरोप लगाया

ट्रांस हिंडन, 24 सितंबर (वेब वार्ता)। साहिबाबाद थाना क्षेत्र स्थित शहीदनगर निवासी बेकरी कारोबारी ने दो लोगों पर गुंडई करने, मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस से मामले की शिकायत की है। जवाहर पार्क शहीदनगर निवासी इजाजुददीन ने बताया कि वह थाना क्षेत्र में ही बेकरी का कारोबार करता है। आरोप है कि रिजवान पुत्र यासीन व इमरान पुत्र यासमीन उसकी दुकान पर आकर बदमाशी करते हैं। इसी क्रम में उपरोक्त दोनों 20 सितंबर की रात लगभग 11 बजे भी उसकी दुकान पर आए और बदमाशी करने लगे। विरोध करने पर उपरोक्त दोनों ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने दोनों से अपनी जान का खतरा जताते हुए साहिबाबाद थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। साहिबाबाद पुलिस का कहना है कि शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अवैध निर्माण के मामले में मुकदमा दर्ज

ट्रांस हिंडन, एजेंसी। जीडीए प्रवर्तन जोन छह में तैनात अवर अभियंता सचिन कुमार अग्रवाल ने अवैध निर्माण के मामले में केस दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि नीतिखंड तीन के एक भूखंड की आवंटी महिला नीलम कुमार शांडिल्य ने स्वीकृत मानचित्र के विपरीत अवैध निर्माण किया था। इस पर उसे सील किया गया था। इसके बावजूद सील तोड़कर फिर से अवैध निर्माण शुरू कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रह है।

फरीदाबाद : पुलिस ने लूट की वारदात सुलझाई, चार आरोपी किए गिरफ्तार

फरीदाबाद, 24 सितंबर (वेब वार्ता)। करीब दस दिन पूर्व सेक्टर-16 सब्जी मंडी में हुई लूट की वारदात को अपराध शाखा सेंट्रल की टीम ने सुलझाते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियो के नाम हर्ष, सोहैल, जतिन व विकास है। हर्ष बसेल्वा कॉलोनी पुरानी चुंगी, सोहैल बिहार के समस्तीपुर हाल पलवली गांव, जतिन बसेल्वा कॉलोनी व विकास गांव मेंलहपुर जिला अलीगढ़ हाल बसेल्वा कॉलोनी का रहने वाला है। अपराध शाखा टीम ने सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से आरोपियो की पहचान की है। आरोपी हर्ष को सेक्टर-12 एरिया से गिरफ्तार कर 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लेकर आरोपी सोहैल, जतिन और विकास को अमृता अस्पताल के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी हर्ष से लूट के 1000 रुपये, विकास से 2000 रुपये व आरोपी जतिन से 3000 रुपये बरामद किए गए है। सभी आरोपी आपस में दोस्त है। हर्ष के खिलाफ पूर्व में भी 5 मामले लडाई-झगडे, लूट के दर्ज है। आरोपी सौहैल ट्रैक्सी ड्राईवर का काम करता है। आरोपी सोहैल को पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया है। मामले में शामिल अन्य आरोपियो की तलाश जारी है। जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। हर्ष, विकास और जतिन को पूछताछ के बाद अदलात में पेश कर जेल भेजा गया। उल्लेखनीय है कि ओल्ड फरीदाबाद निवासी मामचंद ने पुलिस में शिकायत दी थी कि वह सेक्टर-16 मंडी में सब्जी बेचने का काम करता है। 15 सितंबर को वह 70 हजार रुपए लेकर सब्जी मंडी जा रहा था, तभी पीछे से चार लडके आए, जिन्होंने चाकू के बल पर उसे गाडी में बिठाकर उससे नगदी लूट दी और उसे अजरौंदा सेक्टर-15 के पास उतारकर भाग गए।

संपत्ति के नाम पर 70 लाख रुपये ठगने का आरोप

ट्रांस हिंडन, एजेंसी। वसुंधरा निवासी व्यक्ति ने प्रॉपर्टी का कार्य करने वाले दो लोगों पर 70 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप लगाया है। दोनों ने उन्हें एक प्रॉपर्टी के फर्जी कागजात दिखाकर रकम ले ली। एडिशनल सीपी के आदेश पर केस दर्ज किया गया है। वसुंधरा सेक्टर-11 में रहने वाले रामबहादुर ने सेक्टर-12 निवासी अनिल कुमार यादव और रनवीर सिंह पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। रामबहादुर के अनुसार, उपरोक्त दोनों प्रॉपर्टी डीलिंग का कार्य करते हैं। दोनों ने उन्हें वसुंधरा सेक्टर-16 की एक प्रॉपर्टी को बेचने के लिए संपर्क किया। दोनों पक्षों के बीच फरवरी 2022 में 1.48 करोड़ रुपये में सौदा तय हो गया और मार्च 2022 में रजिस्ट्री की बात हो गई। आरोप है कि आरोपियों ने उनसे कई बार में नकद, चेक और आरटीजीएस के माध्यम से 70 लाख रुपए ले लिए। इसके बाद जब भी वह रजिस्ट्री के लिए कहते तो आरोपी उन्हें टाल देते हैं। आरोप है कि छानबीन करने पर पता चला कि जो कागजात उन्हें दिखाए गए थे, वह फर्जी हैं। दो साल से आरोपी उन्हें लगातार झांसा दे रहे हैं। न तो रजिस्ट्री ही कर रहे और ना ही पैसे वापस दे रहे। पीड़ित ने एडिशनल सीपी से शिकायत की और फिर इंदिरापुरम थाने में धोखाधड़ी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।

फ्लैट में घुसकर मारपीट के बाद इंजीनियर को तीसरी मंजिल से फेंका

गाजियाबाद, एजेंसी। क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र की निधिवन सोसाइटी में पड़ोसियों ने फ्लैट में घुसकर मारपीट के बाद सॉफ्टवेयर इंजीनियर को तीसरी मंजिल से फेंक दिया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए। चाचा ने पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित की रीढ़, पैर और आंख के नीचे की हड्डी टूट गई है। चाचा की शिकायत पर पुलिस ने महिला समेत पांच लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया है।

क्रासिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र के ग्रींस एन्क्लेव न्यू शांतिनगर निवासी रामानंद का कहना है कि भतीजा ऋषिराज सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। वह मूलरूप से ग्राम कारी सोवा थाना वजीरगंज जिला गया बिहार का रहने वाला है। ऋषिराज उनके बराबर में निधिवन सोसाइटी में किराए के फ्लैट में रहता है। रामानंद का कहना है कि 20 सितंबर की रात साढ़े 11 बजे ऋषिराज उनके यहां से खाना खाकर अपने फ्लैट पर गया था। आरोप है कि उसी समय उसके पड़ोस वाले फ्लैट में रहने वाला अंकित कुमार अपने साथ कृष्णवीर, सोनू, आयुषी और एक अज्ञात व्यक्ति के साथ ऋषिराज के फ्लैट पर पहुंचा और मारपीट शुरू कर दी। हमलावरों ने हत्या करने के इरादे से तीसरी मंजिल से ऋषिराज को धक्का दे दिया और फरार हो गए।

संक्षिप्त खबरें

हाथरस मेला श्री दाऊजी महाराज: आधी रात तक हुआ भजन संध्या, राधा-कृष्ण भजन सुन मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

हाथरस। हाथरस में मेला श्री दाऊजी महाराज के पंडाल में 23 सितंबर देर रात तक भजन संध्या का आयोजन किया गया। गोवर्धन से आए भजन गायक पं. भारत भूषण व वृंदावन से आए बाबा विष्णु बाबरा ने राधा-कृष्ण व बलदाऊ के भाजनों से पंडाल को गुंजाएमान कर दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष आशीष शर्मा, समाजसेवी कपिल लोहिया, मधु लोहिया व राज वार्ष्णेय एडवोकेट ने किया। संयोजक अमित कुशवाहा ने सभी अतिथियों का सम्मान किया। भजन गायक भारत भूषण ने, गोवर्धन गिरधारी जय हो तुम्हारी, मैं आया शरण तुम्हारी, मोर पंख वाला मिल गया भजन से भक्तों की तालियां बटोरीं। वहीं जो राधा-राधा गाते हैं उन्हें हरि मिल जाते हैं, भजन के साथ पंडाल में भक्तों ने नृत्य किया। गायक विष्णु बाबरा के भजन रंगीली राधा छबीलो कृष्णा, को भक्तों ने खूब पसंद किया। देर रात तक दोनों भजन गायकों ने मेला पंडाल का माहौल भक्तिमय कर दिया। संचालन अतुल अंधीवाल एडवोकेट ने किया। दोनों कलाकारों की जुगलबंदी ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में राजेश सिंह गुड्डू, डॉ. पीपी सिंह, डॉ. राहुल सिंह, अनिल कुशवाहा, कपिल भाटिया, तापेंद्र सिंह, विशाल दीक्षित, आकाश अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, अनुराग अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

पूर्वी यूपी में झमाझम बारिश शुरू, खुशनुमा रहेगा सितंबर का आखिरी सप्ताह

लखनऊ इस बार मानसून की विदाई देर से होगी... मौसम वैज्ञानिकों का ये पूवार्नुमान सही साबित हो रहा है। मंगलवार को प्रदेश के गोरखपुर, महराजगंज, कुशीनगर और आजमगढ़ में झमाझम बारिश देखने को मिली। बारिश की वजह से पिछले कुछ दिनों से सता रही उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली है। पिछले कई दिनों से धूप की तल्खी के बीच धान की खेती करने वाले किसान, बारिश की उम्मीद में आसमान की तरफ देख रहे थे, आज उनके चेहरे खिल गए। मौसम वैज्ञानिक एम. दानिश के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बन रहे कम दबाव के क्षेत्र और विकसित हो रहे नए वेदर सिस्टम के असर से मंगलवार को पूर्वी यूपी से शुरू हुई बारिश बुधवार के बाद प्रदेश के बाकी हिस्सों तक पहुंच जाएगी। कुल मिलाकर सितंबर का आखिरी सप्ताह खुशनुमा रहने वाला है। बुधवार से अगले दो-तीन दिन यूपी के विभिन्न इलाकों में हल्की से मध्यम बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है। वहीं, 27 व 28 सितंबर को प्रदेश के विभिन्न इलाकों में भारी बारिश के भी संकेत हैं। हालांकि, पश्चिमी यूपी में बारिश की तीव्रता मध्यम रहेगी। इस दौरान पूर्वा हवा भी चलेगी। इससे लोगों को उमस भरी गर्मी से निजात भी मिलेगी। राजधानी लखनऊ की बात करें तो यहां दोपहर में सख्त धूप रही और तापमान में बढ़त दर्ज की गई। दिन में तेज धूप और उमस से लोग बेहाल रहे। लखनऊ में भी बुधवार से अगले कुछ दिन छिटपुट बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रहेगा।

सड़क किनारे रखे ट्रांसफार्मर के में करंट से घोड़ी की मौत, गुस्सा

नहटौर। मंगलवार को गांव गिलाडा निवासी चेतराम प्रजापति उर्फ झुन्ना सिंह की घोडी सीकरी गिलाडा लिंक मार्ग पर चर रही थी। इसी दौरान सड़क किनारे रखे ट्रांसफार्मर की स्टेक में उतर रहे करंट की चपेट में आकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जिससे पशुपालक का हजारों का नुकसान हो गया। पशुपालक व ग्रामीणों ने इसे विद्युत विभाग की लापरवाही मानते हुए मुआवजे व लापरवाह कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई करने की मांग की।

वहीं सूचना पर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष उदित चौधरी, दिनेश प्रधान, सुधीर त्यागी मौके पर पहुंचे तथा पीड़ित परिवार को मदद का भरोसा दिया। उदित चौधरी ने बताया कि जेई राजवीर सिंह से फोन पर बात हुई है। वे फिलहाल बाहर गये हुए हैं। उन्होंने विभाग की ओर से नियमानुसार मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने मुआवजा न मिलने की दशा में आंदोलन की चेतावनी दी।

देहरादून पहुंची विद्युत निगम में ईपीएफ घोटाले की गूंज

EPFO
Employees Provident Fund Organisation

ईपीएफ मामले में विभाग की अनियमितता नहीं संवाददाता

बिजनौर/कालागढ़। विद्युत निगम के ईपीएफ घोटाले की गूंज देहरादून तक पहुंच गई है। उत्तराखंड जलविद्युत निगम लिमिटेड के अधिकारियों ने इस मामले में शिकायत मिलने पर जांच कराने को कहा है।

इन दिनों कालागढ़ के उत्तराखंड जलविद्युत निगम लिमिटेड के पावर हाउस कार्यालयों में काम कर रहे ठेकेदारों के श्रमिकों के ईपीएफ कटौती की सूचना विभाग से कालागढ़ निवासी प्रदीप कुमार गुप्ता ने मांगी। जिस पर करोड़ों रुपयों के ईपीएफ कटौती के घोटाला का पता चला है। जो काम नहीं कर रहे हैं उनके नाम से ईपीएफ काटा गया है। जिस पर मामला गर्मा गया है। इस मामले की जांचकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

सिविल के उपमहाप्रबंधक नीरज डैनी ने कहा है कि कामकाज करने वाले ठेकेदार निर्धारित सूचना विभाग को देते हैं। श्रमिकों के ईपीएफ के मामले में अभी मजदूरों से शिकायत नहीं मिली है। हालांकि मामला विभाग से बाहर ही चल रहा है। विभाग की इस मामले में कोई अनियमितता नहीं है। उच्च अधिकारियों से मिलने वाले आदेशों पर कार्रवाई की जाएगी।

'10 अक्तूबर से पहले प्रदेश की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाएं', मुख्यमंत्री योगी ने दिए निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी दिनों में शारदीय नवरात्रि, दशहरा तथा दीपावली आदि पर्व और त्योहारों के दृष्टिगत प्रदेश की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के लिए जारी विशेष अभियान 10 अक्तूबर तक सम्पन्न करने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को विभिन्न विभागों के साथ बैठक करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्व व त्योहारों पर प्रदेश में आवागमन सामान्य की अपेक्षा अधिक होता है। बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हर एक आदमी के लिए सड़क पर चलना सुखद अनुभव वाला हो, यह हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। गड्ढामुक्ति और सड़कों की मरम्मत का काम अच्छी गुणवत्ता के साथ होना चाहिए।

उन्होंने मंडी परिषद को निर्देश देते हुए कहा कि किसान सड़कों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। किसानों की सुविधा का खास ध्यान रखा जाए। एफडीआर पद्धति से सड़कें बनाई जाएं। इस पद्धति के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों, धन व समय की बचत होती है तथा कार्य की गुणवत्ता में सुधार होता है। उन्होंने कहा कि मंडी समिति के अंतर्गत आने वाली सभी सड़कों की मरम्मत एवं ड्रेनेज का कार्य निर्धारित समय में पूर्ण किया जाए। क्वालिटी का विशेष ध्यान रखा जाए। वहीं, एनएचएआई के अधिकारियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक हाईवे का निर्माण कार्य पूर्ण न हो जाए तब तक टोल टैक्स की वसूली न की जाए। गड्ढा मुक्ति अभियान के लिए विभागीय कार्ययोजना से अवगत होते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सड़कों के लिए बजट का कोई अभाव नहीं है, आवश्यकता है कि सभी विभाग बेहतर नियोजन करें। उन्होंने सभी विभागों को यह निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सड़क बनाने वाली एजेंसी व ठेकेदार सड़क बनने के अगले पांच वर्ष तक उसके अनुरक्षण की जिम्मेदारी भी उठाएगा।

इस बारे में नियम-शर्तें स्पष्ट रूप से उल्लिखित की जाएं। विभागीय मंत्री व अधिकारी फील्ड में रैंडम दौरा कर निर्माण परियोजनाओं की साप्ताहिक समीक्षा करें। कार्यों के प्रति जवाबदेही भी तय की जाय। मुख्यमंत्री ने कार्य को मैनुअल के स्थान पर मैकेनाइज्ड किये जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के पास सड़क मरम्मत के लिए पर्याप्त इक्विपमेंट होने चाहिए। सड़कों के पैच ठीक करने की कार्रवाई ऑटो मोड पर की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कों पर किए जाने वाले बेतरतीब कार्यों से दुर्घटना होने की संभावना बनती है। सड़कों पर सीवर लाइन तथा पाइपलाइन आदि डालने के बाद ठीक ढंग से मरम्मत की जानी चाहिए। सड़कों पर ऊंचे ब्रेकर से दुर्घटना होने की संभावना बनती है। अतः सड़कों पर टेबल टॉप ब्रेकर का निर्माण किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गड्ढामुक्ति और नवनिर्माण के अभियान की जियो टैगिंग कराई जाए। इसे पीएम गतिशक्ति पोर्टल से जोड़ा जाना चाहिए, साथ ही इसी तर्ज पर अपना पोर्टल भी विकसित किया जाना चाहिए ताकि कार्य की गुणवत्ता की अनवरत मॉनीटरिंग की जा सके। एक्सप्रेसवे की मरम्मत का कार्य भी आगे बढ़ाया जाए, जिससे पर्व व त्योहारों पर लोगों का आवागमन सुगम हो सके। एमपी तथा एमएलए निधि के अंतर्गत बनी सड़कों की मरम्मत के लिए कार्य योजना तैयार करें। उन्होंने कहा कि गन्ना विभाग द्वारा गन्ना समिति तथा विद्यालयों के भवनों की मरम्मत की जाए। प्रदेश में ग्राम सचिवालयों की अवधारणा को केंद्र सरकार ने मॉडल के रूप में स्वीकार किया है। ग्राम सचिवालयों की तर्ज पर गन्ना समिति के कार्यालयों का अपग्रेडेशन किया जाए। किसानों के लिए डिस्प्ले बोर्ड पर उपयोगी सूचनाएं प्रदर्शित की जाएं तथा किसानों की क्वेरीज का समाधान किया जाए।

प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर मंडी समिति तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों में सीएसआर पद्धति के माध्यम से पेयजल, टॉयलेट, कैंटीन आदि सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रस्ताव तैयार किया जाए। इस कार्य से महिला स्वयं समूहों को भी जोड़ा जाए। मंडियों में कैंटीन के माध्यम से किसानों के लिए कम कीमत में भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

औद्योगिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसीटीवी, स्ट्रीट लाइट तथा साफ सफाई आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनपदों की नगर पंचायत, नगर निगम तथा नगर पालिका परिषदों में प्राइम लोकेशनों पर स्मार्ट रोड की अवधारणा को आगे बढ़ाया जाए। स्मार्ट रोड पर एक जैसी फसाड लाइट लगाई जाएं। नगर विकास विभाग भी शहरों की फसाड लाइटिंग में समरूपता प्रदर्शित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शहरीकरण का निरंतर विस्तार हो रहा है। अवैध कालोनियों को किसी भी दशा में विकसित न होने दिया जाए। सड़क, बिजली पानी आदि बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता के बाद ही नवीन कालोनियों का हैंड ओवर कराया जाए।

गांव में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में हुआ बदमाश अनुज सिंह का अंतिम संस्कार

अमेठी मुठभेड़ में मारे गए सुल्तानपुर डकैती कांड के आरोपी बदमाश अनुज प्रताप सिंह का मंगलवार की दोपहर पैतृक गांव जनापुर में अंतिम संस्कार कर दिया गया। गांव में मातमी सन्नाटा छाया हुआ है। इस दौरान गांव में भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात रहा। एहतियातन अभी भी गांव में पुलिस तैनात है।

मोहनगंज थाना क्षेत्र के जनापुर गांव निवासी अनुज प्रताप सिंह उन्नाव जनपद में एसटीएफ से मुठभेड़ में मारा गया था। वह सुल्तानपुर सराफा कारोबारी के यहां पड़ी डकैती का आरोपी था। पोस्टमार्टम के बाद सोमवार की देर शाम अनुज का शव गांव लाया गया था। गांव में रात को भी पुलिस तैनात की गई थी। आज दोपहर के करीब परिजनों ने उसके शव का अंतिम संस्कार कर दिया। उसकी शव यात्रा में काफी संख्या में लोग शामिल हुए। इस घटना को लेकर लोग कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं।

घटना को लेकर कुछ लोगों में नाराजगी भी दिखी। कई लोग दबी जुबान कह रहे थे कि अनुज पर चंद मुकदमें थे। कई अन्य अपराधियों पर बड़े मुकदमें हैं, फिर भी उन पर ऐसी कार्रवाई नहीं हो रही है।

गांव में सन्नाटा छाया है। एक-दो घरों के बाहर कुछ लोग बैठे नजर आए। सभी आपस में इस घटना को लेकर चर्चा कर रहे थे लेकिन इस बाबत पूछने पर अधिकतर लोग या तो चुप्पी साध ले रहे थे या फिर घटना को गलत बता रहे थे।

शव के अंतिम संस्कार को लेकर पुलिस ने भी तैयारी कर रखी थी। शव जब घर से निकला तो गांव में काफी पुलिस बल लगा दिया गया। हालांकि परिजनों ने शांतिपूर्ण ढंग से शव का अंतिम संस्कार कर दिया। एसओ राकेश सिंह का कहना है कि अनुज के शव का शांतिपूर्ण ढंग से अंतिम संस्कार किया गया है। माहौल शांत है। एहतियात के तौर पर कुछ पुलिसकर्मियों को गांव में लगाया गया है।

दर्दनाक: बस के अगले हिस्से में फंसी महिला, 15 मीटर तक घसीटने से टूटीं हड्डियां

मऊ। मऊ जिले के रानीपुर थाना क्षेत्र के धर्मसीपुर गांव के पास लखनऊ से बलिया जाने वाले राज्य राजमार्ग पर रोडवेज बस की चपेट में आने से एक वृद्धा बुरी तरह घायल हो गई। घटना की जानकारी होने पर पहुंचे परिजन आनन-फानन वृद्धा को मोहम्मदाबाद गोहना सीएससी पर लेकर गए। जहां से वृद्धा को जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया। वहां पहुंचने पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

यह है मामला...जानकारी के मुताबिक नेवासी देवी (70) पत्नी स्व. जगदीश मौर्य निवासी ग्राम धर्मसीपुर सोमवार की देर शाम को राज्य राजमार्ग के किनारे से सड़क पार कर दूसरी तरफ जा रही थी। तभी आजमगढ़ की तरफ से आ रही रोडवेज बस ने वृद्धा को टक्कर मार दी। रोडवेज बस में फंसने के बाद करीब 15 मीटर तक वह घसीटती रही। जिससे महिला के कमर के नीचे की सभी हड्डियां टूट गईं। लोगों के शोर मचाने के बाद बस रुकी। वृद्धा को बस के निचले हिस्से से निकाला गया। इस दौरान करीब 10 मिनट तक रोडवेज बस रुकी रही। घटना की सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस भी पहुंची। परिजन एंबुलेंस की मदद से मुहम्मदाबाद गोहना सीएससी पर घायल को लेकर गए। जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने के बाद चिकित्सक ने जांच के बाद वृद्धा को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक को तीन पुत्र हैं। एक बेटे भुवाल की करीब 7 महीने पहले मौत हो गई थी। एक बेटा भरत अपने ननिहाल में रहता है। जबकि शत्रुघ्न मुंबई में किसी निजी कंपनी में नौकरी करता है। मृतक की बहू बेबी मौर्य ने अज्ञात चालक के खिलाफ पुलिस को तहरीर दर्ज कराया है।

कौशल महोत्सव कार्यक्रम के तहत 3500 नियुक्ति पत्र वितरित किए

शेष अभ्यर्थियों को भी मिलेगा जल्द मौका : जयंत चौधरी

बिजनौर। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी आईटीआई कालेज कौशल महतोसव कार्यक्रम में युवाओं को नियुक्ति पत्र बाटने पहुंचे थे।जयंत ने मंच से कहा की बिजनौर से दो ही खबर छपती थी बाढ़ और गुलदार की। अब खबर छपेगी कौशल महोत्सव बिजनौर कार्यक्रम की। इससे पहले भी रोजगार मिलते थे लेकिन फीडबैक लेकर सुधार करने के लिए चर्चा की इंडस्ट्री के लोग आते हैं कि हमें स्किल मैनपॉवर नहीं मिल रही। पहले लोग कहते थे की हम किस डिग्री पर किस क्षेत्र के नौजवान पर विश्वास करें। नाली सड़क और अन्य मुद्दों की बात तो होती है लेकिन जनप्रतिनिधियों पर बच्चों की नौकरी का भी दबाव था। इसलिए हमने इस तरीके का आयोजन करके सुधार किया है और पहले रोजगार मिले।अब अलग-अलग एजेंसी ने एक साथ काम किया है। एक महीने के अंदर हमने रजिस्ट्रेशन खोल 13000 युवकों ने पंजीकरण कराया। 40 घंटे का कार्यक्रम उनके लिए बनाया गया। बच्चों को ट्रेनिंग दी गई। फिर कंपनी वालों को बुलाया गया। आज 3500 युवाओं को नियुक्ति का लेटर मिला है।

उधर यूपी के कुशीनगर में जाली नोट का कारोबार करने वाले एक बड़े अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पदार्फाश हुआ है। पुलिस ने इस मामले में सपा लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव रफी खान उर्फ 'बबलू' समेत 10 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से जाली नोटो के साथ अवैध हथियार का जखीरा भी मिला है। जिसके बाद हड़कंप मच गया।इस सवाल पर जयंत चौधरी ने कहा की क्राइम हैं। क्राइम में जो भी इन्वॉल्वड होंगे उन पर कार्यवाही होंगी।

वाराणसी में दर्दनाक हादसा: गड्ढे में फंसकर गिरी बालिका, तेज रफ्तार ट्रक ने कुचला

वाराणसी। वाराणसी जिले के बड़ागांव थाना क्षेत्र के भटौली गांव में एक ओवरलोड ट्रक ने मंगलवार को कक्षा 7 की छात्रा को कुचल दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और भटौली-हथिवार मार्ग पर जाम लगा दिया। इस दौरान सिविल ड्रेस में पहुंचे हरहुआ पुलिस चौकी के एक कांस्टेबल को भी ग्रामीणों के गुस्से का शिकार होना पड़ा। ग्रामीणों ने कांस्टेबल की पिटाई कर दी। उसके बाद थानाध्यक्ष बड़ागांव अजय पांडेय, चौकी प्रभारी हरहुआ शिवानंद सिसोदिया पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। करीब एक घंटे समझाने के बाद ग्रामीण शांत हुए। उसके बाद बालिका का शव कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

यह है मामला...जानकारी के अनुसार बड़ागांव थाना क्षेत्र के बेरवां गांव निवासी चंद्रमा प्रसाद की पुत्री मंदिरा राव उर्फ पलक (12) कम्पोजिट विद्यालय भटौली में कक्षा सात की छात्रा थी। मंगलवार को वह पढ़ने के लिए स्कूल गई थी और मध्यावकाश के समय दवा खाने के लिए स्कूल से घर के लिए निकली थी। घर लौटते समय भटौली-हथिवार मार्ग पर विपरीत दिशा से एक ट्रक आता दिखाई दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि छात्रा साइकिल लेकर सड़क किनारे पर गई। इसी दौरान उसका पैर सड़क किनारे खोदे गए गड्ढे में चला गया, जिससे वह गिर गई। जिसके बाद ट्रक चालक उसे कुचलते हुए आगे बढ़ गया।

आसपास मौजूद लोगों ने दौड़कर ट्रक को रोका, लेकिन तब तक ट्रक चालक ट्रक रोककर भाग निकला। घटना की जानकारी मिलने के बाद गांव से काफी संख्या में लोग वहां एकत्र हो गए। आक्रोशित को हंगामा करने लगे। इसी दौरान सूचना मिलने के बाद हरहुआ पुलिस चौकी का एक सिपाही सिविल ड्रेस में वहां पहुंचा। ग्रामीण कुछ समझ नहीं पाए और उसकी जमकर पिटाई कर दी।

घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया और बालिका का शव पुलिस को सौंपने से इनकार कर दिया। परिजनों की मांग थी कि ट्रक चालक और मालिक को पकड़ा जाए और उचित मुआवजा दिया जाए। पुलिस और गांव के लोगों द्वारा उचित मुआवजा और कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद मामला शांत हुआ।

मृतका एक भाई और दो बहनों में सबसे छोटी थी और उसके पिता मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। घटना के बाद ग्रामीणों ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि ओवरलोड ट्रक गांव के रास्ते पर कैसे आ गया।

इसके अलावा जल जीवन मिशन के तहत खोदे गए गड्ढे को लेकर भी लोग नाराज दिखे। हालांकि एक घंटे बाद पुलिस द्वारा समझाने के बाद परिजन शांत हुए। बालिका के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस द्वारा ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

वहीं इस बारे में स्कूल के प्रधानाध्यापक गुलाब चंद ने बताया कि बालिका स्कूल में पढ़ने आई थी और दवा खाने की बात कह कर मध्यावकाश में अपने घर गई थी। हादसे की जानकारी मिलने के बाद स्कूल की भी छुट्टी कर दी गई।

कम उम्र में लड़कियों की शादी कुपोषण की वजह

वाराणसी। कमिश्नरी सभागार में काशी-सीएसआर कॉन्क्लेव के दौरान कई कंपनियों के बीच 80 करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी में सोमवार को कुल सात एमओयू हुए। इसमें गांवों के विकास के लिए ओएनजीसी ने 27.5 करोड़, पावर ग्रिड ने 12 करोड़ और आरईसी ने 20 करोड़ रुपये का सहयोग दिया। स्वास्थ्य के क्षेत्र में हंस फाउंडेशन ने 10 करोड़, सीडब्ल्यूसी ने 3.5 करोड़, आईसीडीएस के लिए गेल इंडिया ने 1.4 करोड़ रुपये और एनसीएल ने बेसिक शिक्षा के क्षेत्र में सीएसआर के तहत 90 लाख रुपये दिए। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि कम उम्र में बच्चियों की शादी ही कुपोषण की बड़ी वजह है। सरकार गर्भवती माताओं को पहले और दूसरे बच्चे के लिए सहायता राशि भी दे रही है, लेकिन उसका सही इस्तेमाल नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों के लिए चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट की जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना का लाभ लड़कियों को कम मिल रहा है। अभिभावकों को इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

'पुलिस कमिश्नरेट नहीं, कमीशन का रेट' भाजपा विधायक के बयान पर सियासत गर्म

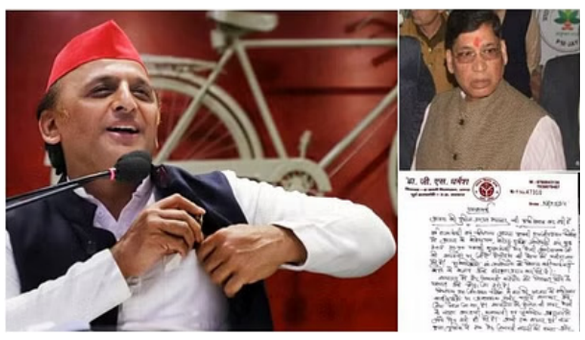

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले की छावनी विधानसभा के विधायक डॉ. जीएस धर्मेश ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि आगरा में पुलिस कमिश्नरेट नहीं बल्कि कमीशन का रेट है। इस बयान पर सियासत अब गमार्ने लगी है। सपा मुखिया ने एक्स करते हुए भाजपा विधायक के बयान को लेकर सीएम योगी को घेरा है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने लिखा है कि 'उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जी कम से कम अब तो अब तो अपने शासन-प्रशासन के कुशासन को स्वीकार कर लीजिए, क्योंकि अब तो आपके विधायक पुलिस 'कमिश्नरेट' को 'कमीशन-रेट' की उपाधि से सुशोभित कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने आगे लिखा है कि 'अब क्या इस आलोचना के बाद आप उन पर भी एफआईआर लिखवाएंगे या बुलडोजर का डर दिखलाएंगे। भाजपा राज में 'कमिश्नरेट' दरअसल 'करेपश्नेट' बन गये हैं। कमिश्नरेट वसूली का विकेंद्रीकरण है।'

बता दें छावनी क्षेत्र से विधायक व पूर्व राज्यमंत्री डॉ. जीएस धर्मेश ने आगरा पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि आगरा में पुलिस कमिश्नरेट नहीं बल्कि कमीशन का रेट है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से लेकर एसीपी तक मुख्यमंत्री की अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति को पलीता लगा रहे हैं। भूमाफिया व अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के बजाय उन्हें संरक्षण दे रहे हैं।

भाजपा विधायक ने अमर उजाला को बताया कि उनके पास पुलिस अधिकारियों के खिलाफ साक्ष्य हैं। जिन्हें वह मुख्यमंत्री को मिलकर सौंपेंगे। योगी सरकार के पहले कार्यकाल में समाज कल्याण राज्यमंत्री रहे डॉ. धर्मेश ने आगरा पुलिस पर सरकार की छवि खराब कराने सहित कई आरोप लगाए हैं।

उन्होंने कहा कि न्यायालय से गैर जमानती वारंटियों को गिरफ्तार करने के बाद छोड़ा जा रहा है। भाजपा के दायित्ववान कार्यकताओं पर अनावश्यक गंभीर धाराएं लगाकर उन्हें जेल भेजा जा रहा है। न्यायालयों में पुलिस की लचर पैरवी से अपराधी, बलात्कारी और भूमाफिया बरी हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक हफ्ते पहले थाना छत्ता पुलिस ने एक गैर जमानती वारंटी को पकड़ा और दो घंटे बाद ही छोड़ दिया। आखिर इंस्पेक्टर ने किसके आदेश पर छोड़ा।

तेजस्वी यादव के कसीदे क्यों पढ़ने लगे नीतीश के 'सबसे बड़े शागिर्द'

9वीं फेल पर प्रशांत किशोर को भी घेरा

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रयास से राजनीति में आए नौकरशाह रामचंद्र प्रसाद सिंह (आरसीपी सिंह) के ताजा बयान ने सबको चौंका दिया है। मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान आरसीपी सिंह ने नीतीश कुमार के धुर राजनीतिक विरोधी नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का बचाव करते दिखे। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता आरसीपी सिंह ने जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को भी इस बात के लिए आढ़े हाथों लिया क्योंकि वह लगातार तेजस्वी यादव के नौंवी पास होने की बात को उठाते रहते हैं। हाल ही में बीजेपी से अलग जाकर नई पार्टी बनाने की बात कहने वाले आरसीपी सिंह अचानक तेजस्वी यादव की तारीफ क्यों कर रहे हैं यह चौंकाने वाली बात है।

बीजेपी नेता आरसीपी सिंह ने प्रशांत किशोर की आलोचना की है, जिन्होंने तेजस्वी यादव को नौवीं फेल कहा था। आरसीपी सिंह ने कहा कि किसी नेता की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठाना गलत है, जनता ने उन्हें चुना है। राजनीति में जनता की सेवा महत्वपूर्ण है, न कि डिग्री।

भाजपा नेता आरसीपी सिंह ने प्रशांत किशोर को तेजस्वी यादव पर निशाना साधने पर आड़े हाथों लिया है। आरसीपी सिंह ने तेजस्वी यादव को बार-बार 'नौवीं फेल' कहने के लिए प्रशांत किशोर की आलोचना की है। उनका कहना है कि किसी भी नेता की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठाना गलत है, जनता ने उन्हें चुना है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के पूर्व अध्यक्ष आरसीपी सिंह ने कहा है कि तेजस्वी यादव को जनता ने वोट दिया है और वे उप-मुख्यमंत्री बने हैं। ऐसे में उनकी शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठाना उचित नहीं है। आरसीपी सिंह ने प्रशांत किशोर पर निशाना साधते हुए कहा कि नेता को जनता की सेवा करनी चाहिए, उनकी शैक्षणिक योग्यता मायने नहीं रखती।

आरसीपी सिंह ने कहा, "कोई नेता, किसी भी दल का हो, चाहे प्रधानमंत्री की बात करते हों, मुख्यमंत्री की बात करते हैं, उनकी योग्यता पर आप क्या चैलेंज कर रहे हैं। जनता ने चुना है उस व्यक्ति को। जनता ने जब चुनकर भेजा है तो प्रधानमंत्री बने हैं। जनता ने तेजस्वी यादव को वोट दिया तो उप-मुख्यमंत्री बने। इस तरह की हल्की बात नहीं करनी चाहिए कि कोई नौवीं फेल है या कोई पोस्ट ग्रेजुएट है। आप जब पब्लिक लाइफ में हैं तो जनता आपसे क्या अपेक्षा करती है। राजनीति सेवानीति है। आप जनता की कितनी सेवा कर रहे हो वो महत्वपूर्ण है।

आरसीपी सिंह ने आगे कहा, "पता चला कि आप पीएचडी किए हैं, डॉक्टरेट हैं लेकिन जनता से कोई लगाव नहीं है। तो क्या कहेगा कि ये डॉक्टरेट हैं तो बड़े अच्छे राजनीतिज्ञ हैं या बड़े अच्छे लोकसेवक हैं। जनता के प्रति आपका समर्पण कितना है, ये पता चलता है चुनाव के समय। अगर जनता ने वोट दे दिया, वो एमपी, एमएलए बन गए तो वो आगे मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री बन गए तो आप उनकी शैक्षणिक योग्यता पर क्या सवाल उठा रहे हैं।"

दरअसल, जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर बिहार में अपनी पदयात्रा के दौरान लालू यादव के परिवार पर जमकर हमला बोल रहे हैं। इसी दौरान वे तेजस्वी यादव को 'नौवीं फेल' कहकर संबोधित करते हैं। प्रशांत किशोर ने तो तेजस्वी यादव को जीडीपी की गणना कैसे होती है, यह बताने की खुली चुनौती भी दे डाली है।

यह पूरा मामला बिहार की राजनीति में एक नया मोड़ ला सकता है। गौरतलब है कि आरसीपी सिंह कभी नीतीश कुमार के करीबी माने जाते थे। लेकिन जेडीयू से अलग होने के बाद उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया था। ऐसे में तेजस्वी यादव के बचाव में उनका बयान कई मायनों में अहम माना जा रहा है।

बिहार की 'फौजी फैक्ट्री' में कैंसर का काल

12 पेशेंट में 3 की हो चुकी है मौत

संवाददाता।

कटिहार। बिहार में फौजी फैक्ट्री के नाम से जाने वाले कटिहार जिले के बघार पंचायत में कैंसर फैल गई है। जिले के मनिहारी प्रखंड के बघार पंचायत जिसे देश के रखवाले 'फौजी गांव' के नाम से जाना जाता है, वहां अचानक कैंसर मरीजों की संख्या में वृद्धि हो रही है। इस गांव में पिछले एक साल के भीतर एक दर्जन लोगों को कैंसर हो चुका है और इनमें से 3 लोगों की मौत हो चुकी है। इस खतरनाक हालात में गांव के लोगों में दहशत और निराशा का माहौल बना हुआ है। बघार पंचायत के मुखिया पिंटू यादव पंचायत समिति सदस्य पति पशुपति यादव और ग्रामीणों का मानना है कि गांव के पानी में कुछ गड़बड़ी है, जिसके कारण कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी फैल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह हालात तब तक सुधरने वाली नहीं है जब तक कि पानी की गहन जांच नहीं की जाती।

पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से तुरंत पानी की जांच की मांग की है।उनका कहना है कि पानी में किसी प्रकार की विषैली या हानिकारक सामग्री हो सकती है, जो गांव में कैंसर के बढ़ते मामलों का कारण बन रही है।

गांव के लोग और जनप्रतिनिधि दोनों ही कैंसर के बढ़ते मामलों को पानी की गुणवत्ता से जोड़कर देख रहे हैं, लेकिन वास्तविक कारण क्या है, यह तो पानी की जांच के बाद ही पता चल पाएगा। इसके अलावा, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि इलाके में कीटनाशकों और रसायनों के अत्यधिक उपयोग या पर्यावरण प्रदूषण भी संभावित कारण हो सकते हैं। गांव में कैंसर के बढ़ते मामलों ने पूरे क्षेत्र में चिंता का माहौल बना दिया है।ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों की मांग को ध्यान में रखते हुए प्रशासन को अविलंब पानी की जांच करवानी चाहिए और इस संकट का समाधान निकालना चाहिए, ताकि गांव को इस भयावह हालात से बाहर निकाला जा सके। लोगों की जान से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए, और यह प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह सही समय पर सही कदम उठाए। ाैजी गांव के लोग अपनी जमीन, अपनी जड़ों और अपने लोगों को बचाने के लिए लड़ाई लड़ने को तैयार हैं, लेकिन अब सबकी नजर प्रशासन पर टिकी है कि वह क्या कदम उठाता है।

अरे! स्कूल भी नहीं आए और ऐप से हाजिरी भी लग गई, महिला टीचर ने कर दिया 'टेक्निकल खेला'!

संवाददाता।

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले में ई-शिक्षा कोष ऐप में ही हेराफेरी का मामला सामने आया है। एक शिक्षिका और प्रधानाध्यापक पर बिना स्कूल आए ऐप के जरिए उपस्थिति दर्ज कराने का आरोप है। शिक्षा विभाग ने जांच के बाद दोनों को सस्पेंड कर दिया है। पूर्वी चंपारण जिले के कोटवा प्रखंड के जसौली पट्टी मठ माधो प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका मित्रविन्दा कुमारी और प्रधानाध्यापक निरंजन कुमार सिंह पर यह आरोप है। शिक्षा विभाग को शिकायत मिली थी कि शिक्षक बिना स्कूल आए ही ई-शिक्षा कोष ऐप पर अपनी हाजिरी लगा रहे हैं।

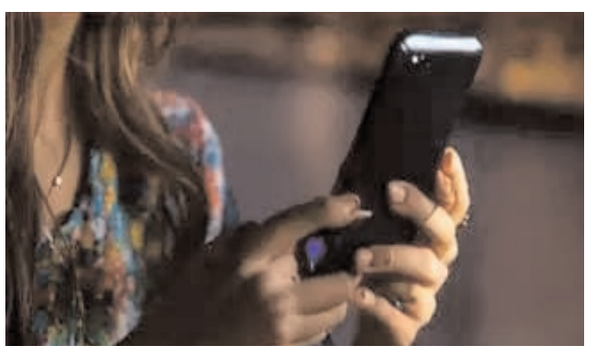

जांच में पता चला कि शिक्षिका मित्रविन्दा कुमारी ने ऐप में छेड़छाड़ कर अपनी हाजिरी दर्ज की थी। उन्होंने कई दिनों तक स्कूल नहीं आने के बावजूद ऐप पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस काम में प्रधानाध्यापक निरंजन कुमार सिंह ने भी उनकी मदद की।

14 सितंबर, 2024 को मोतिहारी के जिला शिक्षा पदाधिकारी ने विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर जांच कराई गई। जांच में पाया गया कि अगस्त के महीने में टीचर मित्रविन्दा कुमारी शिक्षिका ने शिक्षा एप से छेड़छाड़ कर गलत तरीके से अटेंडेंस बना ली। यही नहीं ये कई दिन तो स्कूल आई भी नहीं और उन दिनों की अटेंडेंस भी आरोपी टीचर ने बना ली। जांच रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि ऑनलाइन अटेंडेंस कराने में स्कूल के प्रधान टीचर निरंजन सिंह की भी संलिप्तता और भूमिका है। शिक्षा विभाग ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। दोनों आरोपियों पर शिक्षक आचरण के प्रतिकूल कार्य करने, स्वेच्छाचारिता, अनुशासनहीनता बरतने और विभाग के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पूर्वी चंपारण के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना ने ग्राम पंचायत शिक्षक नियोजन समिति जसौली पट्टी प्रखंड कोटवा के पंचायत सचिव को पत्र लिखकर दोनों को निलंबित करने का आदेश दिया है। लेकिन इस मामले के सामने आने के बाद स्थानीय लोग भी भौंचक्के हैं।

सतग्राम-श्रीपुर क्षेत्र में खदान सुरक्षा को लेकर त्रिपक्षीय समिति की बैठक, सुरक्षा मानकों को सुधारने पर जोर

अनूप जोशी

जामुड़िया । सतग्राम-श्रीपुर क्षेत्र में खदानों की सुरक्षा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में खान सुरक्षा महानिदेशालय (DGMS) के अधिकारियों, खदान प्रबंधन के प्रतिनिधियों और ट्रेड यूनियन नेताओं ने भाग लिया।

DGMS अधिकारियों ने बैठक में कहा कि खदान कर्मियों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित पक्षों को सक्रिय उपाय और नए दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने खदानों में सुरक्षा मानकों को सुधारने के लिए सुझाव और व्यावहारिक समाधान साझा करने का आग्रह किया।

समिति ने सभी हितधारकों से अपील की कि मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने के लिए और खदान कर्मियों के लिए एक सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने हेतु वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने में प्रभावी सहयोग करें।

बैठक में सातग्राम एरिया के महाप्रबंधक श्री उपेंद्र सिंह,अपर महाप्रबंधक श्री राहुल सरकार, डीएमएस (खनन) श्री इरफान अहमद अंसारी, ईसीएल मुख्यालय के जीएम श्री अशोक कुमार, डीडीएमएस (खनन) श्री बी आर मोगिली, श्री मधुसूदन एम यादव, श्री आर लिंगैया, श्री परवेज आलम, श्री सुनील बेबी योहन्नान (मेकैनिकल), श्री एस प्रवीण (इलेक्ट्रिक), एआईटीयूसी के श्री कल्याण बनर्जी, ईसीएल मुख्यालय के श्री अपूर्बा ठाकुर, श्री पी पी साहा, बीएमएस के श्री श्रीकांत दत्ता और श्री अरूप मंडल, एआईटीयूसी/सीएमएस के श्री अशोक कुमार लाला, एचएमएस के श्री एस महेश शेखर, इनमोसा के श्री प्रणब घोष, आईएनटीटीयूसी के श्री उदय बरन मुखर्जी और श्री कमलेश पांडे, सीटू के श्री एस एस रॉय और मो. आजाद, बीजेएमएम के डॉ. पी पाठक, इनमोसा के श्री बी के सिंह, केएमसी के श्री अरुण पाठक, एचएमएस के श्री आरपी मंडल और एटक के श्री एस मजूमदार समेत कई अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में सुरक्षा मानकों के सुधार के लिए विचार-विमर्श हुआ और खदान कर्मियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए सभी पक्षों ने मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

बस स्टैंड के पास अज्ञात शव मिलने से सनसनी, पुलिस कर रही जांच

रानीगंज: रानीगंज रेलवे स्टेशन के पास स्थित बस स्टैंड में एक अज्ञात शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। शव बस स्टैंड के पास स्थित हनुमान मंदिर के सामने पाया गया, जिसे देखकर स्थानीय लोग हैरान रह गए। सूचना मिलने पर रानीगंज थाने के पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए आसनसोल जिला अस्पताल भेज दिया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। हालांकि, सूत्रों से यह जानकारी सामने आई है कि वह धनबाद का निवासी हो सकता है। पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है और मृतक की पहचान और मौत के कारणों का पता लगाने के प्रयास में जुटी हुई है। स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के बारे में अधिक जानकारी जुटाई जा सके। फिलहाल, पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। रानीगंज क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं, जिससे यहां की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत सूचना पुलिस को दें।

कोलकाता में 15 दिसंबर को भाषाई अल्पसंख्यकों के समर्थन में भाजपा का विशाल समावेश: जितेंद्र तिवारी

अनूप जोशी

आसनसोल । आसनसोल नगर निगम के पूर्व मेयर एवं भाजपा नेता जितेंद्र तिवारी ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से घोषणा की कि आगामी 15 दिसंबर को कोलकाता के धर्मतल्ला में भाषाई अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा के लिए एक बड़े समावेश का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के लिए पुलिस प्रशासन को सूचित कर दिया गया है।

जितेंद्र तिवारी ने कहा कि 2011 में जब पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार बनी थी, तब 6 भाषाओं को भाषाई अल्पसंख्यक का दर्जा दिया गया था। लोगों को उम्मीद थी कि इन भाषाओं के बोलने वालों को सरकारी लाभ मिलेगा, लेकिन इतने वर्षों बाद भी राज्य सरकार ने उनके हितों की रक्षा के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने इन भाषाओं में सरकारी परीक्षाओं देने के अवसर को खत्म

कर दिया है, जिससे भाषाई अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों के सामने चुनौतियाँ खड़ी हो गई हैं। जितेंद्र तिवारी ने कहा कि सरकार से यह अनुरोध किया गया था कि हिंदी, उर्दू, संथाली समेत अन्य भाषाई अल्पसंख्यक स्कूलों में बंगला भी पढ़ाया जाए ताकि इन स्कूलों के बच्चे बंगला भाषा सीख सकें और सरकारी नौकरी की परीक्षाओं में भाग ले सकें। लेकिन राज्य सरकार ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीति से ऐसा प्रतीत होता है कि वह बंगला छोड़कर अन्य भाषाई समुदायों के बच्चों को सरकारी नौकरी की परीक्षा में सम्मिलित ही नहीं करना चाहती।

जितेंद्र तिवारी ने कहा कि कुछ लोग बंगाल को भाषा के आधार पर विभाजित करना चाहते हैं, लेकिन यह मंशा सफल नहीं होगी। उन्होंने कहा कि बंगाल, रविंद्रनाथ टैगोर, बंकिमचंद्र चटर्जी और शरतचंद्र चटर्जी जैसे महान लोगों की धरती है, जहां विभाजन का बीज कभी नहीं पनपेगा। उन्होंने इस विभाजन की कोशिश के खिलाफ आवाज उठाने और सरकार को 2011 में किए गए अपने ही फैसले की याद दिलाने के लिए 15 दिसंबर को धर्मतल्ला में होने वाले समावेश में अधिक से अधिक लोगों से जुड़ने की अपील की।

दुगार्पुर बैराज का निरीक्षण कर मुख्यमंत्री ने डीवीसी पर जताई नाराजगी, बाढ़ प्रभावितों को हरसंभव सहायता का भरोसा

अनूप जोशी

दुगार्पुर : डीवीसी द्वारा पानी छोड़े जाने को लेकर राज्य सरकार और डीवीसी के बीच तनातनी का माहौल बना हुआ है। इसी बीच, सोमवार शाम राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुगार्पुर बैराज का दौरा किया। पूर्व बर्दवान में प्रशासनिक बैठक के बाद उन्होंने बैराज पहुंचकर जलस्तर की स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री बांकुड़ा जिले के बरजोड़ा स्थित एक यूथ हॉस्टल पहुंचीं, जहां बाढ़ प्रभावित लोग शरण लिए हुए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राहत शिविर में रह रहे लोगों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया। इस दौरान उनके साथ राज्य के मंत्री मलय घटक,मंत्री प्रदीप मजूमदार,बांकुड़ा के सांसद अरूप चक्रवर्ती,पश्चिम बर्दवान जिला तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष व विधायक नरेंद्र नाथ चक्रवर्ती सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। राहत शिविर का दौरा करने के बाद ममता बनर्जी ने मीडिया से बात

की और डीवीसी पर पानी छोड़े जाने को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा दुगार्पुर बैराज का निरीक्षण करते समय मैंने देखा कि डीवीसी द्वारा छोड़े गए पानी का प्रवाह अब भी काफी तेज है। यह समझ नहीं आता कि आखिर कितने लोगों को बाढ़ के पानी में डुबाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक हालात सामान्य नहीं हो जाते, तब तक राहत शिविरों में रह रहे लोगों को हरसंभव सरकारी सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को तेज करने और लोगों की सभी जरूरतों का ख्याल रखने के निर्देश दिए। उधर, निम्न दबाव का क्षेत्र बनने से सोमवार शाम से लगातार बारिश हो रही है। मुख्यमंत्री ने बारिश के बीच ही दुगार्पुर बैराज का निरीक्षण किया और राहत शिविर में पहुंचकर लोगों से मुलाकात की। ममता बनर्जी ने कहा कि यदि डीवीसी द्वारा फिर से पानी छोड़ा जाता है, तो जिन इलाकों से पानी धीरे-धीरे कम हो रहा है, वहां बाढ़ की स्थिति फिर से गंभीर हो सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और बाढ़ प्रभावितों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी।

बिवि याचिका समिति ने अस्पताल का किया निरीक्षण

संवाददाता।

मोतिहारी। बिहार विधानसभा की याचिका समिति की टीम आज दो दिवसीय दौरे पर पूर्वी चंपारण पहुंची। इस दौरान समिति के सदस्यों ने सदर अस्पताल पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान समिति के सदस्यों ने गड़बड़ी देखकर डॉक्टरों को कड़ी फटकार लगाई। याचिका समिति के अध्यक्ष अमरजीत कुशवाहा, सदस्य विधायक पवन जायसवाल और श्याम बाबू यादव ने सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मारीज और उनके परिजनों ने कई तरह के शिकायत की। जिसको लेकर टीम की नाराजगी दिखी। निरीक्षण के क्रम में याचिका समिति की टीम ने इमरजेंसी वार्ड, मातृत्व वार्ड, ओपीडी सहित कई विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल में कई तरह की गड़बड़ियां सामने आई हैं। अस्पताल में आउटसोर्सिंग पर बहाली, टेंडर में अनियमियता, कोविड के दौरान प्राइवेट अस्पतालों में लोगों की हुई मौत के आंकड़े, दवा की आपूर्ति के बावजूद मरीजों को दवा नहीं मिलना, एम्बुलेंस के परिचालन में घोर अनियमितता सामने आई है। इस पूरे मामले पर समिति के सदस्य विधायक पवन जायसवाल ने कहा कि पूरे मामले की जानकारी समिति के द्वारा विधानसभा और विभाग से जुड़े सचिव को दी जाएगी ताकि आगे की कार्यवाई हो सके।

'मेरा अपहरण नहीं हुआ है..मैं खुद लड़के को लेकर भागी हूं'

संवाददाता।

मुजफ्फरपुर। 'मैं पिछले एक साल से एक लड़के से प्यार करती हूं। अपनी मर्जी से भाग कर शादी किया हैं। मेरे मम्मी-पापा ने जो थाने में केस किया हैं वह सब झूठ है'। लड़की ने बताया कि उसका सागर कुमार के साथ प्रेम चल रहा था, जिसको रिश्ते का रंग देने के लिए अपनी मर्जी से उसके साथ गई और विवाह रचाया है। मुझे पता चला कि उसके पिता ने उसके अपहरण का

आरोप लगाकर सागर समेत अन्य के परिजनों पर केस किया है और पूरे परिवार को परेशान किया जा रहा है। फिर उसने पुलिस के सामने उपस्थित होना मुनासिब समझा। इतना सुनते ही पुलिस वालों ने लड़की से उसका डिटेल लिया। फिर उसके न्यायिक हिरासत में लेकर कोर्ट में पेश किया। जहां 164 के बयान में उसने खुद को बालिग बताते हुए प्रेम विवाह किए जाने की बात कही। 14 सितंबर को घर से कॉलेज के लिए निकली ये लड़की जब शाम को नहीं लौटी तो परिजन चिंतित हो उठे और उसकी तलाश शुरू की। उसके नहीं मिलने पर 18 सितंबर को उसके पिता ने करजा थाने में बहला-फुसला कर शादी की नीयत से बेटी का अपहरण करने का आरोप लगाते हुए आकाश कुमार, सागर कुमार, मदन कुमार, वरुण कुमार और बाल्मीकि पर केस कर दिया। बताया जाता है कि छानबीन के दौरान पुलिस ने सागर के पिता लालबाबू पासवान पर दबाव बनाया। इसके बाद पुलिस के सामने लड़की उपस्थित हो गई। इस संबंध में थानेदार कृष्णकांत मिश्रा ने बताया कि लड़की खुद चलकर थाने पर आई है और अपनी मर्जी से सागर से विवाह रचाने की बात कह अपहरण से इंकार कर रही है।

मुजफ्फरपुर: राष्ट्रकवि दिनकर जयंती समारोह एवं कवि सम्मेलन आयोजित

संवाददाता।

मुजफ्फरपुर । राष्ट्रकवि दिनकर अकादमी और भारतीय युवा रचनाकार मंच के संयुक्त तत्वावधान में छोटी सरैयागंज स्थित नवयुवक समिति ट्रस्ट भवन के सभागार में राष्ट्रकवि दिनकर जयंती समारोह एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता अकादमी के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार ने किया।

राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ भगवान लाल साहनी; राष्ट्रकवि दिनकर अकादमी के निदेशक आचार्य चंद्र किशोर पाराशर, देवेंद्र कुमार, शुभ नारायण शुभंकर, सुमन कुमार मिश्रा,डॉक्टर हरीकिशोर प्रसाद सिंह ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अपने उद्घाटन भाषण में डॉक्टर भगवान लाल साहनी ने राष्ट्रकवि दिनकर को हिंदी साहित्य ही नहीं अपितु संपूर्ण भारतीय भाषाओं के साहित्य का शिखर पुरुष बताते हुए कहा कि उनकी रचनाओं में शौर्य और आग है, तो दूसरी ओर राग और वात्सल्य भी है। ऐसा सामंजस्य बहुत ही कम साहित्यकारों में मिलता है। डॉक्टर सहनी ने कहा कि दिनकर को राष्ट्रवाद के प्रखर स्वर के रूप में रूप में जाना जाता है। उनका वह स्वर सन 1962 में भारत चीन युद्ध के

समय भी "परशुराम की प्रतीक्षा" कृति के रूप में प्रकट हुई थी। जिसे पढ़कर तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की रूह कांप गई थी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और राष्ट्रकवि दिनकर अकादमी के निदेशक आचार्य चंद्र किशोर पाराशर ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने हिंदी साहित्य को अपनी रचनाओं के माध्यम से जितना समृद्ध बनाया,उसका मूल्यांकन सही रूप में नहीं किया गया है। वस्तुतः राष्ट्रकवि दिनकर भारत रत्न के सम्मान के योग्य हैं। आचार्य पाराशर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग किया कि आज तक किसी भी साहित्यकार को भारत रत्न का सम्मान नहीं मिला है। राष्ट्रकवि दिनकर इसके असल हकदार हैं। इसलिए आने वाले वर्ष में दिनकर जी को भारत रत्न के सम्मान से अलंकृत किया जाना, केंद्र सरकार का दायित्व है। आचार्य पाराशर ने बिहार सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर आरोप लगाया कि वह साहित्यकारों की उपेक्षा करते हैं और प्रदेश के विद्यालय एवं महाविद्यालय के हिंदी पाठ्यक्रम में दिनकर जैसे मूर्धन्य साहित्यकार को हाशिये पर रखते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मांग किया कि दिनकर की रचनाओं को विद्यालय से महाविद्यालय तक संपूर्णता में पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए ।

अपने अध्यक्षीय के संबोधन में साहित्यकार देवेंद्र कुमार ने कहा कि राष्ट्रकवि दिनकर कालजई रचनाकार हैं। जिनकी रचनाएं युवा पीढ़ी को देशभक्ति और पुरुषार्थ बनने की प्रेरणा देती है। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए शुभ नारायण शुभंकर ने कहा कि यदि दिनकर नहीं होते तो भारतीय वाणगमय का आधुनिक स्वरूप उभर कर सामने नहीं आता।

राष्ट्रकवि दिनकर जयंती समारोह के दूसरे सत्र में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसका संचालन सविता राज ने किया। काव्य पाठ का शुभारंभ युवा कवि उमेश राज ने अपने गीत "मैं हूं अकिंचित प्रेम का प्रिया" से किया। अभय कुमार शब्द ने "आग लिखता हूं राग लिखता हूं" गीत का सस्वर पाठ कर तालियां बटोरी। हरीकिशोर प्रसाद सिंह ने बज्जिका भाषा में "जय बज्जिका" गीत प्रस्तुत किया।

सविता राज की गजल "एक दिन छोड़कर दुनिया से चले जाना है" भी बहुत पसंद किया गया। युवा कवि सुमन कुमार मिश्रा ने "जब भी आंखें तैरता है प्याज" शीर्षक व्यंग्य की प्रस्तुति की। डॉक्टर मंटू शर्मा ने "हे मेरे भारत के पुत्रों" शीर्षक कविता का पाठ किया। चंदन पांडे ने "जरा देखो क्या हुआ मनुष्य कितना बुरा हुआ" रचना की प्रस्तुति की। शुभ नारायण शुभंकर ने "गीत एक मैं सुन रहा हूं दिनकर जी के सम्मान में" गीत पढ़कर श्रोताओं को झुमाया। आचार्य चंद्र किशोर पाराशर ने हिंदी गजल "तेजाब सावन में बरसता है हमारे गांव में, चांदनी में पांव जलता है हमारे गांव में की प्रस्तुति कर वाहवाही लूटा। अध्यक्षीय काव्य पाठ करते हुए देवेंद्र कुमार ने "दूर देश हटिया विकास भागातील" शीर्षक भोजपुरी गीत की प्रस्तुति की। अंत में धन्यवाद ज्ञापन शुभ नारायण शुभंकर ने किया।

चरण सिंह

विचार

आखिर कंगना राणावत जैसों को क्यों जिता देते हैं लोग ?

ये जो राजनीतिक दल किसी को भी टिकट दे देते हैं। ऐसे दलों को तब समझ में आता है जब ये लोग जीतकर अनाप-शनाप बातें करने लगते हैं। जैसे कि कंगना राणावत को भाजपा के लिए सिरदर्द बनी हुई हैं। अभी हाल ही में कंगना राणावत ने किसान आंदोलन पर उंगली उठाते हुए कहा था कि उग्रवादी आंदोलन कर रहे थे और आंदोलन में रेप और हत्याएं हो रही थीं। बीजेपी ने कंगना राणावत के उस बयान को उनकी निजी बयान बताते हुए किसी तरह से पल्ला झाड़ा था कि कंगना राणावत ने किसानों को लेकर फिर से विवादित बयान दे दिया। बयान भी ऐसा कि राजनीति में भूचाल आ जाये। जिन कृषि कानूनों के विरोध में किसानों का १३ महीने आंदोलन चला। ७५० किसानों ने दम तोड़ दिया। खुद प्रधानमंत्री ने देश से माफी मांगते हुए वे कृषि कानून वापस लिये। अब कंगना राणावत फिर से उन कृषि कानूनों को लागू करने की बात कर रही हैं। हालांकि वह यह भी मान रही हैं कि उनके बयान पर विवाद हो सकता है। मतलब कंगना राणावत ने खुद ऐसा बयान दिया जिस पर विवाद हो। ऐसे में भाजपा कंगना को कितने दिन तक झेलेगी।

दरअसल कंगना राणावत ने कहा है कि नये कृषि कानन वापस आने चाहिए और खुद किसान इन कानूनों की मांग करें। कांग्रेस ने कंगना राणावत के बयान को गंभीरता से लेते हुए कहा कि अब ये कानून वापस नहीं आएंगे भले ही भाजपा के सांसद इस ओर कितना भी प्रयास कर लें। कांग्रेस ने कहा कि जिन कानूनों के विरोध में ७५० किसान शहीद हो गये उन किसानों को भाजपा फिर से लाना चाहती है। अब ये कानून कभी वापस नहीं आएंगे। दरअसल कंगना राणावत को राजनीतिक बयान के बारे में कोई जानकारी नहीं है। वह तो प्रधानमंत्री की अंध भक्त हैं। इसलिए उनको मंडी से टिकट मिला और वह भी जीत गईं। कंगना राणावत जैसे लोगों को टिकट देने वाले दल देश के साथ विश्वास घात करते हैं। जब इन जैसे जनप्रतिनिधियों को कुछ पता ही नहीं है तो ये लोग अपने क्षेत्र के लिए क्या काम करेंगे ? देश और समाज के लिए इनकी क्या भूमिका रहेगी। कंगना राणावत तो देश को आजाद ही नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद मान रही हैं। मतलब जिन क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए बलिदान दिया, कुबार्नी दी वह सब कंगना राणावत की नजरों में बेकार है।

दरअसल कंगना राणावत ग्लैमर की दुनिया में रही हैं। उन्होंने लोगों की समस्याओं को करीब से नहीं देखा। उनको राजनीति के बारे में कोई जानकारी नहीं है। ऐसे में उनकी कोई गलती नहीं है। गलती तो उस व्यक्ति ने की है जो कंगना राणावत को राजनीति में लेकर आया। ऐसे में प्रश्न उठता है कि आखिरकार भाजपा ने कंगना राणावत को राजनीति में लाने का भाजपा का क्या मकसद था ? बस इसलिए कि वह मंडी से सीट निकाल लेंगी। ऐसे में उन जैसे लोगों का बहुत बुरा होता है जो जिंदगी भर पार्टी के लिए वफादार बने रहते हैं।

श्राद्ध पक्ष में नफरत के तर्पण की जरूरत

-राकेश अचल-

दिशाहीन, कसैली, विषैली सियासत पर लिखते-लिखते अब ऊब होने लगी है। इसलिए आज श्राद्ध पक्ष पर लिख रहा हूँ। भारत में श्राद्ध पक्ष का बहुत महत्व है। मान्यताएं हैं, अस्थायें हैं। हमारे पूर्वजों ने पूर्वजों की आत्मशांति और उनके प्रति श्रृद्धा व्यक्त करने के लिए पूरे पन्द्रह दिन मुकर्रर किये हैं। पंचभूत में विलीन हमारे पूर्वजों की देह हम नदियों में प्रवाहित कर देते हैं किन्तु उनकी आत्माओं के बारे में हमारे पास कोई प्रबंध नहीं है। हमें लगता है कि पूर्वजों की आत्माएं भटकतीं है। उन्हें भूख-प्यास भी लगती है इसलिए ब्राम्हणों के जरिये, कौवों के जरिये, पशु-पक्षियों के जरिये हम उन्हें भोजन, वस्त्र और न जाने क्या-क्या पहुँचाने की कोशिश करते हैं। और जब थक जाते हैं, पक जाते हैं, तो पिंडदान कर देते हैं। स्थापित मान्यताओं के बारे में मुझे कुछ नहीं कहना, क्योंकि ये आज का विषय नहीं है। मेरा तो आग्रह ये है कि हम इस श्राद्ध पक्ष में यदि कुछ तर्पण करना ही चाहते हैं, पिंडदान करना ही चाहते हैं तो हमें नफरत का, ईर्ष्या का, घृणा का पिंडदान करना चाहिए ताकि समाज, देश, आसपड़ोस सुख से रह सके। सुख अब दिनों-दिन अलभ्य होता जा रहा है। लोग सुख देने के बजाय उसे छीनने की स्पर्द्धा में जुटे हुए हैं। भारत में ही नहीं अपितु पूरी दुनिया में ये छीना-झपटी चल रही है। छीना-झपटी का चरम युद्ध में तब्दील होजाता है। दुनिया में कहाँ-कहाँ ये नफरत युद्ध में तब्दील हो चुकी है, ये आप सभी जानते हैं।

बात नफरत की चली तो मुझे भारतीय राजनीति की कुछ महिलाओं की याद आ गयी। दिल्ली की नयी-नवेली मुख्यमंत्री आतिशी भाजपा की नफरत से परेशान हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की कुर्सी खाली रखकर कामकाज करने का फैसला किया तो भाजपा को उदरशूल होने लगा। भाजपा के तमाम भद्र नेता मुख्यमंत्री आतिशी पर राशन-पानी लेकर चढ़ बैठे। उनका कहना है कि ये चमचत्व की पराकाष्ठा है जबकि आतिशी कहतीं हैं कि वे दिल्ली में भरत राज का अनुकरण कर रहीं हैं। कलियुग में भरत राज का अनुकरण अविश्वनीय है, क्योंकि यहां तो भरत के रूप में चम्पाई सोरेन का उदाहरण हैं जो सत्ता कि लालच में अपने ही दल को लात मार चुके हैं। आतिशी चम्पाई सोरेन नहीं हैं, आतिशी है। उनका सम्मान किया जाना चाहिए।

नफरत की आग भाजपा की कलाकार संसद सुश्री कंगना रावत कि दिल में भी धधक रही है। वे भी सन्निपात की शिकार दिखाई देतीं है। वे कब , क्या बोलेंगीं ये उनका दल भाजपा भी नहीं जानता और इसीलिए कुछ दिन पहले ही कंगना कि एक बयान से भाजपा ने अपने आप को लग कर लिया था। अब वही कंगना रनौत फिर सुर्खियों में है। उन्होंने कहा है कि -हिमाचल प्रदेश सरकार कर्ज लेती है और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की गोद में डाल देती है। इस तरह वह कांग्रेस की झोली भर रही है। सोनिया गांधी ने राज्य के खजाने को खोखला कर दिया है और हिमाचल की ये दुर्दशा हुई है। हिमाचल के बच्चों के भविष्य पर कुल्हाड़ी मारी जा रही है। यह देखकर उन्हें बहुत दुख होता है। उनका दुःख कब सुख में बदलेगा हम और आप नहीं जानते।

हरियाणा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी शैलजा भी इस समय अपनी पार्टी और भाजपा की नफरत का शिकार है। नाराज हैं। चुनाव प्रचार में नजर नहीं आ रही। भाजपा ने उन्हें कांग्रेस छोड़ भाजपा में आने का न्यौता दिया है लेकिन सैलजा ने बिभीषण बनने से इंकार कर दिया है। उनका कहना है कि उनकी देह कांग्रेस कि झंडे में ही लिपटकर विदा होगी। ऐसा समर्पण अब कहाँ देखने को मिलता है।

नफरत की राजनीति कि शिकार देश कि अल्पसंख्यक भी हैं और वे लोग भी जो तिरुपति तिरुमला देवस्थान में लड्डुओं के लिए देशी घी के नाम पर कुछ और सप्लाई करते आये हैं। लेकिन इस नफरत से किसका नुक्सान है और किसका फायदा ये समझना बहुत कठिन है। इसलिए मै बार-बार कहता हूँ कि श्राद्ध पक्ष में पितरों कि साथ उन लोगों कि लिए भी दान-पुण्य करना चाहिए जो नफरत की गिरफ्त में है। नफरत से मोक्ष दिलाने कि लिए कोई नया विधि-विधान आवश्यक हो तो उसका भी इस्तेमाल किया जा सकता है। क्योंकि मेरी मान्यता है कि जब तक समाज में देश में, दुनिया में नफरत है कोई सुख से नहीं रह सकता। न गरीब और न अमीर। सुख की जरूरत सभी को है, नफरत से मुहब्बत करने वाले लोग बहुत कम हैं और अब दुनिया में हर जगह उनकी शिनाख्त हो चुकी है।

भारत के मार्च 2026 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के संकेत

-प्रहलाद सबनानी-

> द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात लगातार 4 दशकों तक जर्मनी पूरे यूरोपीयन यूनियन में तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहा। इस दौरान विनिर्माण इकाईयों के बल पर जर्मनी ने अपने आप को विश्व में विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित कर लिया था एवं विभिन्न उत्पादों, विशेष रूप से कार, मशीनरी एवं केमिकल उत्पादों का निर्यात पूरे विश्व को भारी मात्रा में किया जाने लगा था। पिछले 20 वर्षों के दौरान जर्मनी पूरे यूरोपीयन यूनियन के विकास का इंजिन बना हुआ था। चूंकि चीन की अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से विकास कर रही थी अतः पिछले 20 वर्षों के दौरान चीन, जर्मनी से लगातार मशीनरी, कार एवं केमिकल पदार्थों का भारी मात्रा में आयात करता रहा है।

भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.93 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। जबकि, जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है एवं जर्मनी के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.59 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। भारत की आर्थिक विकास दर लगभग 8 प्रतिशत प्रतिवर्ष बनी हुई है और जापान एवं जर्मनी की आर्थिक विकास दर लगभग स्थिर है अथवा इसके ऋणात्मक रहने की भी प्रबल सम्भावना है। इस दृष्टि से मार्च 2025 तक भारत जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं मार्च 2026 तक भारत जर्मनी की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। हाल ही के समय में जर्मनी एवं जापान की अर्थव्यवस्थाओं में विभिन्न प्रकार की समस्याएं दृष्टिगोचर हैं, जिनके कारण इन दोनों देशों की आर्थिक विकास दर आगे आने वाले वर्षों में विपरीत रूप से प्रभावित रह सकती है।

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात लगातार 4 दशकों तक जर्मनी पूरे यूरोपीयन यूनियन में तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहा। इस दौरान विनिर्माण इकाईयों के बल पर जर्मनी ने अपने आप को विश्व में विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित कर लिया था एवं विभिन्न उत्पादों, विशेष रूप से कार, मशीनरी एवं केमिकल उत्पादों का निर्यात पूरे विश्व को भारी मात्रा में किया जाने लगा था। पिछले 20 वर्षों के दौरान जर्मनी पूरे यूरोपीयन यूनियन के विकास का इंजिन बना हुआ था। चूंकि चीन की अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से विकास कर रही थी अतः पिछले 20 वर्षों के दौरान चीन, जर्मनी से लगातार मशीनरी, कार एवं केमिकल पदार्थों का भारी मात्रा में आयात करता रहा है। परंतु, अब परिस्थितियां बदल रही हैं क्योंकि चीन की अर्थव्यवस्था भी हिचकोले खाने लगी है और चीन ने विभिन्न उत्पादों का जर्मनी से आयात कम कर दिया है। अतः अब जर्मनी अर्थव्यवस्था पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। आज बदली हुई परिस्थितियों में चीन, जर्मनी में निर्मित विभिन्न उत्पादों का आयात करने के स्थान पर वह जर्मनी का प्रतिस्पर्धी बन गया है और इन्हीं उत्पादों का निर्यात करने लगा है।

दूसरे, पिछले लगभग 2 वर्षों से रूस ने भी ऊर्जा की आपूर्ति यूरोप के देशों को रोक दी है, रूस द्वारा निर्यात की जाने वाली इस ऊर्जा का जर्मनी ही सबसे अधिक लाभ उठाता रहा है। तीसरे, जर्मनी में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और एक अनुमान के अनुसार जर्मनी में आगे आने वाले एक वर्ष से कार्यकारी जनसंख्या में प्रतिवर्ष एक प्रतिशत की कमी आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे उपभोक्ता खर्च पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। चौथे, जर्मनी में नागरिकों की उत्पादकता भी कम हो रही है। जर्मनी में प्रत्येक नागरिक वर्ष भर में केवल 1300 घंटे का कार्य करता है जबकि डएउऊदेशों में यह औसत 1700 घंटे का है। पांचवे, यूरोपीयन यूनियन में वर्ष 2035 में पेट्रोल एवं डीजल पर चलने वाले चार पहिया वाहनों के उत्पादन पर रोक लगाई जा सकती है जबकि इन कारों का निर्माण ही जर्मनी में अधिक मात्रा में होता है तथा जर्मनी की कार निमार्ता कम्पनियों ने बिजली पर चलने वाले वाहनों के निर्माण पर अभी बहुत अधिक ध्यान नहीं दिया है। साथ ही, जर्मनी ने नवाचार पर भी कम ध्यान दिया है एवं स्टार्ट अप विकसित करने में बहुत पीछे रहा है आज इन क्षेत्रों में अमेरिका एवं चीन बहुत आगे निकल गए हैं एवं जर्मनी आज अपने आप को असहाय सा महसूस कर रहा है। अतः जर्मनी अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव आगे आने वाले लम्बे समय तक चलने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

वैश्वीकरण की प्रक्रिया का प्रभाव भी जर्मनी अर्थव्यवस्था पर पड़ा है एवं अब पूरे विश्व में गैरवैश्वीकरण की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। आज प्रत्येक विकसित एवं विकासशील देश अपने पैरों पर खड़ा होकर स्वावलंबी बनना चाहता है। अतः जर्मनी जैसे देशों से मशीनरी एवं कारों का निर्यात कम हो रहा है साथ ही इन उत्पादों की तकनीकि भी लगातार बदल रही है जिसे जर्मनी की विनिर्माण इकाईयां उपलब्ध कराने में असफल सिद्ध हुई हैं। पिछले 5 वर्षों के दौरान जर्मनी अर्थव्यवस्था में विकास दर हासिल नहीं की जा सकी है।

जर्मनी में सितम्बर 2023 माह में वोक्सवेगन कम्पनी ने अपनी दो विनिर्माण इकाईयों को बंद करने का निर्णय लिया है। यह कम्पनी जर्मनी में 3 लाख से अधिक रोजगार के प्रत्यक्ष अवसर उपलब्ध कराती है तथा अन्य लाखों नागरिकों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराती हैं। इस कम्पनी ने जर्मनी में अपनी विनिर्माण इकाईयों में उत्पादन कार्य को काफी हद्द तक कम कर दिया है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से इस कम्पनी के उत्पादों की बिक्री लगातार कम हो रही है। पिछले 5 वर्षों के दौरान इस कम्पनी की बाजार कीमत आधे से भी कम रह गई है। इस कम्पनी की उत्पादन इकाईयों में चार पहिया वाहनों का निर्माण किया जाता रहा है परंतु अब इन उत्पादन इकाईयों में बिजली पर चलने वाली कारों के निर्माण में बहुत परेशानी आ रही है। बिजली पर चलने वाली कारों का जर्मनी में उत्पादन बढ़ाने के स्थान पर चीन से इन कारों का बहुत भारी मात्रा में आयात किया जा रहा है। अपनी आर्थिक परेशानियों को ध्यान में रखते हुए जर्मनी ने यूक्रेन को टैंकों की आपूर्ति भी रोक दी है। दरअसल कोरोना महामारी के बाद से ही, वर्ष 2020 के बाद से, जर्मनी की अर्थव्यवस्था अभी तक सही तरीके से पूरे तौर पर उबर ही नहीं सकी है।

एक अनुमान के अनुसार जर्मनी अर्थव्यवस्था का आकार वर्ष 2024 में भी कम होने जा रहा है, यह वर्ष 2023 में भी कम हुआ था और इसके वर्ष 2025 में भी सुधरने की सम्भावना कम ही दिखाई दे रही है। जर्मनी के सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2024 के दौरान 0.1 प्रतिशत की कमी की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। बेरोजगारी की दर भी 6.1 प्रतिशत के स्तर तक ऊपर जा सकती है। जर्मनी अर्थव्यवस्था केवल चक्रीय ही नहीं बल्कि संरचनात्मक क्षेत्र में भी समस्याओं का सामना कर रही है। इसमें सुधार की कोई सम्भावना आने वाले समय में नहीं दिख रही है। हालांकि यूरोपीयन यूनियन में जर्मनी की अर्थव्यवस्था सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है परंतु फिर भी भारत, उक्त कारणों के चलते, जर्मनी की अर्थव्यवस्था को मार्च 2026 तक पीछे छोड़ देगा, ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

इसी प्रकार, पिछले लगभग 30 वर्षों के दौरान जापान की अर्थव्यवस्था में मुद्रा स्फीति, ब्याज दरें एवं येन की कीमत स्थिर रही है। परंतु, हाल ही के समय में येन का अंतरराष्ट्रीय बाजार में अवमूल्यन हो रहा है एवं यह 160 येन प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर पर आ गया है, जो वर्ष 2009 के बाद से कभी नहीं रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन ने बदली भारत की छवि

-मधुकर पवार-

इन दिनों समूचे भारत में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत विशेष रूप से केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों, कार्यालयों, सार्वजनिक व पर्यटक स्थलों, रेलवे स्टेशनों तथा आसपास के परिसरों आदि की साफ-सफाई के लिये विशेष सफाई अभियान चलाकर आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है ताकि स्वच्छता अभियान सतत चलता रहे। विगत 19 सितम्बर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उज्जैन प्रवास पर थीं। इस दौरान उन्होंने महाकाल परिसर में झाड़ू लगाकर श्रमदान कर यह संदेश दिया कि चाहे कोई व्यक्ति कितने ही बड़े पद पर क्यों न हो, स्वच्छता उनकी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि पिछले 10 वर्षों में स्वच्छता अभियान देशव्यापी जन आंदोलन बन गया है। मध्य प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन की उपलब्धियों की चर्चा करते हुये राष्ट्रपति ने कहा कि इंदौर ने लगातार सात बार देश का स्वछतम शहर बनने का कीर्तिमान स्थापित किया है। भोपाल को सबसे स्वच्छ राजधानी होने का गौरव प्राप्त है। राज्य के अनेक शहर वाटर प्लस और ओडीएफ डबल प्लस की श्रेणी में पुरस्कृत हुए हैं। उन्होंने स्वच्छता के क्षेत्र में मध्य प्रदेश की उपलब्धियों का श्रेय अग्रिम पंक्ति के सफाई मित्रों को दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन का दूसरा चरण सन 2025 तक चलेगा। इस दौरान हमें संपूर्ण स्वच्छता के लक्ष्य को पूरा करना है।

हाल ही में उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने भी राजस्थान के झुंझुनू जिला में स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा कि देश के अधिकांश परिवारों में शौचालयों का नहीं होना एक अभिशाप था। इससे सबसे ज्यादा बेटियों और महिलाओं को शर्मिंदगी उठानी पड़ती थी लेकिन अब स्वच्छ भारत मिशन से उनका सम्मान और गौरव बढ़ा है। यूनिसेफ के सर्वे में यह बात उभरकर सामने आई है कि अब करीब 93 प्रतिशत महिलाएं मानती हैं कि उन्हें सम्मान मिला है और वे सुरक्षित महसूस करती हैं। हाल ही में एक शोध में पाया गया कि स्वच्छ भारत मिशन के शुरू होने के बाद नवजात शिशुओं की मृत्यु दर में भी उल्लेखनीय कमी आई है। शोध के निष्कर्ष में बताया गया है कि भारत में सन 2014 के बाद से हर साल 60, 000 से 70, 000 नवजात शिशुओं की जान बच रही है।

भारत में स्वच्छ भारत मिशन को शुरू हुए लगभग 10 साल हो गए हैं। इस दौरान चरणबद्ध तरीके से शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए गए स्वच्छता अभियान के सार्थक परिणाम दिखाई दे रहे हैं। इस अभियान से बच्चे, युवा, जवान और बुजुर्ग सभी जुड़े और यह देखते ही देखते जन आंदोलन के रूप में परिवर्तित हो गया। गांव-गांव और शहर- शहर में स्वच्छता को लेकर होड़ सी लग गई और इसके परिणाम स्वरूप गांव, जिला और प्रदेश सहित समूचे भारत में स्वच्छता की बयार बहने लगी। पूरे भारत में आम जनता की सक्रिय भागीदारी से खुले में शौच से मुक्त यानी ओडीएफ घोषित कर दिया गया। करीब 10 साल पहले स्वच्छता को लेकर हमारी मानसिकता पर जो गर्द जमी हुई थी, वह अब पूरी तरह साफ हो गई है। हमारी नजरें अब स्वच्छता के बीच केवल गंदगी पर ही जाकर टिकती है। जब चारों ओर स्वच्छता का वातावरण बन रहा है तब कहीं जरा सी भी गंदगी रहती है, वहीं हमारी नजरें ठहर जाती हैं। यह स्वच्छता को लेकर बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है।

स्वच्छता को लेकर प्रशासन के साथ आम नागरिकों में भी जुनून सवार है तभी तो मध्य प्रदेश का इंदौर शहर भारत में सबसे स्वच्छ शहर का तमगा लेकर 7 सालों से शीर्ष पर बना हुआ है। इसमें आम नागरिकों और स्वयं सेवी संगठनों का भी सहयोग अतुलनीय है। इंदौर को केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में भी स्वछतम शहर के रूप में मान्यता मिली हुई है। इसका परिणाम यह हुआ है कि अन्य शहर भी इंदौर से स्वच्छता के विभिन्न मापदंडों पर बराबर आने या इससे आगे निकलने की होड़ में शामिल होने के लिए जी तोड़ मेहनत करने लगे हैं। चूंकि स्वच्छता एक सतत प्रक्रिया है और निरंतर स्वच्छता को लेकर सजग रहकर इसके विभिन्न मापदंडों के स्तर को बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण होता है। अब स्वच्छता धीरे झ्र धीरे आम नागरिकों की आदत में शामिल होने लगा है। इसी का परिणाम है कि आज स्वच्छता के मापदण्डों पर भारत की छवि एक स्वच्छ राष्ट्र के रूप में बन रही है।

भारत में सन 2014 से पहले निर्मल भारत अभियान चलाया जा रहा था जिसमें केवल शौचालय बनाना ही एकमात्र लक्ष्य था लेकिन राशि इतनी कम (मात्र 4600 रुपए) थी कि इससे किसी तरह शौचालय ही बना पाते थे। यह कार्यक्रम औपचारिकता मात्र बन कर रह गया था लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत की, शौचालय बनवाने के लिये राशि को बढ़ाकर 12, 000 रुपए कर दिया जो शौचालय बनवाने के लिये पर्याप्त कही जा सकती है। शौचालयों के निर्माण के साथ पेयजल, स्वच्छता, पॉलिथीन मुक्त शहर - गांव आदि को भी इस अभियान में शामिल कर व्यापकता प्रदान की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए जाने वाले मकानों में शौचालय बनाना अनिवार्य कर दिया जिससे स्वच्छता अभियान को नया आयाम मिला और गरीबों विशेषकर महिलाओं को सम्मान। इसका परिणाम यह हुआ कि सन 2014 में जहां देश में शौचालयों का प्रतिशत करीब 40 था, जो अब बढ़कर करीब 97 प्रतिशत हो गया है। देश में 11.6 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण करके यह सुनिश्चित किया गया है कि भारत खुले में शौच से मुक्त हो जाए। आज की तारीख में भारत के 50% गांव ओडीएफ प्लस मॉडल हो चुके हैं। भारत करीब झ्र करीब खुले में शौच से मुक्त यानी ओ.डी.एफ. के आसपास पहुंच चुका।

स्वच्छ भारत मिशन में पेयजल उपलब्ध कराना भी एक महत्वपूर्ण कारक है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन चलाया जा रहा है। राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार देश के करीब 19.24 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से लगभग 13.76 करोड़ यानी 71.51 प्रतिशत परिवारों के घरों में नल से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित कर दी गई है।

शहरी और अर्ध शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता के साथ घर से निकलने वाले सूखे, गीले, जैव अपशिष्ट और इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिक अपशिष्ट के व्यवस्था शुरू करने से शहरी स्वच्छता में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है।

घर से निकलने वाले सभी तरह के कचरे को घर से ले जाने के लिए सभी नगरीय क्षेत्रों में माकूल व्यवस्था की गई है। अनेक शहरों में गीले कचरे से जैविक खाद और बायोगैस बनाई जा रही है। उज्जैन के महाकाल सहित देश के अनेक धार्मिक स्थलों में फूल, पत्तियां से अब जैविक खाद बनाने के अभिनव प्रयोग किए जा रहे हैं। इससे धार्मिक स्थलों में स्वच्छता का वातावरण निर्मित हो रहा है, कुछ लोगों को रोजगार भी मिल रहा है और धार्मिक ट्रस्टों को आमदनी भी होने लगी है। देश में रिसायकल नहीं हो सकने वाली पॉलिथीन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। स्वच्छता के लिये तीन आर यानि रिड्यूस, रियूज और रिसायकल अर्थात आवश्यकता कम करना, पुनः उपयोग करना और पुनर्चक्रीकरण पर बल दिया गया है। इस प्रयास से आम नागरिकों के व्यवहार में भी परिवर्तन दिखाई दे रहा है। एक बार ही उपयोग (सिंगल यूज) में आने वाले प्लास्टिक / पोलिथीन से बने गिलास, प्लेट्स आदि का विवाह, सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों में रोक लगाने के लिये प्रभावी कदम उठाए गये हैं।

बिहार में सरकार के इकबाल पर सवाल

-कुमार कृष्णन-

बिहार के सुशासन बाबू यानी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विभिन्न मंचों से यह कहते नहीं थकते कि बिहार में कानून का राज है। कानून व्यवस्था की धज्जियां किस कदर उड़ चुकी हैं, इसका नवादा की घटना है।

नवादा ज़िले के ददौर गांव की कृष्णानगर नाम की एक दलित बस्ती में दबंगों ने कई राउंड फायरिंग करने के बाद आग लगा दी, जिसमें करीब 80 घर जलकर खाक हो गए। कई जानवरों के मरने की सूचना है, लेकिन किसी इंसान को हानि नहीं पहुंची है, क्योंकि इस हमले की आशंका से लोग पहले ही अपने घरों को छोड़कर चले गए थे। इस मामले के बाद अब तक 15 लोगों को गिरफ़्तार कर लिया गया है, जिसमें घटना का मास्टरमाइंड बताया जा रहा नंदू पासवान भी शामिल है। जातीय हिंसा के लिए बदनाम बिहार में इस मामले ने कुछ ही समय में राजनीतिक तूल पकड़ लिया है।

जहां मुख्य विपक्षी राजद ने नीतीश सरकार पर हमला बोलते हुए इसे ह्यमहा-जंगल राजह्न करार दिया है, वहीं केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने इसे यादवों द्वारा महादलितों पर हमला बताया है। इस मामले में सबसे ज्यादा प्रभावित मांझी समुदाय से आते हैं। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया, ह्लकुछ दबंग यादवों ने कुछ दलितों को बहकाया-फुसलाया ताकि यह लगे कि यह दलितों पर दलितों द्वारा किया गया हमला है। ह्व

नंदू बिहार पुलिस का रिटायर्ड जवान है। नंदू का बेटा भी पुलिस गिरफ्त में है। उसका बेटा नागेश्वर पासवान भदोखरा वार्ड नंबर 16 (कृष्णा नगर) का वार्ड सदस्य है। वहीं, नंदू की बहू सरिता भारती आंगनबाड़ी सेविका का काम करती है।

जमीन विवाद को लेकर दबंगों ने इस कांड को अंजाम दिया। जिस जगह पर आगजनी की गई, वहां की जमीन का मुकदमा न्यायालय में केस चल रहा है। जिला पदाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के अनुसार कृष्णा नगर के संजय मांझी के बेटे व्यास मुनी ने पर बताया कि उक्त जमीन पर वर्तमान में नवादा कोर्ट में टाइटल सूट संख्या 22/1995 चल रहा है। इस दलित बस्ती में रहने वालों का दावा है कि यहाँ ये लोग साल 1964 से रह रहे हैं। ये लोग बताते हैं कि ये जमीन सईदा खातून निशा उर्फ.रज़िया बेगम की है, जो किसी नवाब साहब की बेटी है। बस्ती के वीरेंद्र प्रसाद बताते है कि ये 15 एकड़ 59 डेसीमिल जमीन का विवाद है। रजिया बेगम ने ये जमीन किसी को नहीं दी थी तो ये जमीन अनाबाद बिहार सरकार है। 1964 में दलित लोगों ने इस जमीन पर कब्जा कर लिया। फिर हम लोगों ने ये जमीन अपनी मेहनत से जोती और वही खा रहे है। अनाबाद बिहार सरकार की जमीन का मतलब खासमहल, भूदान से मिली जमीन है। इस जमीन के मालिकाना हक को लेकर 90 के दशक में विवाद शुरू हुआ. जिसको लेकर टाइटल सूट का केस मुंसिफ कोर्ट नवादा में (केस नंबर 22/95) दायर है। इस केस में याचिकाकर्ता वीरेन्द्र प्रसाद है। उनके मुताबिक ह्लउन्होंने रमजान मियां पर केस किया है। रमजान मियां अपनी जमीन के साथ-साथ बस्ती की भी जमीन बेचने लगा। तब मैंने ये केस किया। केस के बावजूद जमीन की खरीद बिक्री हुई। दबंगों ने ये जमीन लिखा ली। केस जब चल रहा था, तो जमीन की खरीद बिक्री नहीं होनी चाहिए थी। लेकिन खरीद बिक्री भी हुई और दाखिलखारिज भी हो गया। रमजान मकी मृत्यु कई साल पहले हो चुकी है। नवादा प्रशासन के रिकार्ड में इस जमीन की जमाबंदी (एक तरह से जमीन का रिकार्ड) रमजान मियां पिता चुल्हन मियां की है। नंदू पासवान के पिता का नाम सौखी पासवान है। इस परिवार का दावा है कि सौखी पासवान और उनके तीन भाइयों सहदेव, जगदीश और सुमेश्वर ने ये जमीन खरीदी थी। इस मामले में दर्ज प्राथमिकी में नवादा के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लोहानी बिगहा गाँव और नालंदा ज़िले के रहुई थाना क्षेत्र के भी अभियुक्त हैं।

लोहानी बिगहा और रहुई से नामजद अभियुक्त यादव समाज और बेलदार जाति से आते हैं। बेलदार बिहार में अति पिछड़ा कैटेगरी में आते हैं। यह महत्वपूर्ण सवाल है कि आखिरकार जमीन के विवाद ने इतना हिंसक रूप कैसे अख़्तियार कर लिया?दलित बस्ती में रहने वालों का दावा है कि पहले भी यहाँ गोली चलती रही है। पीड़ितों का कहना है कि हम लोगों की तीन पीढ़ी यहाँ पर रही है. ये लोग यहाँ आकर पहले भी गोली चलाएं और गाली दिए है लेकिन पुलिस कुछ नहीं की। बीते साल भी यहाँ गोली छूटा तो प्रशासन ने रुपया खाकर कोई कार्रवाई नहीं की। अक्सर होता है कि शासन प्रशासन पीड़ितों के न्याय के लिए खडे.होने की जगह दबंगो के साथ खडे होती है। यह वारदात साफ इशारा करती है कि बिहार में सरकार का इकबाल पूरी तरह खत्म हो चुका है। सरकार की पुलिस प्रशासन पर पकड़ कमजोर है और कानून-व्यवस्था गर्त में जा चुकी है।

ज्यादा पुरानी बात नहीं है, इसी साल मई माह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा शासन और खासकर नरेन्द्र मोदी के शासन को लेकर लंबे-चौड़े दावे किए थे। श्री नड्डा ने कहा था नरेंद्र मोदी के 10 साल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के रहे। एक तरफ सेवा है, सुशासन है, गरीब कल्याण है, तो दूसरी तरफ राजद-कांग्रेस के शासन की लूट, कुशासन और उनके परिवार का कल्याण था। दोनों में तय आपको करना है। श्री नड्डा लोकसभा के लिए जनता का वोट मांग रहे थे, लेकिन जिस तरह उन्होंने राजद और कांग्रेस के शासन को कोसा, उससे जाहिर है कि वे नीतीश कुमार के इंडिया गठबंधन को छोड़कर एनडीए में साथ आने को सही ठहरा रहे थे। नीतीश कुमार ने भी मन न लगने को कारण बताते हुए ही राजद और कांग्रेस से किनारा करके फिर से भाजपा से दोस्ती की और राज्य की सत्ता में भाजपा को दोबारा आने का मौका दिया था। अब उसका नतीजा सामने है कि जिस सुशासन के दावे नीतीश कुमार को लेकर किए जाते रहे, उसकी हकीकत क्या है। एक बार फिर जातीय हिंसा की भयावह याद ताजा कराती नवादा की घटना घटी है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

केंद्रीय मंत्री अमित शाह का चैलेंज: राहुल बाबा तुम्हारी तीसरी पीढ़ी भी आ जाएं, 370 खत्म नहीं कर पाएंगी धारा

यमुनानगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जगाधरी अनाज मंडी में आयोजित भाजपा की जन आशीर्वाद रैली में राहुल गांधी और भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कश्मीर में धारा 370 के मुद्दे पर राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल बाबा तुम्हारी तीसरी पीढ़ी भी आ जाए कश्मीर में धारा 370 को खत्म नहीं कर पाओगे। उन्होंने कहा राहुल बाबा कान खोल कर सुन लें जितना मर्जी जोर लगा लो आरक्षण खत्म नहीं होगा, इसे हाथ तक नहीं लगने देंगे।

वहीं, गृहमंत्री ने मुख्यमंत्री पद के लिए कांग्रेस की भीतरी कलह पर निशाना साधते हुए कहा कि जहां एक अनार और सौ बीमार हो वहां चुनाव नहीं जीता जाता। एक मुख्यमंत्री पद के लिए सुरजेवाला साहब ने नए कपड़े सिलवा लिए तो सैलजा रूठ कर उत्तराखंड चली गई, यहां तक कि छोटे हुड्डा और बड़े हुड्डा में भी लड़ाई चल रही है। साथ में कार्यवाहक सीएम नायब सिंह सैनी भी साथ रहे।

अमित शाह ने कहा कि हरियाणा की धरती वीरों की धरती रही है। यहां से हर 10 वां जवान सेना में हरियाणा से आता है। पूरा देश हरियाणा की माताओं को नमन करता है। यह हरियाणा किसानों व खिलाड़ियों का प्रदेश है। अमित शाह ने कहा कि हरियाणा प्रदेश के जवान 40 साल से वन रैंक वन पेंशन की मांग कर रहे थे, लेकिन कांग्रेस ने उनकी मांगों को कभी नहीं सुना, वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने वन रैंक वन पेंशन लागू की।

अमित शाह ने कहा कि जो आतंकवादी और पत्थर बाज जेल में हैं, लेकिन कांग्रेस उन्हें छोड़ देना

चाहती है। उन्होंने कहा कि जब तक भाजपा के एक भी व्यक्ति में जान है तब तक आतंकवाद को हरियाणा पंजाब और कश्मीर में पनपना नहीं देंगे। कांग्रेस पार्टी ट्रिपल तलाक हटाने, राम मंदिर बनाने और आतंकवाद के देश से समाप्त होने का वोट बैंक की लालच में विरोध करती है, लेकिन राहुल गांधी कितनी भी उछल कूद कर लें, देश का एजेंडा नहीं बदलेगा।

शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी खुद को दलित हितैषी बताती है और अमेरिका में जाकर राहुल गांधी अंग्रेजी में भाषण देते हैं कि देश विकसित हो गया है आरक्षण को खत्म कर देंगे, वहीं दूसरी ओर हमारे नायब सैनी क्रीमी लेयर को बढ़ाकर आरक्षण देने की बात कर रहे हैं, यही बीजेपी और कांग्रेस के बीच का फर्क है। राहुल गांधी यह बात सुन लें कि जब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी है और भारतीय जनता पार्टी का एक भी बच्चा जिंदा ,है तब तक दलित ओबीसी और एससी-एसटी के आरक्षण को हाथ नहीं लगाने देंगे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार, जातिवाद और परिवारवाद के अलावा कुछ भी नहीं कर सकती, ना तो वे कश्मीर की सुरक्षा कर सकते हैं, और ना ही देश की सुरक्षा कर सकते हैं। पहले अगर देश पर गोलीबारी हो जाए तो सरदार मनमोहन सिंह को ढूंढने में 15 दिन बीत जाते थे, लेकिन मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद अगर कभी गोलीबारी हो जाए तो 10 दिन के भीतर सर्जिकल स्ट्राइक या एयर स्ट्राइक करके आतंकवादियों के घर में घुसकर उन्हें मारा जाता है।

हरियाणा में एमएसपी पर 24 फसलों की खरीद...किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 2013-14 में जब कांग्रेस की सरकार थी, उस समय किसानों के लिए कांग्रेस का बजट 22,000 करोड़ रुपये था, जबकि नरेंद्र मोदी ने 2024-25 में 1,52,000 करोड़ रुपये का बजट किसानों के लिए दिया है। कांग्रेस पार्टी ने 70 साल में 7 लाख करोड़ का लोन दिया था, वहीं मोदी ने 10 साल में ही 20 लाख करोड़ का लोन दिया है, धान और गेहूं की खरीद में भी वृद्धि आई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तारीफ करते हुए अमित शाह ने कहा कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी और गुजरात से लेकर बंगाल तक एकमात्र हरियाणा ही ऐसा राज्य है जो 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने का काम करता है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा से सवाल करते हुए उन्होंने पूछा कि यदि कांग्रेस का एक भी मुख्यमंत्री 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदता हो तो वे बताएं।

किसान विरोधी कांग्रेस, हर बात में ढूंढती भ्रष्टाचार

शाह ने कहा कि किसान-किसान करने वाली कांग्रेस पार्टी किसान विरोधी है और हर बात में भी भ्रष्टाचार ढूंढते हैं। कांग्रेस के समय में जिस जिले और जिस जाति का मुख्यमंत्री हो उसी जिले और उसी जाति के लिए काम होता था, लेकिन भाजपा की सरकार ने पिछले 10 साल में हरियाणा के हर जिले और 36 बिरादरी के लिए काम करते हुए गरीब, युवा, किसान, और महिला चारों वर्गों का विकास किया है। गृह मंत्री ने कहा कि मोदी ने गरीबों को घर, शौचालय और गैस का कनेक्शन दिया, तो सैनी ने गैस सिलिंडर की कीमत 500 कर दी, इसके अलावा आयुष्मान कार्ड के अंतर्गत 10 लाख रुपए तक का इलाज कराने की भी योजना बनाई है। हमने एक ओबीसी और पिछड़े समाज का दमदार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के रूप में हरियाणा को दिया है।

खुले आम खर्ची-पर्ची की बोली लगा रहे हुड्डा के चहेते : नायब सैनी

कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस के प्रत्याशी उनकी मंशा चुनाव से पहले ही उजागर कर रहे हैं। कांग्रेस के समय में हरियाणा में क्षेत्रवाद, भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार, दहशत, युवाओं में अविश्वास, दलितों में दहशत और महिलाओं में भय का माहौल रहता था। पिछले 10 वर्षों में भाजपा ने दलाली और दबंगई दोनों को बंद करने का काम किया है।

हुड्डा और उनके चहेते विधायक 10 वर्षों से भूखे बैठे हैं, इसीलिए अब हरियाणा के युवाओं को लूटने की भूमिका फिर से बना रहे हैं। कांग्रेस के विधायक और उम्मीदवार पर्ची-खर्ची का ठेका उठाए हुए हैं, और खुलेआम बोली लगा रहे हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हरियाणा को जिस भ्रष्टाचार के दलदल में धकेल दिया था, उसी की दुकान अब फिर लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने जनता को विश्वास दिलाया कि वे बिना खर्ची और पर्ची की भर्तियों को लगातार जारी रखेंगे। इस मौके पर जगाधरी विस क्षेत्र से उम्मीदवार कंवरपाल गुर्जर, यमुनानगर विस क्षेत्र से उम्मीदवार घनश्याम दास अरोड़ा, रादौर से उम्मीदवार श्याम सिंह राणा, साढौरा से उम्मीदवार बलवंत सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा, जिला चुनाव प्रभारी व यूपी के पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा, भाजपा नेत्री बंतो कटारिया आदि मौजूद रहे।

BJP प्रदेशाध्यक्ष का कांग्रेस पर तंज:राहुल गांधी ने लगाई पर्ची-खर्ची पर मुहर

रोहतक रोहतक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली का कहना है कि विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी 62 सीट जीतकर बहुमत से सरकार बनाएगी। प्रदेश के अंदर जो माहौल बना हुआ है, उसके आधार पर यह आंकलन किया गया है। बड़ौली मंगलवार को पार्टी के प्रदेश मीडिया केंद्र में पत्रकारों बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का ढोल फट चुका है। राहुल गांधी जहां विदेशों में जाकर देश को अपमानित करने का मौका नहीं चूके, वहीं रैली की तैयारी कर पर्ची व खर्ची की मंशा पर मोहर लगा दी है। उन्होंने कहा कि जहां से कांग्रेस प्रत्याशी ने पहले अपना घर भरने की बात कही

थी, वहीं पर राहुल गांधी रैली करने जा रहे हैं। इससे साफ है कि उन्होंने भ्रष्टाचार व पर्ची व खर्ची की कांग्रेस नेताओं की मंशा पर मोहर लगा दी है। बड़ौली ने एक सवाल के जवाब में कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा पुत्र मोह में फंसे हुए हैं। इसलिए पहले अशोक तंवर और अब कुमारी सैलजा का अपमान किया।

गोहाना में होगी 22 विधानसभा हलकों की रैली...बड़ौली ने बताया कि 25 सितंबर बुधवार को गोहाना में रोहतक-पानीपत राजमार्ग के किनारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली होगी। रैली में रोहतक लोकसभा क्षेत्र की नौ, सोनीपत लोकसभा क्षेत्र की नौ व पानीपत जिले की चार विधानसभाओं से कार्यकर्ता व नेता गोहाना आएंगे। बड़ौली ने कहा कि रैली का समय सुबह 10 बजे रखा गया है।

जन आशीर्वाद रैली में CM नायब सैनी ने कांग्रेस पर साधा निशान

हिसार। हिसार के बरवाला विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जन आशीर्वाद रैली में कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि हुड्डा के शासनकाल में नौकरियों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ और नौकरियां बेची जाती थीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय अगर किसी तरह की गलती होती है और वे सत्ता में लौटते हैं, तो फिर से नौकरियों की बोलियां लगेंगी और गरीब युवाओं के लिए नौकरी हासिल करना मुश्किल हो जाएगा।

मुख्यमंत्री सैनी ने भाजपा के 10 साल के शासनकाल की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि हमने बिना पर्ची और बिना खर्च के युवाओं को नौकरियां दी हैं, और भाजपा सरकार हरियाणा में तीसरी बार सत्ता में आ रही है। चाहे राहुल गांधी आ जाएं या सोनिया गांधी, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

सैनी ने कांग्रेस पर दलित नेताओं के साथ अत्याचार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने

पहले अशोक तंवर पर अत्याचार किए और अब कुमारी शैलजा को भी दबाया जा रहा है। कांग्रेस ने हमेशा अनुसूचित वर्ग के नेताओं को कुचलने का काम किया है। यहां तक कि उन्होंने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को भी कभी सम्मान नहीं दिया। मुख्यमंत्री ने अपने 56 दिनों के कार्यकाल की तुलना भूपेंद्र हुड्डा के 10 साल के शासनकाल से करने की बात कही। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने हरियाणा में दलितों के अधिकारों की रक्षा की है, जबकि कांग्रेस ने हमेशा उनके हकों को छीना है।

दीपेंद्र हुड्डा बोले- भाजपा ने बेरोजगारी झेल रहे हरियाणा के नौजवानों को कच्ची भर्ती में उलझाया

रेवाड़ी दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार ने लोगों को प्रापर्टी आईडी, पोर्टल में उलझा दिया, तो बेरोजगारी झेल रहे हरियाणा के नौजवान को सीईटी, कच्ची भर्ती में उलझा दिया। 2 लाख सरकारी पद समाप्त कर दिए। कौशल रोजगार निगम, अग्निपथ योजना लाकर बिना रिजर्वेशन, बिना मेरिट, बिना पेंशन वाली कच्ची नौकरियों के जंजाल में फंसा दिया। न निजी क्षेत्र में कोई निवेश आया न सरकारी रोजगार मिला। इसका नतीजा ये हुआ कि प्रदेश का नौजवान डंकी के रास्ते पलायन को मजबूर हो गया।

भर्ती के नाम पर युवाओं का शोषण किया और तारीख पर तारीख दी। उन्होंने एलान किया कि कांग्रेस सरकार आते ही खाली पड़े 2 लाख सरकारी पदों को जॉब कलेंडर के हिसाब से मेरिट पर भरेंगे और

युवाओं की ज्वाइनिंग पर ज्वाइनिंग कराएंगे।

पूरा देश हरियाणा की तरफ देख रहा...दीपेंद्र हुड्डा ने आगे कहा कि सत्ता के लोभ में तानाशाही ताकतों के आगे बड़े-बड़े झुक गए या बिक गये लेकिन हम डटे रहे और इनसे संघर्ष करते रहे। अब फैसले की घड़ी आई है और पूरा देश हरियाणा की तरफ देख रहा है। बीजेपी ने वोटकाटू पार्टियों और निर्दलियों को चुनाव में उतार दिया है। इसलिए वोटकाटू या निर्दलियों को वोट न दें, इनका कोई भरोसा नहीं कि वे बीजेपी के पाले में नहीं जाएंगे। लोगों की मांग पर उन्होंने ऐलान किया कि भिवाड़ी से धारूहेड़ा में आने वाले गंदे पानी की समस्या का समाधान कराएंगे।

दिल्ली से बीजेपी के बड़े-बड़े नेता सिर्फ वोट लेने हरियाणा आ रहे...दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि दिल्ली से बीजेपी के बड़े-बड़े नेता सिर्फ वोट लेने हरियाणा आ रहे हैं, इनमें से कोई भी भाजपा सरकार के 10 साल के काम नहीं बता रहा है। हम आज भी अपने काम बताकर वोट मांग रहे हैं। कांग्रेस की हुड्डा सरकार ने थर्मल कारखाने लगवाए, रेल लाइन बिछवाई, पूरे प्रदेश के 4 शहरों को मेट्रो से जोड़ा। लेकिन बीजेपी ने 10 साल तक मेट्रो का एक खंबा भी नहीं बनवाया। दीपेन्द्र हुड्डा ने आगे कहा कि भाजपा सरकार ने 10 साल में हरियाणा का काफी नुकसान कर दिया है। विकास और खुशहाली की पटरी से उतारकर बेरोजगारी, अपराध, नशाखोरी, भ्रष्टाचार में नंबर 1 प्रदेश बना दिया है।

बिना नोटिस गर्ल्स हॉस्टल में गए वीसी का विरोध, धरने के बाद नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी अगले आदेशों तक बंद

पटियाला। पटियाला के गांव सिद्धुवाल स्थित राजीव गांधी नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी को प्रशासन ने अगले आदेशों तक बंद कर दिया है। यूनिवर्सिटी के अधिकारियों के मुताबिक विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एहतियात के तौर पर यह कदम उठाया गया है। जारी आदेश में सभी स्टूडेंट्स को अपने-अपने घरों को जाने के लिए कह दिया गया है।

दरअसल कॉलेज में छात्राएं प्रदर्शन कर रही हैं। आंदोलनकारी छात्राओं का आरोप है कि बिना नोटिस के वीसी जय शंकर सिंह के हास्टल में आकर छात्राओं के कमरे चेक किए हैं और उनके कपड़ों पर टिप्पणी की है। जिसे किसी भी हालत में सहन नहीं किया जा सकता है। यह छात्राओं

की निजता पर हमला है। आंदोलनकारी छात्राएं लगातार वीसी के इस्तीफे की मांग कर रही हैं। छात्राओं ने अल्टीमेटम दिया है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाएंगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। सोमवार को सारा दिन दिन वीसी की रिहायश के बाहर छात्राएं धरने पर बैठी रहीं और इस दौरान खूब नारेबाजी भी की गई। बाद दोपहर आंदोलनकारी छात्राओं व यूनिवर्सिटी प्रशासन के बीच मांगों को लेकर बैठक भी हुई, लेकिन यह बेनतीजा रही।

यह है मामला...आंदोलनकारी छात्राओं के मुताबिक रविवार बाद दोपहर बिना नोटिस के वीसी हास्टल में आए और फिर बारी-बारी से लड़कियों के कमरों की चेकिंग करने लगे। इस दौरान वीसी ने लड़कियों के कपड़ों को लेकर एतराज जताते कहा कि छोटे कपड़े क्यों पहने हैं। इससे भड़की छात्राओं ने रात को वीसी की रिहायश के बाहर धरना लगा दिया था।

छात्राओं का आरोप-वीसी मुद्दे पर नहीं आ रहे...सोमवार सुबह वीसी आंदोलनकारी छात्राओं से बात करने के लिए पहुंचे, लेकिन इस दौरान छात्राओं की मांगों को लेकर कोई बातचीत नहीं की। छात्राओं का कहना है कि वीसी मुद्दे पर नहीं आ रहे हैं। यह कहना कि छात्राएं उनके लिए उनकी पोती के समान है, कहने से कुछ नहीं होगा। लड़कियों के हास्टल में उनके अभिभावक तक नहीं आ सकते हैं, तो ऐसे में वीसी बिना नोटिस के कैसे आ गए। वीसी का कहना है कि हास्टल में क्षमता से अधिक लड़कियों के रखे जाने संबंधी शिकायतें मिल रही थी, जिसकी जांच के लिए वह गए थे। लेकिन उन पर जो आरोप लगाए जा रहे हैं, वह सरासर गलत हैं।

हरियाणा में खूब पकड़ा जा रहा कैश: फतेहाबाद में कार सवार से मिले 3.90 लाख रुपये

फतेहाबाद। हरियाणा आम चुनाव को लेकर कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच लाखों रुपये की नगदी पकड़े जाने के मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामला फतेहाबाद का है। शहर के भट्ठू रोड पर मंगलवार दोपहर को पुलिस और चुनाव निगरानी अधिकारियों की टीम नाकाबंदी के दौरान एक कार सवार से 3.90 लाख रुपये की नगदी बरामद की है। कार चालक राशि के बारे में कोई पुख्ता सबूत और जानकारी नहीं दे पाया, जिसपर अधिकारियों ने राशि को जब्त कर सील कर दिया है। विधानसभा चुनाव को लेकर अधिकारियों की टीम भट्ठू रोड पर जनस्वास्थ्य विभाग कार्यालय के सामने नाकाबंदी कर आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस

दौरान टीम ने एक कार को शक के आधार पर रोका। कार को भिवानी निवासी हरिकृष्ण चला रहा था।

गाड़ी की जांच के दौरान 3 लाख 90 हजार रुपये कैश बरामद हुआ। टीम मे पुलिस अधिकारियों के अलावा बिजली निगम एसडीओ नगेंद्र और नगर परिषद जेई राजेश भांभू मौजूद थे। टीम को कार सवार व्यक्तियों ने बताया कि प्लॉट का सौदा हुआ है और उसकी एवज में बयाना राशि आई है। एसडीओ नगेंद्र ने बताया कि चुनाव आचार सहिंता लगी हुई है। इसके चलते कोई भी व्यक्ति 50 हजार से ज्यादा की नकद राशि साथ नहीं रख सकता है। ऐसे मे बरामद राशि को सील करके ट्रैजरी मे जमा करवाया जाएगा। यहां से मालिक दस्तावेज दिखाकर राशि वापस ली सकेगा।

पंजाब में बच्चा किडनैप: 65 साल की बुजुर्ग ने 38 साल के आशिक से तोड़ा रिश्ता

मोगा पंजाब के मोगा में बड़ा ही अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। यहां 65 साल की बुजुर्ग महिला के आशिक ने उसके पोते को ही किडनैप कर लिया। मोगा के एक गांव के स्कूल से 6वीं कक्षा के छात्र को उसकी दादी के प्रेमी ने अगवा कर लिया। बच्चे के अगवा होने की जानकारी जब घरवालों और स्कूल प्रबंधन को लगी तो उनके हाथ-पांव फूल गए। आनन-फानन में पुलिस को बच्चे के अगवा होने की सूचना दी गई। इसके बाद पुलिस ने बच्चे को दो घंटे के भीतर सुरक्षित ढूंढ निकाला। वहीं आरोपी सुखदेव सिंह (38) को गिरफ्तार किया है।

दादी का आशिक आरोपी सुखदेव सिंह सोमवार को बच्चे के स्कूल पहुंचा था। आरोपी ने बच्चे

को कुछ खाने का समान दिलाने के बहाने स्कूल से ही अगवा किया था। आरोपी स्कूल स्टाफ को यह कहकर बच्चे को साथ ले गया कि वह बच्चे का जानकार है और उसे कुछ खाने-पीने का सामान दिला कर वह उसे घर भी ले जाएगा।

आरोपी के बच्चे को स्कूल से ले जाने के बाद स्कूल प्रिंसिपल ने बच्चे के घर पर फोन किया। घरवालों ने कहा कि हमने किसी को भी बच्चे को लेने नहीं भेजा। इसका बाद स्कूल और परिवार ने पुलिस को मामले की सूचना दी।

दरअसल बच्चे की दादी 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला के साथ मोगा के गांव बुटर सुखदेव सिंह के साथ नाजायज संबंध थे।

सोनीपत में हुड्डा का दावा, बोले- विधायक बनाकर भेजो, सरकार मैं बनाउंगा

सोनीपत। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नेता प्रचार के दौरान अपने दावे लोगों के सामने पेश कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि इस बार प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी और जो भी वादे और दावे लोगों से किए जा रहे हैं उन्हें पूरा किया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सोनीपत के गन्नौर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग कांग्रेस के विधायक बनाकर भेजो, आप लोगों की सरकार मैं बना दूंगा। उन्होंने कहा कि मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच है। ऐसे में वोट काटने वाले प्रत्याशी से बचना होगा। भाजपा ने खेल में नहीं फंसना है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा मंगलवार को सोनीपत के गन्नौर

हलके के गांवों में कांग्रेस प्रत्याशी कुलदीप शर्मा के पक्ष में प्रचार कर रहे थे। उन्होंने गन्नौर हलके के गांव जाहरी, पांची, पुरखास, कैलाना, बजाना, पुगथला, खूबड़ू व गुमड़ में लोगों को संबोधित किया। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि अब जनता कांग्रेस की सरकार बनाने का मन बना चुकी है। 36 बिरादरी के लोग चाहते हैं कि इस बार कांग्रेस सरकार लानी है। हुड्डा ने कहा कि मेरे कार्यकाल में जब प्रदेश विकास और रोजगार देने में नंबर एक होता था। आज प्रदेश लगातार पिछड़ रहा है।

एसीपी के नेतृत्व में बेरी में पैरामिलिट्री व पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

झज्जर। झज्जर पुलिस कमिश्नर बी सतीश बालन के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में झज्जर पुलिस द्वारा विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष तरीके से संपन्न करवाने के लिए पैरामिलिट्री फोर्स व स्थानीय पुलिस द्वारा लगातार शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला जा रहा है। इसके साथ ही संदिग्ध किस्म के व्यक्तियो व अपराधियों पर भी कड़ी कार्रवाई की जा रही है। झज्जर पुलिस द्वारा योजना बनाकर ऑपरेशन आक्रमण के तहत सर्च अभियान चलाया जा रहा है, वहीं नाको पर तैनात जवानों द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की गहनता से

जांच की जा रही है। इसमें झज्जर पुलिस को काफी सफलता भी मिली है। इसी क्रम में मंगलवार को एसीपी बेरी अनिल कुमार के नेतृत्व में बेरी क्षेत्र में पैरामिलिट्री फोर्स व स्थानीय पुलिस के जवानों द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया यह फ्लैग मार्च पुराना बस स्टैंड बेरी से होते हुए शिव चौक, मैन बाजार, माता मंदिर, भागलपुरी चौक, भागलपुरी, वजीरपुर, बाघपुर, दुजाना मोड़, दुबलधन व माजरा होते हुए वापिस थाना बेरी में समाप्त हुआ।

इस दौरान एसीपी अनिल कुमार ने आने-जाने वाले वाहनों की भी जांच करवाई और उन्होंने कहा कि अगर विधानसभा चुनाव के दौरान किसी ने माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल मे लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जिला भर में जगह-जगह पर 52 नाके लगाकर संदिग्ध वाहनों के साथ-साथ उनके कागजों की भी जांच की जा रही है ताकि कोई असामाजिक तत्व चुनाव के दौरान माहौल को खराब ना कर सके, संदिग्ध वाहनों को साइड में खड़ा करवा कर उनकी अंदर से पूरी जांच की जा रही है ताकि किसी प्रकार का हथियार या मादक पदार्थ हो तो उसे पकड़ा जा सके।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट का फैसला: पीड़ित के गुमनाम रहने का अधिकार सूचना के अधिकार से बड़ा

चंडीगढ़ पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए यह स्पष्ट कर दिया है कि पीड़ित के गुमनाम रहने के अधिकार को सूचना के अधिकार की बलि नहीं चढ़ने दिया जा सकता।

हाईकोर्ट ने महिलाओं के विरुद्ध अपराध, किशोर न्याय अधिनियम, वैवाहिक विवादों से संबंधित संवेदनशील मामलों के आदेशों या केस विवरणों को हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड करने पर प्रतिबंध लगाने के कार्यकारी समिति के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया।

पेशे से चंडीगढ़ हाईकोर्ट के वकील रोहित मेहता ने जनहित याचिका दाखिल करते हुए कहा था

कि उच्च न्यायालय द्वारा पारित कार्यकारी आदेश गैग ऑर्डर की तरह हैं, जो पूर्ण गोपनीयता के सिद्धांत को लागू करते हैं। याचिका में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 73 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 366 (3) को भी चुनौती दी गई थी, जो न्यायालय की अनुमति के बिना ट्रायल कोर्ट में लंबित यौन अपराधों से संबंधित मामलों की संबंधित कार्यवाही के प्रकाशन पर रोक लगाती है। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा मांगे गए सूचना के अधिकार पर विभिन्न प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। पीड़ित के बारे में पहचान और जानकारी का खुलासा करना नैतिकता और शालीनता के खिलाफ है, क्योंकि ऐसा कोई भी खुलासा पीड़ित को सम्मानपूर्वक जीवन जीने से रोकता है। पीड़ित को शरीर, मन या प्रतिष्ठा को किसी भी तरह के नुकसान से बचाने के लिए पीड़ित की पहचान उजागर करने पर प्रतिबंध लगाकर सुरक्षा और प्रतिरक्षा उपलब्ध कराई जा सकती है। खंडपीठ ने कहा कि पीड़ित के गुमनाम रहने का अधिकार सीधे तौर पर व्यक्तित्व और गरिमा से संबंधित है। यदि पीड़ित की पहचान का खुलासा हो जाता है, खासकर महिलाओं/किशोरों के खिलाफ अपराधों के मामले में तो यह उनके व्यक्तित्व और गरिमा चोट लगेगी। हाईकोर्ट ने कहा कि सूचना का अधिकार जीवन के अधिकार के अधीन है। पीठ ने कहा कि सूचना का अधिकार भारत की संप्रभुता और अखंडता, राज्य की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता या अदालत की अवमानना, मानहानि या किसी अपराध के लिए उकसाने से संबंधित कानून द्वारा लगाए गए उचित प्रतिबंधों के अधीन है। इस प्रकार सूचना के अधिकार पर प्रतिबंध अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार की तुलना में कहीं अधिक स्पष्ट है।

बढ़ती उम्र में इन्हें छोड़ दीजिए! अशोक चौधरी की कविता से जदयू में खलबली

नीतीश आवास पहुंचकर दी सफाई

संवाददाता।

पटना। इन दिनों जदयू के मंत्री अशोक चौधरी के मिजाज कुछ बदले-बदले से हैं। उनकी हरकत ही कुछ ऐसी है। ताजा मामला एक कविता पाठ का है, जिसे उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया है। अशोक चौधरी ने किसी का नाम तो नहीं लिखा है, मगर सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा चल उठी कि उन्होंने नीतीश कुमार के लिए ही लिखा है। 'छोड़ देने' की नसीहत देते नजर आए। इससे पहले पोस्टर के जरिए पार्टी के भीतर गुटबाजी हुई थी। जिसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबियों में से एक विजेंद्र यादव ने सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई थी। ये फटकार तब लगाए गए, जब पार्टी की एक बड़ी बैठक पटना में हो रही थी। इसी दौरान इंजीनियर डे के मौके पर गलत तरीके से अखबार में फ्रंट पेज विज्ञापन दिया गया था, जिस पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सवाल उठाया था।

'छोड़ देने' की नसीहत देते हुए 9 लाइनों की कविता लिखने की वजह से पार्टी के प्रकोप का सामना अशोक चौधरी कर रहे हैं। कविता लिखने के

बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उन्हें सीएम आवास में तलब किया। बताया जा रहा है कि वहां, उन्हें फटकार पड़ी है। सीएम आवास से निकलते वक्त उन्होंने पत्रकारों से कोई बात नहीं की। हालांकि, सोशल मीडिया पर उन्होंने जरूर एक पोस्ट की। फोटो में दिख रहा है कि नीतीश कुमार उनके कंधों पर हाथ रखे हुए हैं। अशोक चौधरी ने लिखा, 'कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना', तो सुनी सुनाई बातों पर ध्यान देना 'छोड़ दीजिए'!'

बिहार में जदयू कोटे से मंत्री अशोक चौधरी इस पूरे मामले पर सफाई देने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, 'नीतीश कुमार उनके अभिभावक तुल्य जैसे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कोई सवाल नहीं उठाया है। सवाल उठाने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता है। लेकिन जो कविता उन्होंने लिखी है, वो बच्चे अपने अभिभावकों की बात नहीं सुनते इसे ध्यान में रखकर लिखा गया है।' मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी माने जाने वाले मंत्री अशोक चौधरी की राजनीति इन दोनों काफी चर्चा में है। पिछले दिनों इन्होंने जहानाबाद में भूमिहार समाज को लेकर दिए गए अपने बयान की वजह से काफी सुर्खियां बटोरी। उनके इस बयान की वजह से जनता दल यूनाइटेड को काफी फजीहत झेलनी पड़ी। अशोक चौधरी कविता के जरिए 'किसी' को टारगेट करने की वजह से चर्चा में है। यह कविता उन्होंने अपने फेसबुक और सोशल मीडिया अकाउंट दोनों पर डाला। मंत्री अशोक चौधरी ने जो लाइनें लिखी हैं। उससे यही अंदाजा लगाया जा रहा है कि उन्होंने बिना नाम लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को नसीहत दी है। कहीं ना कहीं अशोक चौधरी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अब 'सब कुछ छोड़ने' की नसीहत देते हुए नजर आ रहे हैं। इस कविता में उन्होंने उम्र, शारीरिक क्षमता और उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा की ओर इशारा किया है। अशोक चौधरी ने इशारों में ही ये बताने की कोशिश की कि अब बिहार की राजनीति को 'उन्हें' छोड़ देना चाहिए और जो फैसले बच्चे ले रहे हैं, उन फैसलों को उन्हीं पर छोड़ देना चाहिए।

अशोक चौधरी के ट्वीट को लेकर जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता और एमएलसी नीरज कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कोई सवाल नहीं उठा सकता है। नीतीश कुमार ने अशोक चौधरी के निशाना साधने पर कहा कि उन पर कोई निशान नहीं साध सकता है। नीरज कुमार ने कहा की नीतीश कुमार बिहार की जनता के दिलों में बसते हैं। वो बिहार के सर्वमान्य नेता हैं। 19 साल से राज्य के मुख्यमंत्री हैं। उन्हें ग्लोबल थिंकर और क्लाइमेट चेंजर बताया गया है। नीतीश कुमार की साख पर कोई कैसे सवाल खड़ा कर सकता है। जेडीयू एमएलसी ने कहा कि जिसे भी सवाल उठना है। वह सामने से आकर सवाल, उठाए उसे जवाब मिलेगा। लेकिन नीतीश कुमार पर अगर कोई छद्म भाषा का इस्तेमाल करेगा तो सीधा जवाब भी सुनने को तैयार रहे।

एलजेपी के 3 सांसद, जिसमें दो के नाम वीणा देवी, रोड एक्सीडेंड में तीनों ने खोया बेटा

कुदरत का यह कैसा 'क्रूर संयोग'

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। अविश्वसनीय कह लें या अकल्पनीय, मगर एक बड़ा ही दुखदाई पर इत्तेफाक लोक जनशक्ति पार्टी के कई बाहुबली नेताओं के साथ ऐसा हुआ कि असमय ही उन्हें अपने बेटे की मौत का आघात झेलने पड़े। कहते हैं जीवन का सबसे बड़ा दुख अपने बेटे के जनाजे में बाप का कंधा देना होता है। दुखद संयोग देखिए कि इस अपार दुख से लोजपा के तीन सांसदों को गुजरना पड़ा। यह दीगर कि विधि का विधान कौन टाल सकता है? जितनी चाबी भरी राम ने उतना चले खिलौना! ऐसे कई संवाद सांत्वना देने के लिए होते हैं पर, जिसका जवान बेटा अचानक से अलविदा कह दे? तब सांत्वना के शब्द भी दुखों के पहाड़ से टकराकर निरर्थक हो जाते हैं।

आई ऐसी मनहूस खबर!लगा कि जैसे पृथ्वी घूम गई। वैशाली से लोजपा (आर) की सांसद वीणा देवी के बेटे की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। यह दुर्घटना मुजफ्फरपुर के जैतपुर थाना क्षेत्र के पोखरैरा चौक के पास सोमवार की देर शाम घटी। इस सड़क दुर्घटना में एमएलसी दिनेश प्रसाद सिंह और सांसद वीणा देवी के बेटे राहुल राज उर्फ छोटू सिंह की जान चली गई। हादसे की सूचना के बाद तो हाहाकार मच गया। तमाम दलों के नेताओं का रुख संसद वीणा देवी का आवास हो गया।

ऐसी ही दुखद घटना मुंगेर के तत्कालीन संसद वीणा देवी और पूर्व सांसद सूरजभान सिंह के साथ घटी। अब इसे दुखद संयोग कह लें कि दोनों ही संसद लोजपा के थे और दोनों का ही नाम भी वीणा देवी ही। सांसद वीना देवी पूर्व सांसद बाहुबली सूरजभान सिंह के बेटे की मौत 27 अक्टूबर 2018 को रोड एक्सीडेंट में हुई थी। सूरजभान सिंह के बड़े बेटे आशुतोष कुमार नोएडा में रहकर एमबीए की डिग्री हासिल कर रहे थे। 27 अक्टूबर की रात आशुतोष अपनी क्रेटा गाड़ी से कहीं जा रहे थे। इस दौरान अनियंत्रित होकर उनकी गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में उनकी मौत हो गई थी। लोजपा के सांसद रहे रामा सिंह पर पुत्र शोक का पहाड़ टूटा। दिन था 28 मई 2017। जगह यूपी का इलाहाबाद। उस दिन लोजपा के तत्कालीन सांसद और बाहुबली नेता राम किशोर उर्फ रामा सिंह के इकलौते बेटे राजीव कुमार सिंह उर्फ राहुल की मौत रोड एक्सीडेंट में हो गई।

राहुल की उम्र उस समय 32 साल की थी। वह खुद अपनी होंडा सिटी कार ड्राइव कर दिल्ली जा रहे थे। बाहुबली नेता हुलास पांडे को भी दुनिया के सबसे बड़े यानी पुत्र शोक से गुजरना पड़ा। पर इनके पुत्र की मौत रोड ऐक्सिडेंट में नहीं, हुई। अस्पताल की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार हुलास पांडेय के बेटे की बाथरूम में गिरकर मौत हुई। सिर में चोट लगी थी। हालांकि शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया था। हुलास ने हादसे में महज 14 साल के बेटे को खो दिया था। इन तमाम दुखद घटनाओं में एक बात कॉमन है। इन सभी नेताओं को लाखों लोग चाहते हैं। इनके समर्थक एक इशारे पर कुछ भी कर गुजरने को आतुर रहते हैं। वीणा देवी, राम सिंह हो या हुलास पांडेय ये ऐसे नेता हैं जिन्होंने कई साल तक लोगों की सेवा की, जिसके बाद वह राजनीति में इस मुकाम तक पहुंचे, लेकिन जब इनके बेटों पर हादसों की आफत आई तो ये असहाय हो गए।

जो नेता अपने क्षेत्र के लोगों की मदद के लिए हमेशा लगे रहते हैं, वह अपने बेटे के साथ हुए हादसे पर लाचार रहे। यानी अब इनके सामने कुदरत को कोसने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। यह एक ऐसा दुख है जिसे उनके अलावा कोई दूसरा ना तो समझ सकता है और ना बांट सकता है।

मुजफ्फरपुर: बन्दरा के 20 चिकित्सा एवं जांच संस्थानों को नोटिश जारी

दीपक तिवारी।

मुजफ्फरपुर। जिले के बन्दरा में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर नौशाद अहमद ने प्रखंड क्षेत्र के गोविंदपुर छपरा, बरियारपुर, सिमरा, हरपुर, घोषरामा, पीयर, रामपुर दयाल, रतवारा,बन्दरा, हत्था समेत विभिन्न 20 निजी क्लिनिक, नर्सिंग होम हॉस्पिटल,पैथोलॉजिकल जांच घर एवं अल्ट्रासाउंड जांच घर के नाम नोटिस जारी किया है। असैनिक शैल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी मुजफ्फरपुर के निर्देश के आलोक में यह कार्रवाई की गई है।

पत्र में स्पष्ट निर्देशित किया गया है कि जो गैर निबंधित है, वैसे सभी संस्थान स्वतः अपने संस्थान को दो दिनों के अंदर बंद करना सुनिश्चित करें, अन्यथा उन

- **प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने जारी किया पत्र**
- **बिना निबंधन के चल रहे संस्थानों को दो दिनों स्वयं बन्द करने के निर्देश**
- **अन्यथा की स्थिति में शील करने की चेतावनी**

सभी संस्थाओं को शील करते हुए कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस आशय को लेकर पूर्व में भी सभी को सूचित किया जा चुका है। साथ ही जो निबंधित हैं और आवश्यक प्रावधानों का अनुपालन कर रहे हैं।

वह सभी संस्थान तत्काल प्रभाव से प्रावधानों का अक्षर शह अनुपालन करना सुनिश्चित करें अन्यथा उन सभी संस्थाओं को भी शील करते हुए कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए वे सभी स्वयं जिम्मेदार होंगे।

चंपारण : जितिया पर्व को लेकर तालाब में स्नान करने गई तीन किशोरियां डूबी, गांव में मातम

संवाददाता।

मोतिहारी। जिले के लखौरा थाना क्षेत्र में जितिया पर्व को लेकर तालाब में स्नान करने गई तीन किशोरियों की डूबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृत तीनों किशोरियां गांव की महिलाओं के साथ जीवित्पुत्रिका पर्व को लेकर तालाब में स्नान करने गई थीं। मृतकों में दो सगी बहने हैं। मृत दो बहनों में से एक की शादी इसी साल हुई थी। तीनों बच्चियों का शव बरामद कर लिया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची है। घटना लक्ष्मीपुर कटहरिया टोला के सरेह में स्थित तालाब में हुई है।

तालाब में डूबने से शिवपूजन राम की दो बेटियों के अलावा परमा बैठा की पुत्री की मौत हुई है। बताया जाता है कि लखौरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर साव टोला की महिलाएं और कई बच्चियां जीवित्पुत्रिका पर्व को लेकर स्नान करने के लिए निकली थी। जिनके साथ शिवपूजन राम की दो बेटियां रंजू कुमारी और मंजू कुमारी के अलावा परमा बैठा की बेटी रीमा कुमारी भी थी। गांव के छठ घाट में कम पानी होने के कारण सभी महिलाएं लक्ष्मीपुर कटहरिया के सरेह में स्थित तालाब में स्नान करने चली गईं।तालाब की गहराई का अंदाजा नहीं होने के कारण जब सभी महिलाओं के साथ बच्चियां और युवतियां तालाब में स्नान करने के लिए उतरी तो रंजू कुमारी, मंजू कुमारी और रीमा कुमारी डूबने लगी। इन तीनों को डूबते देख साथ में गई महिलाओं ने शोर मचाना शुरू किया। ग्रामीण दौड़कर आए और डूबी तीनों बच्चियों को तलाशना शुरू किया।

ग्रामीण जब तक तीनों डूबी बच्चियों को तालाब से बाहर निकालते, तब तक तीनों किशोरियों की मौत हो चुकी थी. बताया जाता है कि शिवपूजन राम की बेटी रंजू कुमारी की शादी इसी साल हुई थी, जबकि परमा बैठा की पुत्री रीमा कुमारी की शादी तय हो चुकी थी। ग्रामीणों से घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और जनप्रतिनिधि और तालाब में डूबे बच्चियों को स्थानीय ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला गया। घटनास्थल पर स्थानीय विधायक सह पूर्व मंत्री डा शमीम अहमद, स्थानीय मुखिया रमेश कुमार यादव के साथ पहुंच परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दिया। भगवान मृत आत्मा को शांति दे और परिजनों को दुख सहने की क्षमता।

नेपाल: विश्व पर्यटन दिवस पर विचार गोष्ठी आयोजित

संवाददाता।

जनकपुरधाम। विश्व पर्यटन दिवस के सप्ताह व्यापी कार्यक्रम के तहत सोमवार को जनकपुरधाम में 'तथ्य मा आधारित कानून निर्माण 'संबंधी विचार गोष्ठी शारदा पहाड़ी दास की अध्यक्षता में आयोजित की गयी।इस विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि जनकपुरधाम की पहचान विश्व में जगत जानकी माता सीता को लेकर हैं। जानकी मंदिर करोड़ों हिन्दूओं का आस्था का केंद्र है। इसलिए यहां पर्यटन के विकास पर ज्यादा जोड़ देने की आवश्यकता है। रामायण कालीन मणिमंडप, 52कुटी, 72कुंडा (सरोवर) जनकपुरधाम की पहचान थी लेकिन अधिकांश मठ मंदिर अतिक्रमण हो चुके हैं। कई सरोवर विलीन हो चुका है। जो चिंता का विषय है। जानकी मंदिर को विश्व संपदा सूची में शामिल करने, पर्यटक के अच्छा व्यवहार के लिए ई रिक्शा के चालक को प्रशिक्षण देने, स्थानीय गाईड को होटल व्यवसायी द्वारा संबंध स्थापित करने सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर वक्ताओं ने अपनी धारणा रखें।

इस विचार गोष्ठी में विधायक रामाशीष यादव, माननीय चंदन कुमार सिंह,तुला नारायण साह, बिक्रम साह, अंबु प्रसाद साह, वीरेंद्र साह,मनोहर साह, संतोष साह, ताहिर हुसैन, चित्रसेन साह, डॉ.लक्ष्मी गोईत, कृष्ण कुमार साह सहित कई लोगों विचार रखें।

थाने में थर्र-थर्र कांप रहे थे बिहार पुलिस के जवान गिरोह का सरगना अब भी शिकंजे से बाहर

संवाददाता ।

कैमूर। बताया जा रहा है कि थाने में थर्र-थर्र बिहार पुलिस के जवान कांप रहे थे। इनके गिरोह का सरगना अब शिकंजे से बाहर है। दरअसल, चैनपुर थाने में बंदरों ने आतंक मचा रखा था। पुलिस वाले परेशान थे। कब किस जवान को काट ले, इसे लेकर थाने में तैनात पुलिस वाले सहमे रहते थे। बंदरों का ग्रुप ने थाने में अपना कब्जा जमा लिया था। दिन में तो फिर भी ठीक रहता था, मगर रात होते ही ये कमरे में कैद होने को मजबूर हो जाते थे। आखिरकार, पुलिस को वन विभाग की मदद लेनी पड़ी। वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू करके तीन बंदरों को पकड़ लिया। लेकिन बंदरों का सरदार अभी भी आजाद घूम रहा है।

वन विभाग का कहना है कि जल्द ही उसे भी पकड़ लिया जाएगा। सभी बंदरों को कैमूर पहाड़ी के जंगलों में छोड़ दिया जाएगा। वन विभाग के फॉरेस्टर अविनाश कुमार ने बताया, 'कई दिनों से चैनपुर थाना परिसर में बंदरों का आतंक था। सभी को परेशानी हो रही थी। बंदरों को पकड़ने के लिए रेस्क्यू टीम पिंजरा लेकर आई और तीन बंदरों को पकड़ा गया। अभी बंदरों के सरदार को नहीं पकड़ा पाया है। इसको लेकर वन विभाग लगातार रेस्क्यू कर रही है। सभी बंदरों को पकड़ लिया जाएगा। सभी को कैमूर पहाड़ी के डुमरकोन के जंगलों में छोड़ा जाएगा।' चैनपुर थाने में लगभग 15 बंदरों का दल आ गया था। थाने में घुसते ही बंदर उछल-कूद करने लगे। पुलिस वालों की एक भी नहीं सुन रहे थे। परेशान होकर पुलिस वालों ने वन विभाग को सूचना दी। पुलिस ने कहा कि सभी बंदरों को पकड़ कर ले जाया जाए।

थाने में रहना मुश्किल कर रखा है। वन विभाग की टीम बंदरों के आतंक चैनपुर थाने के पुलिस वालों को निजात दिलाने की कोशिशों में जुटी है।

मधुबनी: बंदूक के साथ बना रहा था रील,चल गई गोली

संवाददाता।

मुजफ्फरपुर। बिहार के मधुबनी में एक युवक को हथियार के साथ रील बनाना महंगा पड़ गया। वीडियो बनाने के दौरान बंदूक से गोली चल गई, जो 14 साल के बच्चे को लगी। गोली लगने से बच्चे की मौत हो गई। रील बनाने वाला आरोपी घटना के बाद मौके से फरार हो गया। वहीं, पुलिस जांच में जुटी हुई है। हादसे में जिस बच्चे की मौत हुई है। उसका नाम इंदल गुप्ता बताया जा रहा है। मृतक लड़का सहदेव गुप्ता का बेटा है। घटना के बाद से उसके परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

घटना हरलाखी थाना क्षेत्र के उमगांव की है। मृतक की मां ने बताया कि लड़का खाना खाकर घर से इंद्र पूजा देखने निकला था। उसी के बाद उसे पड़ोस के ही एक व्यक्ति के छत पर किसी ने गोली मार दी। गोली लगने से उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी फरार हो गए। सूचना पाकर पहुंचे परिजन लड़के को उमगांव पीएचसी ले गए, जहां से उन्हें मधुबनी रेफर कर दिया। लेकिन मधुबनी पहुंचने से पहले ही युवक की मौत हो चुकी थी। घटना के बाद से युवक की मां, पिता और पांच बहनों का रो-रो कर हाल बुरा है। ग्रामीणों की माने तो आरोपी अपने ही घर पर दो दोस्तों के साथ सोशल मीडिया के लिए हथियार के साथ रील (वीडियो) बना रहा था। वीडियो बनाने के दौरान गलती से गोली चल गई और ये हादसा हो गया।

गया : माफियाओं ने नदी को बना दिया गोदाम बोरा भर-भरकर निकलीं शराब की बोतलें

संवाददाता।

गया। गया जिले के बोधगया प्रखंड के कोशिला गांव के निरंजना नदी में (24 सितंबर) को पुलिस अचानक दौड़ने लगी, जिन्हें देखकर ग्रामीण हैरान हो गए कि आखिर नदी में पुलिस क्या ढूढने गई है। कुछ देर बाद लोगों ने देखा की पानी से शराब की बोतलें निकल रही हैं। तब सारा माजरा लोगों की समझ में आ गया। दरअसल शराब माफियाओं ने नदी को ही शराब का गोदाम बना दिया था, जिसे देख पुलिस ने भी अपने सिर पकड़ लिए।

मगध विश्वविद्यालय थाना पुलिस ने नदी में शराब माफियाओं के जरिए छिपाकर रखे गए अवैध विदेशी शराब को बरामद किया है। शराब माफियाओं की यह करतूत देख ग्रामीण के साथझसाथ पुलिस भी हैरान हो गई। नदी में पुलिस को जाते और नदी में ढूंढते देख ग्रामीणों की वहां भीड़ लग गई। लोग यह नहीं समझ पा रहे थे कि आखिर पुलिस नदी में क्या तलाश रही है।

थोड़ी देर बाद जब पुलिसकर्मियों के हाथो में विदेशी शराब से भरे बोरे देखा तो ग्रामीण हैरान हो गए। विदेशी शराब से भरे बोरों को खोला गया तो उसमें विभिन्न कंपनियों की शराब की कई बोतलें मिलीं। मगध विश्वविद्यालय थानाध्यक्ष रणविजय सिंह ने बताया कि निरंजना नदी में शराब छुपाने की गुप्त सूचना के आधार पर नदी में छापेमारी की गई थी। छापेमारी के दौरान नदी के बीचों बीच गड्ढे में शराब माफियाओं ने शराब छुपाकर रखी थी, जिसे पुलिस ने बरामद किया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि नदी के किनारे गड्ढा खोदा गया तो देखा की शराब ही शराब रखी है। जब्त शराब को थाना लाई गई, जहां विदेशी और देशी शराब की गिनती की जा रही है। उन्होंने शराब माफियाओं को सख्त चेतावनी दी है कि अवैध शराब का निर्माण, बिक्री और भंडारण करना छोड़ दें। शराब बरामदगी मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। शराब माफियाओं की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पटना वासियों के लिए खुशखबरी,आ रही है सफर को आसान और सस्ता बनाने वाली सौगात!

संवाददाता।

पटना। पटना शहर को जल्द ही 150 नई इलेक्ट्रिक बसों की सौगात मिलने वाली है। नवंबर 2024 से शुरू होने वाली यह सेवा प्रधानमंत्री ई-बस योजना के तहत शुरू की जा रही है, जिससे शहर की परिवहन व्यवस्था में बड़ा बदलाव आएगा और पर्यावरण को भी लाभ होगा।

यह योजना पटना के लिए एक बड़ी सौगात है क्योंकि इसके तहत बिहार को कुल 400 इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी। इन बसों से हर दिन 30,000 से ज्यादा यात्रियों को सुविधा होगी और साथ ही 2,000 से ज्यादा लोगों को रोजगार भी मिलेगा। परिवहन विभाग के मुताबिक, योजना का टेंडर फाइनल हो चुका है और बसों का उत्पादन भी शुरू हो गया है।

अक्टूबर तक इन बसों के रूट तय कर लिए जाएंगे। बेली रोड, बाइपास, अटल पथ, पटना सिटी, बिहटा, मनेर जैसे व्यस्त मार्गों पर इन बसों को चलाने पर विचार चल रहा है। फिलहाल शहर में 14 रूट पर सरकारी सिटी बसें चल रही हैं, और अटल पथ को जोड़ने के बाद यह संख्या बढ़कर 15 हो जाएगी। नए रूट शहर के अलग-अलग हिस्सों को जोड़ेंगे, जिससे लोगों को आने-जाने में आसानी होगी और लंबी दूरी के यात्रियों को भी राहत मिलेगी। रूट इस तरह से बनाए जा रहे हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग इनका फायदा उठा सकें और शहर की ट्रैफिक समस्या भी कम हो सके। परिवहन विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि पीएम ई-बस योजना के तहत जिन मार्गों पर बसें चलाई जाएंगी, उनका चयन जल्द ही किया जाएगा। बसों को चार्ज करने के लिए भी कई चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे ताकि बस सेवा में कोई रुकावट न आए। ये इलेक्ट्रिक बसें पूरी तरह से वातानुकूलित (एसी) होंगी, जिससे यात्रियों को गर्मी से राहत मिलेगी।

सुरक्षा के लिए इन बसों में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे, जिससे महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। यह कदम पर्यावरण की दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण है। इलेक्ट्रिक बसें शून्य उत्सर्जन वाली होती हैं, यानी इनसे प्रदूषण नहीं होता। इससे पटना के प्रदूषण स्तर में कमी आएगी और लोग स्वच्छ हवा में सफर कर सकेंगे। साथ ही, इन बसों का किराया भी सामान्य बसों से कम होगा, जिससे आम लोगों को सीधा फायदा मिलेगा। लंबी दूरी के यात्रियों के लिए यह सेवा खास तौर पर किफायती होगी। इलेक्ट्रिक बसों के आने से शहर के परिवहन ढाँचे में सुधार होगा और यह पर्यावरण के अनुकूल भी होगा। सड़कों पर गाड़ियों की संख्या और प्रदूषण कम होगा, जिससे पटना की हवा साफ होगी। नवंबर 2024 में जब ये बसें सड़कों पर दौड़ेंगी, तो यह पटनावासियों के लिए एक बड़ी राहत और सुविधा का सबब बनेंगी।

रानीगंज की जर्जर सड़कों की मरम्मत की मांग पर 26 सितंबर को होगा शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन

रानीगंज- रानीगंज सिटिजन फोरम की एक बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी 26 सितंबर, गुरुवार को रानीगंज की सभी खस्ताहाल सड़कों की मरम्मत की मांग को लेकर एक शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया जाएगा। यह प्रदर्शन रानीगंज बोरो ऑफिस के सामने सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा।

बैठक में सिटिजन फोरम के कार्यकारी अध्यक्ष गौतम घटक, सचिव प्रदीप नंदी, दिनेश गुप्ता, आर पी खैतान, मलय राय समेत कई सदस्य उपस्थित थे। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष गौतम घटक ने कहा कि यह बहुत ही दुःख की बात है कि रानीगंज के नागरिकों को सड़कों की मरम्मत जैसी बुनियादी मांग को लेकर धरना देना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि रानीगंज के इतिहास में ऐसी मांगों के लिए धरना

प्रदर्शन की नौबत पहले कभी नहीं आई थी। सचिव प्रदीप नंदी ने बताया कि रानीगंज की सड़कों की स्थिति इतनी खराब है कि लोग पैदल चलने में भी डर महसूस कर रहे हैं। कहीं भी किसी भी समय सड़क के गड्ढे में गिरकर कोई बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि नगर निगम को इस समस्या की कोई चिंता नहीं है, जबकि रानीगंज के लोग नियमित रूप से हाउस टैक्स और रोड टैक्स जमा कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब लोग टैक्स भर रहे हैं तो सड़कों की मरम्मत के लिए कोई वार्षिक योजना या बजट क्यों नहीं बनाया जाता?

बैठक में बताया गया कि 14 अगस्त को फोरम के एक प्रतिनिधिमंडल ने निगम के मेयर से मुलाकात की थी, लेकिन उन्होंने निगम की खराब आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए मरम्मत का समय तय करने में असमर्थता जताई। इसके बाद रानीगंज के सभी सेवा मूलक संगठनों ने चैंबर ऑफ कॉमर्स के सभागार में एक सभा कर धरना प्रदर्शन का निर्णय लिया।

फोरम के सदस्यों ने कहा कि त्योहार का मौसम आ चुका है, लेकिन खराब सड़कों के चलते लोगों का आना-जाना कम हो गया है, जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम लोग और हमारे बच्चे टूटे-फूटे रास्तों पर त्योहारों में कैसे निकलेंगे?

बैठक का संचालन प्रदीप नंदी ने किया और रानीगंज चैंबर ऑफ कॉमर्स के मुख्य सलाहकार आरपी खैतान ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया। फोरम ने रानीगंज के सभी नागरिकों से अपील की है कि 26 सितंबर को इस धरना प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस मांग को समर्थन दें।

संक्षिप्त खबरें

ऑल टाइम हाई पर पहुंचकर फिसला शेयर बाजार सेंसेक्स-निफ्टी उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव दिखा। हालांकि, इसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी अपने नए सर्वोच्च स्तर तक पहुंचने में सफल रहे। मंगलवार का कारोबारी सत्र खत्म होने के बाद सेंसेक्स 14.57 (-0.01%) अंक फिसलकर 84,914.04 पर बंद सपाट हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी में महज 1.36 अंक की बढ़त के साथ 25,940.40 पर सपाट क्लोजिंग हुई। बंद होने से पहले सेसेंक्स पहली बार 85,000 का स्तर पार कर 85,163.23 के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंचा। निफ्टी भी पहली बार 26,000 का स्तर पार कर 26,011.55 तक पहुंचने में कामयाब रहा।

निफ्टी ऑटो, आईटी, फर्मा और ऑयल एंड गैस सेक्टर में तेजी

निफ्टी ऑटो, आईटी, फर्मा और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर हरे निशान पर कारोबार करते दिखे। वहीं, एफएमसीजी, रियल्टी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर लाल निशान पर कारोबार करता दिखा। व्यक्तिगत शेयरों में इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) के शेयरों में 11.5% की गिरावट आई। यह गिरावट केंद्र सरकार की ओर से पावर एक्सचेंजों के लिए मार्केट कपलिंग लागू करने से जुड़ी खबर सामने आने के बाद दिखी।

एस्ट्राजेनेका फार्मा के शेयर 17% चढ़े

एस्ट्राजेनेका फार्मा के शेयर 17% की बढ़त के साथ बंद हुए। सरकार की ओर से लीवर और पित्ताशय के कैंसर के उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवा डुरवालुमैब के आयात को मंजूरी देने के बाद यह तेजी आई। कुल मिलाकर सोमवार को बाजार का रुख सुस्त रहा। बीएसई पर करीब 2,045 शेयरों में गिरावट आई, 1,932 शेयरों में तेजी आई। 99 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

डॉलर की मांग बढ़ने से रुपये पर दबाव

मंगलवार को रुपया कमजोर हुआ। आयातकों के बीच डॉलर की मांग बढ़ने से रुपये पर दबाव पड़ा। रुपया डॉलर के मुकाबले 83.67 पर बंद हुआ। यह पिछले सत्र के स्तर 83.5525 की तुलना में 0.1% कम है।

उच्चतम न्यायालय ने प्रत्यक्ष कर के 573 मामलों का निपटारा किया

नई दिल्ली। व्यवसायों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने, मुकदमेबाजी को कम करने और कर प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा मुकदमेबाजी की संख्या में कमी लाने के उद्देश्य से आम बजट 2024-25 में विभिन्न न्यायिक मंचों में प्रत्यक्ष कर, उत्पाद शुल्क और सेवा कर से संबंधित अपील दायर करने के लिए मौद्रिक सीमा में वृद्धि किये जाने के मद्देनजर आज उच्चतम न्यायालय ने पांच करोड़ रुपये से कम कर के प्रभाव वाले प्रत्यक्ष कर के 573 मामलों का निपटारा किया। वित्त मंत्रालय ने यहां जारी बयान में कहा कि उच्चतम न्यायालय ने आज अपील दायर करने की संशोधित मौद्रिक सीमा के मद्देनजर 573 प्रत्यक्ष कर मामलों का निपटारा किया। इन उपायों से कर मुकदमेबाजी के बोझ में उल्लेखनीय कमी आने और जीवन को आसान बनाने और कारोबार को आसान बनाने को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों के अनुरूप कर विवादों के समाधान में तेजी आने की उम्मीद है।

यह महत्वपूर्ण उपलब्धि कर मुकदमेबाजी को कम करने और व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों के अनुरूप है। केंद्रीय बजट 2024-25 में कर न्यायाधिकरणों, उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में प्रत्यक्ष कर, उत्पाद शुल्क और सेवा कर से संबंधित अपील दायर करने के लिए बढ़ी हुई मौद्रिक सीमा प्रदान की गई और सीमा को क्रमशः 60 लाख रुपये, 2 करोड़ रुपये और 5 करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया गया।

बजट 2024-25 की घोषणा के अनुसार, सीबीडीटी और सीबीआईसी ने अपने-अपने डोमेन में अपील दायर करने के लिए मौद्रिक सीमा बढ़ाने के लिए आवश्यक आदेश जारी किए थे। परिणामस्वरूप, यह उम्मीद की जाती है कि विभिन्न अपीलीय मंचों के समक्ष लंबित मामले कम हो जाएंगे और कर मुकदमेबाजी में कमी आएगी।

केंद्रीय बजट 2024-25 में की गई घोषणाओं के अनुसार, विभाग द्वारा कर विवाद अपील दायर करने के लिए मौद्रिक सीमा को बढ़ाया गया है। आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण के लिए: 50 लाख से बढ़ाकर 60 लाख रुपये, उच्च न्यायालयों के लिए 1 करोड़ से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये और उच्चतम न्यायालय के लिए 2 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये किया गया।

इन संशोधित सीमाओं के परिणामस्वरूप, यह अनुमान लगाया गया है कि समय के साथ विभिन्न न्यायिक मंचों से लगभग 4,341 मामले वापस लिए जाएँगे। इसी तरह से अप्रत्यक्ष कर के मामले में भी इससे इन संशोधित सीमाओं के परिणामस्वरूप यह अनुमान लगाया गया है कि निर्दिष्ट विरासत केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर मामलों से संबंधित लगभग 1,044 मामले विभिन्न न्यायिक मंचों से वापस लिए जाएँगे।

फियो ने सरकार से निर्यात ऋण पर ब्याज सहायता को पांच साल बढ़ाने की मांग की

नयी दिल्ली, भारतीय निर्यातकों के शीर्ष संगठन फियो ने सरकार से उस योजना को पांच साल तक बढ़ाने की मांग की है जिसके तहत निर्यातकों को कर्ज पर बजट से ब्याज सहायता दी जाती है ताकि प्रतिस्पर्धी वैश्विक बाजार में भारत का माल प्रतिस्पर्धा में मजबूती से टिका रह सके।

सरकार ने देश में कर्ज महंगा होने के मद्देनजर भारतीय लघु एवं मझोले विनिमार्ता निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा क्षमता बनाए रखने के लिए वित्त वर्ष 2015-16 से निर्यात कर्ज पर पांच साल के लिए ब्याज समतुल्यीकरण योजना लागू की थी जिसे बाद में बढ़ाया जाता रहा, लेकिन इस योजना की अवधि समाप्त हो गयी है। सरकार ने पिछले महीने इस योजना को 30 सितंबर तक के लिए बढ़ा दिया था।

विदेश व्यापार महानिदेशालय ने इस योजना पर प्रति आयात निर्यात कोड (आईसईसी) पर इस योजना के तहत ब्याज सहायता की अधिकतम सीमा पांच करोड़ रुपये निर्धारित कर दी है। इस योजना में पहले विनिमार्ता निर्यातकों को निर्यात माल के लदान पूर्व और लदान पश्चात की अवधि में कार्यशील पूंजी की जरूरत के कर्ज पर दो से तीन प्रतिशत की दर से ब्याज सहायता प्रदान करती थी।

फियो के अध्यक्ष अश्विनीकुमार ने मंगलवार को यहां कहा, हम सरकार से निर्यात क्षेत्र के कारोबारी माहौल में निरंतरता और स्थिरता प्रदान करने के लिए सतत आधार पर ब्याज समतुल्यीकरण योजना को फिर से शुरू करने का आग्रह करें।

फियो के महानिदेशक डॉ. अजय सहाय ने कहा, हमने ब्याज समतुल्यीकरण योजना को पांच साल तक बढ़ाने का सरकार से आग्रह किया है। यदि यह योजना नहीं बढ़ी तो हम कुछ बाजारों को खो देंगे और कुछ आर्डर चले जाएंगे।

डॉ. सहाय ने कहा कि छोटे और मझोले निर्यातकों के लिए कर्ज की उपलब्धता और उसकी लागत एक बहुत बड़ी चुनौती बना हुआ है। उन्हेंने कहा, कोविड के बाद विदेशी बाजारों में भी कर्ज महंगा हुआ है पर हमें भारत में रिजर्व बैंक की रेपो दर और अमेरिका नीति गत दर के बीच इस समय दिख रहे कम अंतर के आधार पर यह नहीं सोचना चाहिए कि निर्यातकों को अब ब्याज सहायता की जरूरत नहीं रह गयी है। भारत और दूसरे प्रतिस्पर्धी बाजारों में व्यावसायिक कर्ज की दरों में अब भी बड़ा फर्क है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने निर्यातकों को गिरवी के बिना कर्ज दिलाने के लिए भारतीय क्रेडिट ग्रारंटी कार्पोरेशन के माध्यम से गारंटी दिलाने की योजना चला रही है पर बैंक छोटे मझोले निर्यातकों से 50 प्रतिशत तक कैश गारंटी की मांग करते हैं।

त्योहारों की तैयारी में ई-कॉमर्स कंपनियां, इस सीजन ऑनलाइन बिक्री $12 बिलियन तक पहुंचने की उम्मीद

मुंबई। त्योहारी सीजन की शुरूआत हो रही है, जिसको लेकर कंपनियों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। जिसमें ई-कॉमर्स कंपनियों ने अपने स्टॉक को बढ़ाना, नई भतीर्या और डिलीवरी चेन को मजबूत कर चुकी हैं। जिसमें अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, मिशो, मिंत्रा सहित किल्यरट्रिप ने इसको लेकर अपनी सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इन तैयारियों में फ्लिपकार्ट ने आधारभूत संरचना निवेश करने के साथ त्योहारी सीजन के लिए 11 फुलफिलमेंट सेंटर खोले और 40 से अधिक क्षेत्रों में 1 लाख से अधिक रोजगार सृजित करेगी। वहीं एमेजॉन इंडिया ने दावा किया है उसने इस त्योहारी सीजन के लिए अपने परिसंचालन नेटवर्क में 110,000 अस्थायी भर्तियां की है जिसमें लाखों ग्राहकों को सामान की आपर्ति समय पर हो सके। ई-कॉर्मस कंपनियों की त्योहारी सीजन सेल 27 सितंबर से शुरू हो रही हैं। मार्केट रिसर्च फर्म डेटाम इंटेलिजेंस की रिर्पोट के अनुसार इस साल त्योहारी सीजन में ऑनलाइन बिक्री 12 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो पिछले साल के 9.7 बिलियन डॉलर से 23 प्रतिशत अधिक है।

तरह-तरह के ऑफर्स से ग्राहकों को लुभाने की तैयारी... फ्लिपकार्ट के हेड ऑफ ग्रोथ (वाइस प्रेसिडेंट) हर्ष चौधरी ने अमर उजाला डॉट कॉम को बताया कि हम द बिग बिलियन डेज के आगामी 11वें संस्करण के लिए पूरी तरह तैयार है। त्योहारी सीजन के लिए हम ने 11 फुलफिलमेंट सेंटर खोले हैं और 40 से अधिक क्षेत्रों में 1 लाख रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं।

हम टैक्नोलॉजी को और मजबूत कर रहे हैं, जिसमें रूट प्लानिंग सहित सभी काम आसानी से हो सके। जिसमें हम 19000 पिन कोड पर तेजी डिलीवरी कर सकें। साथ ही कई शहरों में सेम डे ऑर्डर यानी ऑर्डर के दिन ही डिलीवरी और नेक्स डे यानी अगले दिन डिलीवरी सेवाओं का विस्तार कर रहे हैं। हम कौशल विकास और विशेष रूप से त्योहारी सीजन के दौरान एमएसएमई क्षेत्रों को अधिक कारोबार दिलाने पर ध्यान देंगे जिसमें वे और सशक्त हो सकें।

अमेजन इंडिया ने त्योहारों के लिए बनाया प्लान... अमेजन इंडिया के उपाध्यक्ष (ऑपरेशंस) अभिनव सिंह ने कहा कि इस त्योहारी सीजन में कंपनी देश के हर कोने में तेजी सेवाएं देना चाहती है। इसको आसान बनाने के लिए हमने 1.1 अतिरिक्त लोगों की भर्ती की है। जिसमें ऐसे लोगों की संख्या अधिक है जो त्योहारी सीजन समाप्त होने के बाद भी एमेजॉन के साथ काम करते रहते हैं। प्रत्यक्ष और अप्रत्क्ष रूप यह रोजगार के अवसर मुंबई, दिल्ली, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता, लखनमऊ और चेन्नई जैसे शहरों में मिल रहे हैं।

साथ ही एमेजॉन ने हजारों महिला कर्मचारियों के साथ 1,900 दिव्यांग लोगों को भी काम पर रखा है। फ्लिपकार्ट की ट्रैवल कंपनी क्लियरट्रिप ने भी इन त्योहारों को खास बनाने के लिए सबसे बड़े ट्रैवल सेल की घोषणा की है, जो 27 सितंबर से 6 अक्टूबर 2024 तक चलेगी। इसमें फ्लिपकार्ट और मिंत्रा के उपभोक्ता होटलों पर 15 प्रतिशत तक की अतिरिक्त छूट पा सकते हैं। क्लियरट्रिप के चीफ बिजनेस एंड ग्रोथ ऑफिसर अनुज राठी बताते हैं कि घूमने और मौज मस्ती करने को लेकर हम भारतीय उपभोक्ताओं में बड़ा बदलाव देख रहे हैं। हम इस त्योहारी सीजन में यात्रा को लेकर उपभोक्ताओं को होटलो, फ्लाइट्स, बसों और हॉलिडे पैकेजेस पर शानदार डील्स दे रहे हैं, जिसमें वे इस अवसर लाभ ले त्योहारों पर छुट्टियों को आनंद ले सकेंगे।

त्योहारों में खरीदारी का ट्रेंड और बिक्री... मार्केट रिसर्च फर्म डेटाम इंटेलिजेंस की रिर्पोट के अनुसार इस साल त्योहारी सीजन में ऑनलाइन बिक्री 12 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो पिछले साल के 9.7 बिलियन डॉलर से 23 प्रतिशत अधिक है। जिसमें क्विक कॉमर्स की इस बिक्री में 1 बिलियन डॉलर का योगदान दे सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, किराना और सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल में वृद्धि होने की संभावना है, पिछले साल 37.6 प्रतिशत की तुलना में ऑनलाइन किराने की बिक्री में 51 प्रतिशत होने का अनुमान है। इसके साथ ही लैपटॉप, मोबाइल और परिधानों की बिक्री बढ़ने का ट्रेंड हर त्योहारी सीजन में देखा गया है। ई-कॉमर्स में त्योहारी सीजन के दौरान स्मार्टफोन और बड़े कंज्यूमर ड्यूरेबल और फैशन पर अधिक खरीदारी का अनुमान है। त्योहारों पर 29.9 प्रतिशत मोबाइल, फैशन 19.6 प्रतिशत, इलेक्ट्रॉनिक और कंज्यूमर ड्यूरेबल उत्पाद 17.5 प्रतिशत का योगदान त्योहारी सीजन में होता है।

खराब सेवा के लिए वोडा-आइडिया पर जुमार्ना

नई दिल्ली। मुंबई के एक उपभोक्ता आयोग ने वोडाफोन आइडिया को एक वरिष्ठ नागरिक को मानसिक प्रताड़ना के लिए 50,000 रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है। यह निर्देश एक वरिष्ठ नागरिक की मोबाइल सेवाएं अचानक बंद कर देने और उसे अंतरराष्ट्रीय रोमिंग पैक डेटा का उपयोग नहीं करने देने से जुड़े मामले में दिया गया है।

जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (मध्य मुंबई) ने सोमवार को पारित आदेश में मोबाइल सेवा प्रदाता को असुविधा, मानसिक और वित्तीय उत्पीड़न और पीड़ा" पहुंचाने के लिए सेवा में कमी का दोषी ठहराया। असीमित इनकमिंग और आउटगोइंग कॉल के अलावा, इस योजना में 5.2 जीबी इंटरनेट डेटा भी दिया गया था। शिकायतकर्ता ने 2 मई, 2019 को केन्या जाने के बाद इस योजना का उपयोग करना शुरू किया। उसने लगभग 75% डेटा (5.2 जीबी में से) का उपभोग कर लिया।

उन्होंने जिम्बाब्वे में विक्टोरिया की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान इस डेटा का इस्तेमाल किया, यह मानते हुए कि यह क्षेत्र इस योजना के अंतर्गत आता है। उन्होंने दावा किया कि सेवा प्रदाता से उन्हें ऐसा कोई संदेश नहीं मिला जिसमें बताया गया हो कि विक्टोरिया फॉल्स क्षेत्र इस योजना के अंतर्गत नहीं आता है। शिकायतकर्ता को

कोई चेतावनी संदेश भी नहीं मिला जिसमें रोमिंग दर अनुसूची के बारे में जानकारी दी गई हो, जो किसी नए देश में प्रवेश करने पर लागू हो जाती है। शिकायत में कहा गया है कि उपभोक्ता द्वारा 124 एमबी डेटा इस्तेमाल करने के बाद वोडाफोन आइडिया ने बिना किसी सूचना मेल या संदेश के उसकी मोबाइल फोन सेवा अचानक बंद कर दी। सेवा प्रदाता ने अनुचित रूप से 72,419 रुपये का भारी जुमार्ना लगाया।

शिकायतकर्ता दो दिन के भीतर केन्या लौट आया और उसने कंपनी से अपनी सेवाएं बहाल करने तथा 5 जीबी पैक से शेष डेटा का उपयोग करने की अनुमति देने का अनुरोध किया, लेकिन सेवा प्रदाता ने उसके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया तथा सेवा बहाली के लिए उसे लगभग 60,000 रुपये का भुगतान करने को कहा। शिकायतकर्ता ने ग्राहक संबंध प्रकोष्ठ, नोडल अधिकारियों और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) सहित अन्य के समक्ष मामला उठाया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर सेंसेक्स, क्यों आसमान छू रहा भारतीय कंपनियों का बाजार? इसके पीछे की वजह

नई दिल्ली। बीएसई सेंसेक्स ने आज रिकॉर्ड ऊंचाई हासिल किया। बीएसई सेंसेक्स ने 85 हजार का आंकड़ा छूकर कुछ वापसी कर चुका है। सबसे अधिक स्टील, स्वास्थ्य और मीडिया क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी आई है। अकेले मेटल कारोबार से जुड़ी कंपनियों के शायरों में 2.15% की तेजी दर्ज की गई, जबकि स्वास्थ्य और मीडिया क्षेत्र की कंपनियों में भी लगभग आधा फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। शेयर मार्केट में यह तेजी मूलभूत ढांचे से जुड़ी कंपनियों के कामकाज में सबसे ज्यादा देखी जा रही है। इसके अलावा गृह निर्माण और उपभोक्ता उत्पादों से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में भी तेजी देखी जा रही है। कमजोर होते विदेशी बाजार के बीच ऐशियाई शेयरों में तेजी भारतीय शेयर बाजार में मजबूती बने रहना का बड़ा कारण है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने एक बार फिर भारतीय बाजार पर भरोसा जताया है जिसके कारण यह तेजी दर्ज की जा रही है। माना यह भी जा रहा है कि जिस प्रकार से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका में भारत की जबरदस्त मार्केटिंग की है, उसके कारण भी शेयर बाजार से जुड़ी कंपनियों के कामकाज में तेजी आई है। तेजड़ियों के लिए बाजार से लाभ कमाने का यह बेहतर अवसर माना जा रहा है, लेकिन बाजार की अच्छी समझ न रखने वाले ट्रेडर्स के लिए अभी बहुत सोच समझकर और लगातार बेहतर प्रदर्शन करने वाली कंपनियों में ही निवेश करने का सुझाव दिया जाता है। ज्यादा मुनाफाखोरी के चक्कर में किसी कंपनी में पैसा लगाने से नुकसान भी हो सकता है।

आर्थिक मामलों के जानकार सीपी सिंघल ने अमर उजाला से कहा कि इस समय सोना अपने सर्वोत्तम ऊंचाई पर पहुंच गया है। जल्द में इसमें और अधिक तेजी होने की संभावना कम ही है, लेकिन आगामी त्योहारों और शादियों के सीजन को देखते हुए इसमें कुछ तेजी आ सकती है। लेकिन इसके बाद भी सोने के भाव में अब और उछाल की संभावना कम ही है। इसीलिए अधिक लाभ की उम्मीद में पैसा लगाने वाले निवेशक सोने की बजाय बाजार में पैसा लगा रहे हैं जिससे यह तेजी आ रही है।

दुनिया में कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं कोरोना के झटके से अब तक उबर नहीं पाई हैं, जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया के बुरे हालात में एक मजबूत बनी रही। अभी भी दुनिया की बड़ी एजेंसियों का यही अनुमान है कि आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था बेहतर दिशा में चलती रहेगी। यही कारण है कि लंबी अवधि में तेज मुनाफा कमाने की इच्छा रखने वाले निवेशकों ने बाजार पर अपना विश्वास बनाये रखा है। इसका असर अब शेयर बाजार में दिखाई दे रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह बढ़त अगले कुछ समय तक लगातार बनी रहने वाली है।

लीलावती अस्पताल के ट्रस्टी को हाईकोर्ट से झटका, कोर्ट ने कहा- उनकी अपील बकाया भुगतान से बचने की कोशिश

नई दिल्ली। बंबई उच्च न्यायालय ने लीलावती अस्पताल के एक ट्रस्टी की ओर से एचडीएफसी बैंक के खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत को बकाया भुगतान से बचने की कोशिश करार दिया है। ट्रस्टी की शिकायत में आरोप लगाया गया कि बैंक की ओर से उत्पीड़न होने के कारण उनके पिता और अस्पताल के संस्थापक की मौत हो गई।

न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की पीठ ने कहा कि राज्य अल्पसंख्यक आयोग के समक्ष शिकायत दर्ज कराना ह्यह्यअपनी जिम्मेदारियों से बचने का प्रयास मात्र था। अदालत ने यह फैसला 18 सितंबर को सुनाया। अदालत ने इस वर्ष जुलाई में एचडीएफसी बैंक और उसके प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को आयोग द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस को रद्द कर दिया जिसमें उन्हें एक अगस्त को आयोग के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया गया था। आयोग ने लीलावती अस्पताल का संचालन करने वाले लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट के स्थायी ट्रस्टी राजेश मेहता द्वारा दायर शिकायत पर सुनवाई की थी। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि बैंक के वरिष्ठ प्रबंधन और वसूली विभाग की ओर से उन्हें और उनके पिता किशोर

मेहता को गंभीर उत्पीड़न और मानसिक यातना दी गई।

शिकायतकर्ता ने दावा किया कि बैंक ने अस्पताल ट्रस्ट के कुछ पूर्व ट्रस्टी के साथ मिलीभगत की और इस उत्पीड़न के कारण 20 मई, 2024 को किशोर मेहता की मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि वरिष्ठ प्रबंधन ने किशोर मेहता पर गिरफ्तारी की तलवार लटका रखी थी, जिसके परिणामस्वरूप उनकी असामयिक मृत्यु हो गई। मेहता पिता-पुत्र अल्पसंख्यक जैन समुदाय से हैं। बैंक ने उच्च न्यायालय में अपनी याचिका में नोटिस को चुनौती दी और आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि आयोग के समक्ष शिकायत केवल उसके द्वारा शुरू की गई वसूली कार्यवाही से बचने के लिए दायर की गई थी। अदालत ने इस दलील को स्वीकार करते हुए कहा कि राजेश मेहता द्वारा दायर की गई शिकायत ह्यह्यएचडीएफसी बैंक द्वारा अपने उधारकताओं के खिलाफ अपनाई गई प्रक्रिया को पटरी से उतारने और एक देनदार के रूप में कार्रवाई का सामना करने से बचने के प्रयास के अलावा कुछ नहीं थी, जो संयुक्त रूप से और व्यक्तिगत रूप से 14 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी थे।

पीठ ने कहा, ह्यह्यवह (राजेश मेहता) जैन समुदाय का सदस्य होने के नाम पर आयोग का दरवाजा खटखटाकर आदेश पारित नहीं करा सकते। अदालत ने कहा कि यदि शिकायतकर्ता पर बकाया राशि की वसूली का दायित्व आता है, तो वह इससे बचने के लिए अल्पसंख्यक समुदाय का सदस्य होने का लाभ नहीं उठा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि आयोग ने बैंक को नोटिस जारी करके अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर काम किया।

अदालत ने एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ को जारी कारण बताओ नोटिस को रद्द करते हुए कहा कि ऐसा ह्यह्यअधिकार क्षेत्र के बिना किया गया और यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन है।

रियल एस्टेट में मंदी नहीं, 2047 तक 10 लाख करोड़ डॉलर का होगा बाजार

सिडनी। भारतीय रियल एस्टेट बाजार में मंदी का कोई संकेत नहीं है। आवास की मांग सदाबहार और मजबूत बनी हुई है। इस मांग को पूरा करने के लिए अधिक आवासीय परियोजनाएं लॉन्च करने की जरूरत है। रियल्टी क्षेत्र की शीर्ष संस्था क्रेडाई और रियल एस्टेट सलाहकार कोलियर्स इंडिया का कहना है कि भारतीय रियल एस्टेट बाजार का आकार 2047 तक कई गुना बढ़कर पांच से सात लाख करोड़ डॉलर पहुंच सकता है। बढ़ती आर्थिक वृद्धि और तीव्र शहरीकरण से यह 10 लाख करोड़ डॉलर तक भी पहुंच सकता है। ह्यक्रेडाई नैटकॉनह्ल सम्मेलन में क्रेडाई और कोलियर्स इंडिया ने एक संयुक्त रिपोर्ट ह्यइंडियन रियल एस्टेट : द क्वांटम लीपह्ल में कहा, किसी तिमाही में मकानों की बिक्री कम पेशकश की वजह से गिर सकती है, लेकिन कोविड-19 महामारी के बाद बढ़ी उपभोक्ता मांग बरकरार है।

आकर्षक कीमतों पर तेजी से बिक रहे मकान... चालू तिमाही में बिक्री में अनुमानित गिरावट पर क्रेडाई के राष्ट्रीय चेयरमैन मनोज गौड़ ने कहा, सितंबर तिमाही में नई पेशकश कम रही हैं। अच्छे डेवलपर की ओर से सही स्थानों और आकर्षक कीमतों पर पेश की जा रही आवासीय संपत्तियां तेजी से बिक रही हैं। प्रॉपइक्विटी ने नए आंकड़ों में अनुमान लगाया गया है कि भारत में जुलाई-सितंबर में नौ प्रमुख शहरों में मकानों की बिक्री 18 फीसदी घटकर 1,04,393 इकाई रह गई।

शहरों में रहेगी 50 फीसदी आबादी... रिपोर्ट में कहा गया, रियल एस्टेट वृद्धि बड़े शहरों की सीमाओं से आगे बढ़कर कई छोटे शहरों तक पहुंचेगी। 2047 तक देश की 50 फीसदी आबादी शहरों में निवास करेगी। इससे आवासीय, कार्यालय, डाटा सेंटर और खुदरा स्थानों में अभूतपूर्व मांग पैदा होगी।

छह कारक निभाएंगे वृद्धि में भूमिका... रिपोर्ट के मुताबिक, 2047 तक भारतीय जीडीपी में रियल एस्टेट क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़कर 14-20 फीसदी पहुंचने की उम्मीद है। रियल एस्टेट में इस दीर्घकालिक वृद्धि के लिए छह प्रमुख कारकों की भूमिका होगी। ये छह कारक हैं...तीव्र शहरीकरण, बुनियादी ढांचे का विकास, डिजिटलीकरण, जनसांख्यिकीय बदलाव, स्थिरता और निवेश विविधीकरण।

एसएंडपी ने भारत की विकास दर का अनुमान 6.8% पर रखा बरकरार, अक्तूबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद

नई दिल्ली एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत का वृद्धि अनुमान 6.8 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। इसके साथ रेटिंग एजेंसी ने उम्मीद जताई है कि आरबीआई अपनी अक्तूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों में कटौती शुरू करेगा।

एशिया प्रशांत के आर्थिक परिदृश्य में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.9 प्रतिशत पर बरकरार रखा है और कहा है कि भारत में ठोस वृद्धि से रिजर्व बैंक महंगाई दर को अपने निर्धारित दायरे में लाने पर ध्यान केंद्रित कर सकेगा।

एसएंडपी ने कहा, "भारत में जून तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर धीमी रही, क्योंकि उच्च ब्याज दरों ने शहरी मांग को प्रभावित किया, यह पूरे वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए हमारे 6.8 प्रतिशत जीडीपी के

अनुमान के अनुरूप है।

पिछले वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत बढ़ी थी। एसएंडपी ने कहा कि जुलाई में पेश किए गए केंद्रीय बजट के अनुसार सरकार राजकोषीय समेकन और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए सार्वजनिक व्यय करना जारी रखेगी। बजट में मार्च 2025 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में 11.11 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय निर्धारित किया गया है। एसएंडपी ने कहा कि आरबीआई (भारतीय रिजर्व बैंक) खाद्य मुद्रास्फीति को दरों में कटौती के लिए एक बाधा मानता है। उसका मानना है कि जब तक खाद्य कीमतों में वृद्धि की दर में स्थायी और सार्थक गिरावट नहीं आती, तब तक हेडलाइन मुद्रास्फीति को 4 प्रतिशत पर बनाए रखना मुश्किल होगा।

एसएंडपी ने कहा, "हमारा दृष्टिकोण अपरिवर्तित बना हुआ है: हम उम्मीद करते हैं कि आरबीआई जल्द से जल्द अक्टूबर में दरों में कटौती शुरू कर देगा और इस वित्तीय वर्ष (मार्च 2025 को समाप्त होने वाला वर्ष) में दो बार दरों में कटौती की योजना बनाई है।"

एसएंडपी को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति औसतन 4.5 प्रतिशत रहेगी। आरबीआई की ब्याज दर निर्धारित करने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक 7-9 अक्तूबर को होनी है। मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने के लिए केंद्रीय बैंक ने फरवरी 2023 से बेंचमार्क ब्याज दर को 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा है। सरकार ने आरबीआई को मुद्रास्फीति को 4 प्रतिशत पर रखने का निर्देश दिया है, जिसमें +/- 2 प्रतिशत की घट-बढ़ की गुंजाइश है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से अपनी बेंचमार्क ब्याज दर में 50 आधार अंकों की कटौती के बाद, ऐसी उम्मीदें जताई जा रही हैं कि आरबीआई अगले महीने की मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती भी कर सकता है।

रत्न-आभूषण निर्यात में 18 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। दुनिया भर में कमजोर मांग के चलते देश से रत्न और आभूषण के निर्यात में कमी आई है। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2024 में सालाना आधार पर रत्न-आभूषण निर्यात 18 फीसदी घटकर 2.01 अरब डॉलर रह गया। जबकि अगस्त 2023 में यह 2.47 अरब डॉलर था। रत्न आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के मुताबिक मासिक आधार पर निर्यात में तेजी देखने को मिली है। जुलाई में देश से 1.66 अरब डॉलर मूल्य के रत्न आभूषणों का निर्यात किया गया था। परिषद ने कहा है कि अमेरिका और चीन जैसे बाजारों में निर्यात बढ़ाने के प्रयास करने होंगे।

एचयूएल को केपीएमजी ईएसजी उत्कृष्टता सम्मान... हिंदुस्तान यूनिलीवर लि. (एचयूएल) को केपीएमजी इंडिया ईएसजी उत्कृष्टता पुरस्कार-2024 मिला है। यह सम्मान पर्यावरण के प्रति एचयूएल की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। विजेताओं को महाराष्ट्र सरकार में स्कूल शिक्षा और मराठी भाषा के कैबिनेट मंत्री दीपक वसंत केसरकर ने सम्मानित किया। कंपनी के लिए यह पुरस्कार विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह स्थायी व्यावसायिक प्रथाओं को चलाने के नेतृत्व व नवीनीकरण का प्रमाण है।

यूको बैंक ने की प्रोजेक्ट परिवर्तन की शुरूआत... यूको बैंक ने डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए प्रोजेक्ट परिवर्तन की शुरूआत की है। बैंक के एमडी-सीईओ अश्विनी कुमार ने कहा, इसके लॉन्च के साथ कुछ डिजिटल कर्ज उत्पाद पेश किए गए हैं। चार लाख रुपये तक का प्री-क्वालिफाइड पर्सनल लोन अब 30 सेकंड में मिल जाएगा।

यह सच है कि खूबसूरती ईश्वर की देन है, पर उसे उभारना भी है एक कला। किस तरह का मेकअप आपको सूट करेगा, इसके लिए जरूरी है चेहरे के आकार को समझना

अब मिनटों में करें मेकअप

फाउंडेशन आपकी स्किन टोन से एकदम मेल खाता हुआ होना चाहिए। अधिक गहरा या अधिक हलका आपके कॉम्प्लेक्शन को खराब कर सकता है। साथ ही अच्छी तरह ब्लेंड होना भी जरूरी है। चेहरे पर ग्लो लाने के लिए फाउंडेशन लगाने से पहले शिमर मॉयस्चराइजर लगाएं। या फिर थोड़ा सा शिमर पाउडर मॉयस्चराइजर में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। फिर फाउंडेशन लगाएं।

कंसीलर- पर्याप्त नींद न ले पाने, धूम्रपान अधिक करने और एनीमिक होने के कारण आंखों के आसपास काले घरे हो जाते हैं। इन्हें छिपाने के लिए कंसीलर का प्रयोग करें। यह चेहरे के किसी भी दोष को छिपाने में मदद करता है। अपनी अंगुली के पोर पर हलका सा कंसीलर लेकर चेहरे पर लगाएं। या फिर किसी मुलायम फ्लैट ब्रश पर लें और प्रभावित स्थान पर अच्छी तरह लगाएं।

अगर आपकी त्वचा रूखी है, तो आपको लिक्विड कंसीलर इस्तेमाल करना चाहिए।

एक्ने और दाग-धब्बों को छिपाने के लिए सॉलिड कंसीलर ठीक रहता है। अगर आप लिक्विड या क्त्रीम बेस्ड फाउंडेशन प्रयोग कर रही हैं तो फाउंडेशन के बाद कंसीलर लगाएं। क्त्रीम टू पाउडर फाउंडेशन लगाने पर कंसीलर पहले लगाएं। अपनी त्वचा के रंग से हलका शेड कभी न चुनें। ऐसा करने पर आपका रंग दबा हुआ लेगगा। इस बात का ध्यान रखें कि कंसीलर बहुत ज्यादा न लगाएं। आपको चेहरे पर हलका टिंट देना देना है न कि मास्क लगाना है। कंसीलर के बाद ट्रास्लूसेंट पाउडर से डस्टिंग करना न भूलें।

ट्रिक्स - कंसीलर सा फाउंडेशन में येलो आईशैडो मिलाकर आंखों के काले घेरों को छिपाने के लिए इस्तेमाल करें। इसी तरह त्वचा की लकीरों को छिपाने के लिए अपने फाउंडेशन या कंसीलर में ब्ल्यू या ग्रीन आईशैडो मिलाएं। झाईयों को छिपाने के लिए पिंक आइशैडो कंसीलर से पहले लगाएं।

कॉम्पेक्ट पाउडर - चेहरे की जरूरत से अधिक चमक को कम करने के लिए लूज पाउडर का इस्तेमाल करें। ऐसा कॉम्पैक्ट पाउडर खरीदें, जो त्वचा से मेल खाए और उसमें समा जाए। इसे बडे ब्रश से आहिस्ता से लगाएं।

उपाय- फाउंडेशन लगाने के बाद अपने चेहरे पर एक टिश्यू पेपर रखकर हलका सा दबाएं ताकि त्वचा का अतिरिक्त तेल या पसीना हट जाए। इसके बाद पाउडर लगाएं।

आजमाएं- लोरियल आइडियल बैलेंस कॉम्पैक्ट ब्लश -यह आपके चेहरे के उभार को आकर्षक बनाने में मदद करता है। रात के मेकअप में खास तौर पर इसका प्रयोग जरूर करें। ब्लश लगाने के बाद अगर आपको मेकअप अधिक गहरा लगे तो टेंशन न लें। एक स्पॉन्ज से थपथपाकर कम कर दें।

आजमाएं- मेबलिन एक्सपर्ट वेयर ब्लश या मैक क्त्रीम ब्लश।

होंठ - लिप कलर हमेशा स्किन टोन, बाल और आखों केरंग से मेल खाना चाहिए। रात में ड्रामेटिक इफेक्ट देने के लिए गहरे लिप शेड्स का प्रयोग करें। जबकि दिन में टिंटेड या क्लियर लिप ग्लॉस इस्तेमाल करें।

उपाय- अपनी पसंद की लिपस्टिक शेड खुद बनाएं। लिपस्टिक के ऊपर स्पार्क्लिंग आईशैडो लगाएं या फिर थोडी सी वैसलीन के साथ मनपसंद आइशैडो मिलाकर एक नया शेड बनाएं। अगर आपके पास लिपस्टिक को ढंग से लगाने का समय नहीं होता तो रात में सोने से पहले होंठों पर नैचरल शेड की लिपिस्टिक लगाएं। और सुबह चेहरा साफ करके लिप ग्लॉस लगाएं। जल्दी में कभी भी लिपलाइन न बनाएं। लिपलाइन बनाने से होंठ प्रॉमिनेंट नजर आते हैं, लेकिन जल्दीबाजी में सही शेप न बन पाने से होंठों का लुक खराब लगेगा।

आजमाएं- रेवलॉन की रेड अर्थ, मेबलिन कॉपर शेड, लक्मे मेटैलिक शेड

आंखें - आंखों में काजल पेंसिल से बीच से बाहरी कोनों तक एक लाइन खींचें। आइलाइनर आप जैसा चाहें लगा सकती हैं। मेकअप में आंखों का मेकअप सबसे महत्वपूर्ण होता है। आइलाइनर पतला और स्ट्रेट लाइन में लगाएं। समय कम हो तो सिर्फ ट्रासपेरेंट मस्कारा नीचे और ऊपर दोनों आईलैश पर लगाएं। दिन में हलका आई मेकअप करें, रात में थोड़ा गहरा। रात में ब्रो बोन में शिमरिंग हाइलाइटर लगाने से आखें बेहद खूबसूरत लगती हैं। आजकल मिनिमल लुक चलन में है। इसलिए मिनटों में मेकअप करना आसान हो गया है। अगर आपने आंखों पर खास ध्यान दिया है तो होंठों के लिए ग्लिटरी लिप ग्लॉस ही काफी है। अगर होंठों पर गहरा मेकअप किया है तो आखों में हलका काजल और मस्कारा ही लगाएं।

उपाय- आंखों को खूबसूरत दिखाने के लिए आइलाइनर से पतली लाइन खींचें, फिर आईशैडो के साथ ब्लेंड कर दें। लोअर आईलैशेज पर ब्राउन या गोल्डेन आई पेंसिल से हलकी रेखा जरूर खींचें।

आजमाएं- मैक का फ्लूइड आइलाइनर, मेबलिन ट्रासपेरेंट मस्कारा या मैरी के का एक्स्ट्रा वॉल्यूमाइजिंग मस्कारा

मस्कारा - अपनी आइलैशेज के लिए परफेक्ट मस्कारा चुनें और उसे हमेशा अपने साथ रखें। चाहे आपको ग्लैमर लुक देना हो या गर्ल नेक्स्ट डोर लुक, मस्कारा हर लुक के लिए जरूरी है। अपने लिए मस्कारा चुनने से पहले कुछ बातों पर जरूर ध्यान दें -

अगर आपकी आइलैशेज बहुत छोटी हैं तो लाइटनिंग मस्कारा चुनें। अगर आइलैशेज काफी पतली और हलकी हैं तो ऐसा मस्कारा चुनें जो उन्हें वॉल्यूम दे। यानी वॉल्यूमाइजिंग मस्कारा। अगर आपकी आईलैशेज लंबी और घनी हैं तो आप किस्मत वाली हैं, लेकिन इन्हें और आकर्षक बनाने के लिए आपको कर्लिंग मस्कारा चुनना चाहिए।

उपाय- मस्कारा लगाने पर एक जगह जमा न हो जाए, इसके लिए पहला कोट पतला लगाएं। अगर फिर भी लैशेज पर मोटा-मोटा जम जाए तो आइलैशेज कोम्ब से आहिस्ता से कंघी करके लैशेज को अलग-अलग कर लें।

जब आप अपने लिए परफेक्ट मस्कारा चुन लें, फिर कलर्ड मस्कारा भी लगा सकती हैं। अपने कॉम्प्लेक्शन के मुताबिक कलर्ड मस्कारा भी आजमा सकती हैं। ब्लैक एंड ब्राउन मस्कारा हर अवसर के लिए मुफीद होता है और यह आपके परिधानों के साथ मेल भी खाता है।

आजमाएं- मेबेलिन लैश स्टाइलिश मस्कारा लोरियल पेरिस वॉल्यूम शॉकिंग मस्कारा

आप स्विमिंग की योजना बनाती हैं या खुशी के अवसर पर आपके आंसू निकल जाते हैं, आप जल्दी भावविभोर होकर रोने लगती हैं तो बेहतर होगा कि आप वॉटरप्रूफ मस्कारा लगाएं। यह तीन रंगों में आसानी से उपलब्ध है-ब्लैक, ब्राउन और ब्ल्यू।

आप चाहें तो कर्लर से आखें कर्ल भी कर सकती हैं।

टैटूज का मतलब अलग लोगों के लिये अलग होता है कुछ लोग अनूठेपन के स्टेटमेंट के लिये टैटू चुनते हैं जबकि कुछ लोगों के लिये टैटू या क्लॉन को सिम्बॉलाइज़ करता है।

कितने प्रकार के टैटू

एमेच्योर टैटूज

ये शुरूआती टैटूज हैं जो अपने नेचर में क्रूड होते हैं क्योंकि ये ऐसे व्यक्ति द्वारा बनाये जाते हैं जिसे स्पेशलाईज्ड एक्सपीरियंस नहीं होता। ये टैटूज एस्थेटिक नेचर के नहीं होते और अस्वच्छ दशाओं में डाईंग के लिये इस्तेमाल होने वाले असामान्य तत्वों द्वारा बनाये जाते हैं। इनसे इंफेक्शन का खतरा काफी अधिक होता है क्योंकि इन्हें बनाने वाले प्रोफेशनल नहीं होते।

कल्चरल या धार्मिक टैटूज

कुछ एथनिक ग्रुप्स के टैटूज का छुपा हुआ अर्थ होता है। ये किसी नेटिव ग्रुप में रैंक और एचिवमेंट्स को सिम्बलाइज करते हैं। इनको बनाने की पारंपरिक विधिया काम में लाई जाती हैं।

प्रोफेशनल टैटूज

ये टैटूज ऐसे लोगों द्वारा बनाये जाते हैं जिनको बनाने वाले प्रोफेशनल्स टैटूइंग में स्पेशलाइज्ड होते हैं। नीडिल्स वाली एक टैटू मशीन त्वचा को पंक्चर करती है और रंग को त्वचा लेयर के अंदर डालती है।

कॉस्मेटिक टैटूज

टैटूज को मेकअप के रूप में बालों की इमिटेटिंग फीचर्स को उभारने में जैसे कि लिप्स (लिप लाइनर्स) या आखें (आईब्रोज, आई लाइनर) और यहा तक कि मोल्स के लिये भी किया जाता है। त्वचा के डिस्कलरेशन को टैटू बनवाकर छिपाया जा सकता है।

मेडिकल टैटूज

ऐसा टैटू बनवाने वाले किसी इमर्जेन्सी के समय किसी खास मेडिकल कंडीशन या ब्लड ग्रुप की किस्म के संकेत के लिये इसे बनवाते हैं। ब्रेस्ट रिकास्ट्रक्शन के कुछ रूपों में टैटू का उपयोग एरोला बनाने के लिये किया जा सकता है।

ट्रॉमाटिक टैटूज

ये टैटूज जानबूझकर नहीं बनवाये जाते बल्कि किसी एक्सीडेंट के दौरान शरीर में कोई बाहरी चीज धंस जाने से बनते हैं। उदाहरण के लिये पेंसिल अनायास चुभने पर त्वचा लेयर के नीचे ग्रेफाईट रह सकती है जो काले बिंदु के रूप में दिखती है।

व्यक्तित्व में निखार लाएं मोती जैसे दांत

दांत खाना खाने के लिए तो जरूरी है ही, मोहक, प्रभावशाली व्यक्तित्व के लिए भी महत्वपूर्ण है। कुछ लोग यूं तो बहुत खूबसूरत होते हैं, लेकिन मुंह खोलते ही उनका आकर्षण खत्म हो जाता है। कुछ ऐसा ही हुआ मनाली के साथ। उसके हाथ से मॉडलिंग का अवसर सिर्फ इसलिए छूट गया, क्योंकि उसके दांत छोटे-बड़े हैं और पीले भी पड़ गए हैं। ऐसा कुछ आपके साथ न हो, इसलिए शुरू से ही दांतों की उचित देखभाल जरूरी है।

जब बच्चों के दांत उग आएं, तभी से सुबह व रात में सोते समय ब्रश की आदत डाल देनी चाहिए। खाते समय भोजन के कण दांतों के बीच फंस जाते है, जो ब्रश करने से निकल जाते है। यदि इन्हे न निकाला जाए तो ये सड़ने लगते हैं, जिससे दांतों में सड़न और कैविटी पैदा हो जाती है। इस कारण दांतों में तेज दर्द हो सकता है व असमय दांत टूट सकते है। लोग सोचते है दूध केदांत तो टूट जाते है। इतनी देखभाल क्यों करे? दूध के सभी दांत एक साथ नहीं टूटते। एक-एककर टूटते जाते हैं और उनकी जगह नए दांत आते-जाते हैं। अगर कोई पुराना सड़ा हुआ हो तो वह नए दांत को भी सड़ा सकता है।

जरूरी है दांतों की सफाई

बच्चों को टॉफियां खासतौर से पसंद होती है। ध्यान रखें कि कुछ भी मीठा खाने के बाद बच्चे कुल्ला जरूर करें। कुछ लोग समझते हैं कि टूथपेस्ट का अधिक इस्तेमाल करने से दांत ठीक से साफ होते है। ऐसा नहीं है, बल्कि अधिक टूथपेस्ट दांतों की ऊपरी सुरक्षा परत इनामेल को नुकसान पहुंचा सकता है। सामान्यतया ऐसे टूथपेस्ट का उपयोग करना चाहिए जिसमें फ्लोरीन हो। फ्लोरीन हड्डियों में पाया जाने वाला एक तत्व है। यह दांतों को मजबूत बनाता है। लेकिन ज्यादा फ्लोरीन भी दांतों को पीला और खराब कर सकता है। इस बीमारी को फ्लोरोसिस कहते है। जिस क्षेत्र के पानी में फ्लोरीन की मात्रा अधिक हो, वहां के लोगों को फ्लोरीन वाले टूथपेस्ट से बचना चाहिए।

विटामिंस का करें भरपूर उपयोग

दांतों के साथ मसूड़ों की देखभाल भी जरूरी है। ब्रश के बाद मसूड़ों की उंगलियों से हलकी - हलकी मालिश करें। कुछ बीमारियों के बाद मसूड़े ढीले पड़ जाते हैं और दांत हिलने लगते है। कभी-कभी मसूड़ों में छाले भी पड़ जाते है। ऐसे में भोजन में नमक-मिर्च आदि का उपयोग कम करे, क्योंकि उनसे जलन होती है। साथ ही ध्यान रखना चाहिए कि दांतों पर कोई आघात न पहुंचे क्योंकि उस समय ये टूट सकते है। खाने में विटमिन बी कॉम्प्लेक्स व विटामिन सी का भरपूर प्रयोग करे और डॉक्टर की सलाह का पालन करे ताकि आपके मसूड़े जल्द से जल्द स्वस्थ हो जाएं। विटामिन सी आंवला, संतरा, मौसमी, टमाटर, साग-सब्जियों में मिलता है। इसका नियमित सेवन आपको स्कर्वी और पायरिया से दूर रखेगा। पायरिया मसूड़ों की बीमारी है जो एंट अमीबा जिंजिवेलिस नाम के कीटाणु से होती है। इसमें मुंह से दुर्गंध तथा मसूड़ों से खून आने की शिकायत होती है। पायरिया होने पर डॉक्टर के परामर्श का पालन करे। दवाओं के साथ-साथ हाइड्रोजन-पर-ऑक्साइड से कुल्ला करना भी लाभदायक हो सकता है।

दूर करें कैविटी

दांत अगर सड़ जाएं और उसमें कैविटी बनने लगे तो कैविटी को भरवाया जा सकता है। इससे पहले दांत को अच्छी तरह से साफ व कीटाणुमुक्त करना पड़ता है। ताकि कैविटी भरने के बाद अंदर कोई कीटाणु न रह जाए और दांत को फिर से सड़ने से बचाया जा सके। ज्यादा सड़े या जड़ों से कमजोर दांतों को निकलवाकर उनकी जगह नकली दांत या नए दांतों का सेट लगवाया जा सकता है।

दांतों का सौंदर्य बढ़ाएं

दांत पीले पड़ गए हों या दो दांतों के बीच अधिक दूरी हो, दांत छोटे-बड़े या बाहर की ओर निकले हों तो इससे भी चेहरे के सौंदर्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। ऐसे में डेंटिस्ट से अवश्य मिलें। डेंटिस्ट की सलाह पर पीले दांतों की सफाई करवाएं। बाहर की ओर निकले या दूरी वाले दांतों पर कुछ दिनों के लिए क्लिप लगवाएं। बड़े दांतों को घिसवा सकती है। छोटे दांतों में नीचे से दांतों जैसा दिखने वाला पदार्थ जोड़कर उन्हे समान आकार का बनवाया जा सकता है।

आकर्षक मुस्कान के लिए

सौंदर्य विशेषज्ञा डॉ. ब्लॉसम कोचर के मुताबिक, आपके चेहरे की कंप्लीट स्माइल मेकओवर भी की जा सकती है। इसमें आपके चेहरे के आकार को देखकर ये आकलन किया जाता है कि इस पर कैसी मुस्कान और दांत अच्छे लगेंगे। फिर उसके अनुसार हम बेहतर मुस्कान का अभ्यास कराते है। स्माइल मेकओवर क्लासेस में हंसने के तरीके के साथ ही चेहरे के हाव-भाव के बारे में भी बताया जाता है। ताकि हंसते समय आपके चेहरे का प्रभाव दूसरे पर अच्छा हो।

चेहरे के आकार को देखकर हम यह अनुमान लगाने की कोशिश करते है कि आप पर कैसे दांत व कैसी मुस्कान अच्छी लगेगी। फिर असली दांतों का आकार बदला जाता है व जरूरत पड़ी तो नकली दांत लगा दिया जाता है। दांतों का पूरा सेटअप बदलने के साथ यह बताया जाता है कि आपके लिए किस तरह हंसना ठीक रहेगा। हालांकि यह मौके पर निर्भर करता है। यानी मनचाही मुस्कान जिसमें सब कुछ आकर्षक हो, वैसा हो, जैसा आप चाहे, हासिल की जा सकती है। एक प्यारी सी मुस्कान कई अनकही बातें कह जाती है और कई दिल जीत लेती है। आप इन बातों का ख्याल रख सकें तो चमचमाते दांत आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाएंगे और हर कोई कहेगा-स्माइल प्लीज।

अधिकारियों ने कहा, 'शाकिब को बांग्लादेश लौटने पर कोई दिक्कत नहीं होगी'

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को विश्वास है कि शाकिब अल हसन को बांग्लादेश लौटने पर कोई दिक्कत नहीं होगी। अवामी लीग सरकार के तख्तापलट के बाद पहली बार वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगले महीने होने वाली सीरीज में खेलेंगे।

पिछले महीने ढाका में मर्डर केस में शामिल 147 लोगों में शाकिब का नाम भी शामिल था। वह इस साल जनवरी में सांसद बने थे। जब पांच अगस्त को देश भर में हुए प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया तब शाकिब कनाडा में ग्लोबल टी20 लीग खेल रहे थे। इसके बाद वह टेस्ट सीरीज खेलने पाकिस्तान गए और बाद में सरे के लिए काउंटी क्रिकेट खेले और फिलहाल भारत के खिलाफ भारत में टेस्ट सीरीज खेल रहे हैं। बांग्लादेश में हुए प्रदर्शनों के समय और बाद से वह बांग्लादेश में नहीं थे। यह केस मोहम्मद रूबेल की मौत से जुड़ा है, जो 5 अगस्त को हुए प्रदर्शन में जल गए थे और दो दिन बाद उनकी मृत्यु हो गई थी।

बीसीबी के क्रिकेट ऑपरेशंस से जुड़े शहरियार नफीस ने सोमवार को कहा कि देश की सरकार ने यह पुष्टि की है कि शाकिब को तंग नहीं किया जाएगा।

नफीस ने कहा, 'मुझे लगता है कि आदरणनीय प्रमुख सलाहकार, कानून सलाहकार और खेल सलाहकार ने शाकिब के बारे में सब कुछ साफ-साफ कहा है। बांग्लादेश की सरकार की ओर से साफ संदेश है कि जो भी केस दायर किए गए हैं, उसमें किसी को भी गलत तरीके. से तंग नहीं किया जाएगा। हमें विश्वास है कि अंतरिम सरकार ने शाकिब पर अपनी राय साफ कर दी है। जब तक कोई चोट की दिक्कत नहीं होती है या चयन दिक्कत नहीं होती है, तो मुझे निजी तौर पर लगता है कि ऐसा कोई कारण नहीं है कि शाकिब अल हसन को बांग्लादेश में घरेलू सीरीज नहीं खेलनी चाहिए।

पिछले महीने बांग्लादेश के कानूनी सलाहकार आसिफ नाजरुल ने भी कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि शाकिब को केस के संबंध में गिरफ़्तार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा था, शाकिब के खिलाफ एक ही केस है। मुझे उम्मीद है कि उन्हें गिरफ़्तार नहीं किया जाएगा। मुझे पता चला है कि पुलिस बलों को कुछ अविश्वसनीय घटित होने की स्थिति में यथासंभव संयम बरतने के लिए कहा गया है।

मामले में नाम आने की खबर सामने आने के तुरंत बाद, शाकिब को उनके बांग्लादेश टीम के साथियों से समर्थन मिला, जिन्होंने अपने-अपने सोशल-मीडिया अकाउंट पर संदेश पोस्ट किए थे। लेकिन जुलाई और अगस्त में छात्रों के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के दौरान उनकी चुप्पी की भी आलोचना हुई। उनकी राष्ट्रीय टीम के कई साथियों ने विभिन्न बिंदुओं पर विरोध प्रदर्शनों और विशेषकर छात्रों की जान के नुकसान के बारे में बात की है, लेकिन शाकिब ने ऐसा नहीं किया है।

वर्तमान में बांग्लादेश की टीम टेस्ट और टी20 सीरीज खेलने के लिए भारत में है। अक्टूबर में उन्हें दक्षिणअफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट की घरेलू सीरीज खेलनी है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की सुरक्षा टीम ने सोमवार को ढाका और चटगांव का मूल्यांकन पूरा कर लिया, जहां टेस्ट खेले जाएंगे और उम्मीद है कि वह इस सप्ताह के अंत में बीसीबी को अपने फैसले के बारे में बताएगी।

बीबीएल 14 के स्टार परफॉर्मर होंगे एलेन: टिम पेन

एडिलेड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर टिम पेन इन दिनों अपनी नई पारी के लिए चर्चा में बने हुए हैं। वे बीबीएल 14 की टीम एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ बतौर मुख्य कोच जुड़े हुए हैं।

एडिलेड स्ट्राइकर्स की टीम बीबीएल 14 के लिए कमर कस रही है, वहीं नए नियुक्त हेड कोच टिम पेन वेस्टइंडीज के खिलाड़ी फैबियन एलन के प्रदर्शन को लेकर काफी उम्मीद लगाए बैठे हैं।

अपनी विस्फोटक पावर-हिटिंग, बाएं हाथ की स्पिन और बेहतरीन फील्डिंग स्किल्स के लिए मशहूर एलन इस सीजन में एक स्टार परफॉर्मर बनने के लिए तैयार हैं।

इंग्लैंड के ओली पोप और जेमी ओवरटन सहित विदेशी खिलाड़ियों की तिकड़ी में उनके इस अनुबंध का उद्देश्य स्ट्राइकर्स के मिडिल ऑर्डर को मजबूत करना है।

पिछले सीजन में स्ट्राइकर्स का शीर्ष क्रम दमदार था, लेकिन अंतिम चरण में इसका फायदा उठाने में उन्हें संघर्ष करना पड़ा। पेन ने बल्लेबाजी की गहराई को बढ़ाने पर फोकस किया है और उनका मानना है कि एलन इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने पेन के हवाले से कहा, हमने पाया कि पिछले साल हमने मैथ्यू शॉर्ट, क्रिस लिन और डार्सी शॉर्ट के साथ बल्लेबाजी के पहले 10 या 15 ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन एक चीज जिसमें हम सुधार करना चाहते थे, वह थी अंतिम चार या पांच ओवर और कुछ पावर-हिटिंग।

उन्होंने आगे कहा, एलन निश्चित रूप से ऐसा करने की क्षमता रखते हैं। वह एक शानदार ऑलराउंडर हैं। खेल के किसी भी चरण में गेंदबाजी करने की क्षमता उन्हें एक परफेक्ट विकल्प बनाती है। मुझे लगता है कि एडिलेड के लोग देखेंगे कि वह बिग बैश में शायद सर्वश्रेष्ठ फील्डर भी हैं।

पेन का फोकस टीम में मजबूत स्पिन आक्रमण को बनाए रखने पर भी है। नई प्रतिभाओं और स्थापित खिलाड़ियों के मिश्रण के साथ स्ट्राइकर्स बीबीएल में शीर्ष दावेदार के रूप में अपनी स्थिति को एक बार फिर मजबूत करना चाहेगी। उनका मिशन फैंस का मनोरंजन करने के साथ-साथ 2017-18 सत्र के बाद से अपना पहला खिताब जीतना भी है।

ओलंपियाड को व्यक्तिगत स्पर्धा के रूप में लिया: गुकेश

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने हाल ही में संपन्न शतरंज ओलंपियाड को व्यक्तिगत स्पर्धा के रूप में लिया और नवंबर में होने वाली बहुप्रतीक्षित विश्व चैंपियनशिप से पहले अपने प्रदर्शन पर संतोष जताया।

विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर 18 वर्षीय गुकेश की भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका रही जिससे पुरुष टीम ने टूर्नामेंट में पहली बार स्वर्ण पदक जीता।

बुडापेस्ट से मंगलवार सुबह यहां पहुंचे गुकेश ने हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, ओलंपियाड को मैंने व्यक्तिगत स्पर्धा के रूप में लिया। मैं सिर्फ इस विशिष्ट टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था। मैं अपने प्रदर्शन और टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश हूं।

गुकेश ने भारत के लिए शीर्ष बोर्ड पर शानदार प्रदर्शन किया और अपनी 10 बाजियों में नौ अंक हासिल किए। उन्होंने आठ बाजी जीती जबकि दो ड्रॉ रहीं। इस प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने व्यक्तिगत स्वर्ण पदक भी जीता।

उन्होंने कहा, परिणाम इस बात का सबूत है कि हम कई चीजें सही कर रहे थे और हम सही भावना के साथ खेल रहे थे। बुडापेस्ट में जो कुछ भी हुआ उससे मैं बेहद खुश हूं। अब गुकेश का ध्यान नवंबर-दिसंबर में गत चैंपियन चीन के ग्रैंडमास्टर डिंग लिरेन के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण विश्व चैंपियनशिप मुकाबले पर है।

भारतीय खिलाड़ी ने अप्रैल में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था और 17 साल की उम्र में विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए थे।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम अक्टूबर में जर्मनी की मेजबानी करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम अक्टूबर में दिल्ली में दो मैचों की द्विपक्षीय हॉकी श्रृंखला के लिए जर्मनी की मेजबानी करेगी।

भारतीय हॉकी टीम आत्मविश्वास से लबरेज है, क्योंकि उन्होंने हाल ही में पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरी बार कांस्य पदक और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब बरकरार रखा है।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में भारतीय टीम ने पिछले सप्ताह मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस पर फाइनल में मेजबान चीन को 1-0 से हराकर पांचवीं बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हासिल की।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, जर्मनी के खिलाफ यह द्विपक्षीय श्रृंखला विश्व स्तरीय हॉकी का एक शानदार और यादगार प्रदर्शन होगा। भारत और जर्मनी दोनों का इस खेल में एक समृद्ध इतिहास है, और यह श्रृंखला प्रशंसकों को दुनिया की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच एक रोमांचक मुकाबले का लुत्फ उठाने का मौका देगी। हम इस आयोजन की मेजबानी करके गौरवान्वित हैं, जो न केवल हॉकी की भावना को बढ़ावा देगा बल्कि दोनों देशों के बीच संबंधों को भी मजबूत करेगा।

पिछली बार भारत का सामना जर्मनी से पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में हुआ था, जहां यूरोपीय दिग्गज टीम 3-2 से विजयी हुई थी।

जर्मन हॉकी महासंघ के अध्यक्ष हेनिंग फास्ट्रिच ने कहा, भारत का हमेशा से हॉकी के लिए एक विशेष स्थान रहा है, और हमारी टीम भारतीय हॉकी प्रशंसकों के सामने खेलने के लिए बहुत उत्साहित है। यह श्रृंखला जर्मनी और भारत के बीच खेल संबंधों को मजबूत करने का एक शानदार अवसर होगा, साथ ही दोनों टीमों को आगामी वैश्विक आयोजनों की तैयारी के लिए एक प्रतिस्पर्धी मंच प्रदान करेगा।

कानपुर में कम उछाल के लिए रहिए तैयार

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में 27 सितंबर से शुरू होने वाले भारत बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट की पिच के बारे में संक्षेप में कहा जाए तो यह रैंक टर्नर नहीं होगी। चेन्नई की लाल मिट्टी के बजाय यहां काली मिट्टी होगी, उछाल भी ज्यादा नहीं होगी और गेंद भी अधिक कैरी नहीं करेगी।

ऐसा अनुमान है कि चेन्नई में सतह से मिली उछाल की तुलना में ग्रीन पार्क की पिच अधिक सपाट होगी और टेस्ट के आगे बढ़ने के साथ ही उछाल भी कम होती चली जाएगी। चेन्नई की लाल मिट्टी वाली पिच पर नियमित उछाल देखने को मिली थी और इसी वजह से दोनों टीमें तीन तेज गेंदबाजों और दो स्पिनर के साथ मैदान में उतरी थीं। भले ही पिच पर अधिक टर्न नहीं मिल रही थी लेकिन स्पिनर्स के लिए उछाल पर्याप्त थी। रवींद्र जडेजा और आर अश्विन ने इसकी मिसाल भी पेश की और बांग्लादेश की दूसरी पारी में दोनों ने मिलकर नौ विकेट चटकाए।

कानपुर की पिच के धीमा होने की संभावना को देखते हुए दोनों टीमें अपनी रणनीति और चयन में बदलाव ला सकती हैं। तीसरे तेज गेंदबाज की जगह एक अतिरिक्त स्पिनर ले सकता है। भारतीय टीम में कुलदीप यादव या अक्षर पटेल में से किसी एक की जगह बन सकती है।

सोमवार को चेन्नई में बांग्लादेश के चयनकर्ता हन्नान सरकार ने शाकिब अल हसन की चोट के बारे में संशय की स्थिति होने के संकेत दिए। चेन्नई टेस्ट के चौथे दिन बल्लेबाजी के दौरान पहले से ही चोटिल बाएं हाथ की उनकी उंगली में चोट लग गई। अगर शाकिब ऑलराउंडर के रूप में खेलते भी हैं तब भी बांग्लादेश अपने एकादश में बाएं हाथ के स्पिनर तैजुल इस्लाम को नाहिद राणा की जगह शामिल कर सकता है। मेहमान टीम के पास ऑफ स्पिनर नईम हसन के रूप में भी एक विकल्प मौजूद है, हालांकि उनकी जगह तभी बन सकती है अगर शाकिब मैच के लिए अनुपलब्ध हों।

भारत ने पिछली बार कानपुर में 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ जब टेस्ट खेला था तब भारतीय टीम अश्विन, जडेजा और अक्षर की स्पिन तिकड़ी के साथ मैदान में उतरी थी। तब 2016 के बाद पहली बार इस वेन्यू पर कोई टेस्ट मैच खेला गया था। 2016 में भारतीय टीम ने आसानी से जीत हासिल कर ली थी लेकिन 2021 में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मैच ड्रॉ कराने में सफल हो गए थे।

गेंदबाजों को इस पिच पर मशक्कत करनी पड़ सकती है लेकिन पिच से अगर गेंदबाजों को अधिक मदद न मिले तब ऐसी स्थिति में बल्लेबाजों को बड़ा स्कोर खड़ा करने में अधिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ सकता है। 2021 में श्रेयस अय्यर ने अपने टेस्ट डेब्यू पर शतक और अर्धशतक लगाया था जबकि टॉम लाथम ने भारत के दो दिग्गज स्पिनर के सामने साहसिक बल्लेबाजी का परिचय देते हुए दो अर्धशतक लगाए थे।

मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य सिंधू को फिर पोडियम पर जगह दिलाना: श्रीधर

नई दिल्ली, एजेंसी। पीवी सिंधू के नए कोच अनूप श्रीधर ने कहा है कि इस स्टार खिलाड़ी में अभी सफलता की भूख है और उनका प्राथमिक लक्ष्य इस दो बार की ओलंपिक पदक विजेता की प्रदर्शन में निरंतरता लाने में मदद करना है।

सिंधू ने पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद श्रीधर को ट्रायल के आधार पर कोच बनाया है।

तीन ओलंपिक में पहली बार फ्रांस की राजधानी से बिना पदक के लौटी सिंधू पिछले तीन सप्ताह से हैदराबाद के गचीबाउली स्टेडियम में बीजिंग ओलंपियन श्रीधर के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर रही हैं।

संक्षिप्त समय के लिए लक्ष्य सेन को भी कोचिंग देने वाले 41 साल के श्रीधर ने पीटीआई से कहा, मैंने कुछ हफ्ते पहले सिंधू की टीम से बात की थी और वह इस महीने की शुरूआत से हैदराबाद में मेरे मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर रही हैं। हमने काफी प्रगति की है और दो हफ्ते में हम यूरोप में प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे।

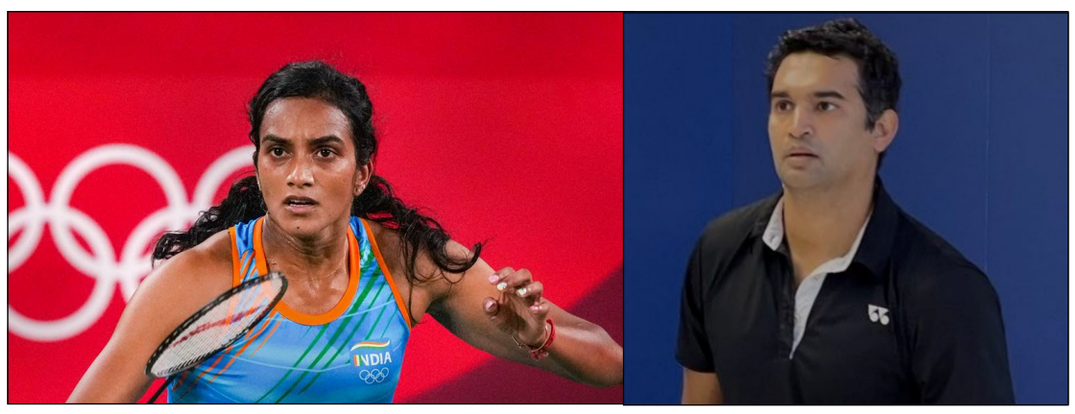

सिंधू को पेरिस खेलों के प्री क्वार्टर फाइनल में चीन की ही बिंगजियाओ के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा था और वह बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सत्र की पुनः शुरूआत यूरोपीय चरण से करेंगी जिसमें फिनलैंड के वांता में होने वाले चार लाख 20 हजार डॉलर इनामी आर्कटिक ओपन (आठ से 13 अकटूबर) और ओडेनसे में होने वाला आठ लाख 50 हजार डॉलर इनामी डेनमार्क ओपन (15 से 20 अक्टूबर) शामिल है।

पेरिस ओलंपिक के बाद इंडोनेशिया के एंगस ड्वी सांतोसो का अनुबंध खत्म होने के बाद बाकी सत्र के लिए श्रीधर को कोच बनाया गया है।

श्रीधर ने कहा, मैं चीजों को हफ्ते दर हफ्ते ले रहा हूं। हमने कोई दीर्घकालीन प्रतिबद्धता नहीं की है इसलिए 2025 के लिए योजना बनाना मुश्किल है। हालांकि 2025 में कुछ टूर्नामेंट हैं जिनके दौरान सिंधू का लक्ष्य अपने खेल के शीर्ष पर होना होगा।

उन्होंने कहा, आप शारीरिक रूप से शीर्ष पर पहुंचने की योजना बना सकते हैं लेकिन फॉर्म के लिए नहीं। मेरी नजर अगले साल कुछ प्रतियोगिताओं पर है लेकिन मेरा तत्काल ध्यान उसके प्रदर्शन की निरंतरता को बेहतर करना और उसे पोडियम पर दोबारा जगह दिलाना है- यही बड़ा लक्ष्य है। सिंधू ने आखिरी बार 2022 में सिंगापुर ओपन और राष्ट्रमंडल खेल का खिताब जीता था। वह 2023 में मैड्रिड स्पेन मास्टर्स और इस साल मई में मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 में उपविजेता रहीं। सिंधू ने पेरिस खेलों से पहले कई कोच बदले। तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद सिंधू के दक्षिण कोरियाई कोच पार्क तेइ सेंग 2023 की शुरूआत में उनसे अलग हो गए।

इसके बाद सिंधू ने कुछ महीनों तक भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) की कोच विधि चौधरी के मार्गदर्शन में प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और फिर ऑल इंग्लैंड चैंपियन मोहम्मद हफीज हाशिम को नया कोच नियुक्त किया।

हालांकि यह साझेदारी लंबे समय तक नहीं चली और सिंधू बेंगलुरू में प्रकाश पादुकोण के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग लेने लगीं। पादुकोण की अकादमी पीपीबीए ने इसके बाद ओलंपिक तक सिंधू के मार्गदर्शन के लिए सांतोसो की सेवाएं लीं।

एक नजर

ईरानी कप: रेस्ट ऑफ इंडिया टीम में किशन और प्रसिद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरानी कप के मैच के लिए रेस्ट ऑफ इंडिया टीम में इशान किशन और प्रसिद्ध कृष्णा को चुना गया है। एक अक्तूबर से 5 अक्तूबर तक होने वाला यह मैच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां उनका मुकाबला 2023-24 के रणजी ट्रॉफी विजेता मुंबई से होगा। इस टीम में भारतीय टीम से जुड़े विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल को भी जगह मिली है। अगर 27 अक्तूबर से कानपुर में शुरू हो रहे भारत-बांग्लादेश दूसरे टेस्ट में इन दोनों खिलाड़ियों को जगह नहीं मिलती है, तो ये दोनों रेस्ट ऑफ इंडिया टीम से जुड़ेंगे। वहीं भारतीय टीम से ही जुड़े मध्यक्रम के बल्लेबाज सरफराज खान को भी टेस्ट में चयन ना होने पर मुंबई टीम से जोड़ा जाएगा। रेस्ट ऑफ इंडिया टीम का कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और उपकप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को बनाया गया है। पूरी टीम इस प्रकार है- ऋतुराज गायकवाज (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन (उपकप्तान), साई सुदर्शन, देवदत्त पड़िक्कल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), मानव सुथार, सारांश जैन, प्रसिद्ध कृष्णा, मुकेश कुमार, यश दयाल, रिकी भुई, शाश्वत रावत, खलील अहमद, राहुल चाहर

मालोर्का ने रीयाल बेटिस को 2-1 से हराया

सेविले (स्पेन), एजेंसी। मालोर्का ने ला लीगा फुटबॉल टूर्नामेंट में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सोमवार को यहां रीयाल बेटिस को 2-1 से हराया। शुक्रवार की रात अलावेस और सेविला के बीच हुए मैच की तरह ही इस मुकाबले के दौरान भी कुछ घरेलू प्रशंसकों ने मैच की शुरूआत में अपनी सीट पर बैठने से इनकार कर दिया क्योंकि उन्होंने कहा कि किकऑफ (मैच शुरू होने का समय) का समय असुविधाजनक है। फुटबॉल पारंपरिक रूप से सप्ताहांत और सप्ताह के मध्य में खेला जाता है लेकिन टीवी दर्शकों को संतुष्ट करने और बढ़ते मैचों की संख्यों से निपटने के लिए शुक्रवार और सोमवार की रात को अधिक से अधिक मैच जोड़े गए हैं। पिछले सप्ताह गेटाफे पर 2-1 की जीत में बेटिस के दोनों गोल करने वाले जियोवानी लो सेल्सो ने सात मिनट के बाद 25 मीटर की दूरी से शानदार शॉट लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। डेनी रोड्रिगेज ने एक मिनट बाद मालोर्का को बराबरी दिला दी जिसके बाद दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में वैलेरी फर्नांडीज ने गोल करके टीम की जीत सुनिश्चित की। इस जीत से मालोर्का 11 अंक के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गया जो बेटिस से तीन अंक अधिक हैं। बेटिस ने हालांकि एक मैच कम खेला है।

भांबरी-ओलिवेटी की जोड़ी चेंगदू ओपन में उपविजेता रही

नई दिल्ली, एजेंसी। युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेटी चेंगदू ओपन के रोमांचक फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त फ्रांस के सादियो डौम्बिया और फैबियन रेबौल की जोड़ी से मंगलवार को यहां 4-6, 6-4, 4-10 से हारकर तीसरे खिताब से चूक गए। लगभग डेढ़ घंटे तक चले मैच में शुरूआती सेट को गंवाने के बाद भांबरी और ओलिवेटी ने दूसरा सेट जीतकर मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचा दिया। भारत और फ्रांस के खिलाड़ियों की जोड़ी ने अपने प्रतिद्वंद्वी के दो ऐस की तुलना में छह ऐस लगाये लेकिन छह डबल फॉल्ट करना उन्हें महंगा पड़ा। फ्रांस की जोड़ी के लिए यह भांबरी-ओलिवेटी पर उनकी पहली जीत थी। भांबरी और ओलिवेटी की जोड़ी ने इस साल अप्रैल में म्यूनिख में बीएमडब्ल्यू ओपन और मई में गस्ताद में स्विस ओपन के खिताब जीते हैं।

त्रीशा-गायत्री मकाऊ ओपन बैडमिंटन में जीते

मकाऊ, एजेंसी। त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की तीसरी वरीय भारतीय जोड़ी ने अकारी सातो और माया तागुची की जापान की जोड़ी को मंगलवार को यहां तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हराकर मकाऊ ओपन बैडमिंटन के दूसरे दौर में जगह बनाई। भारतीय जोड़ी ने पहले दौर में लगभग एक घंटे चले मुकाबले में 15-21, 21-16, 21-14 से जीत दर्ज की। अन्य मुकाबलों में एन सिक्की रेड्डी रुतविका शिवानी की जोड़ी ने महिला युगल क्वालीफिकेशन क्वार्टर फाइनल में चेयुंग यान यू और च्यु विंग ची की जोड़ी को 21-15, 21-10 से हराया। आर्यमन टंडन ने पुरुष एकल क्वालीफिकेशन में हमवतन तरूण मानेपल्ली को 11-21, 21-15, 21-17 से हराया लेकिन इसके बाद क्वार्टर फाइनल में एक अन्य हमवतन भारतीय अलाप मिश्रा के खिलाफ 10-21, 22-24 से हार गए।

विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी खिताब पर आदिल राशिद की नजर

चेस्टर-ले-स्ट्रीट (यूके), एजेंसी। इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद ने पिछले सप्ताह हेडिंग्ले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में इस फॉर्मेट में 200 वां विकेट पूरे किए और अब उनकी नजर विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी खिताब पर हैं। राशिद ने यह भी बात शेयर की कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उनके संन्यास को लेकर खबरें तब सामने आई जब मोईन अली ने इस महीने की शुरूआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। ईएसपीएनक्रिकइंफो ने राशिद के हवाले से कहा, मैंने अभी संन्यास के बारे में नहीं सोचा है। खेलते रहना, इसका लुत्फ उठाना, फिट रहना, अच्छी गेंदबाजी करना, जीत में योगदान देना और विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीतना मेरा अंतिम लक्ष्य है। मैं हर मैच और हर सीरीज खेल रहा हूं। अगर मैं अभी भी इसका आनंद ले रहा हूँ और अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं, तो मैं आगे भी खेलता रहूंगा। इतने लंबे समय तक खेलना और विकेट लेना, मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था, इसलिए उम्मीद है कि मैं इसे जारी रखूंगा। यह उतार-चढ़ाव के साथ एक मजेदार सफर रहा है, और उम्मीद है कि मैं अपने करियर के बाकी बचे समय में भी इसी तरह आगे बढ़ूंगा। उन्होंने कहा, मैं अभी तक संन्यास लेने या ऐसा कुछ करने के बारे में नहीं सोच रहा हूं। यह मेरे दिमाग में भी नहीं आया है। यह खेल का आनंद लेने और अपना सर्वश्रेष्ठ देने के बारे में है। रणनीति और कमियों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद, राशिद इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीमों के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बने हुए हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले चोटिल फर्नांडो टीम से बाहर

गॉल, एजेंसी। टेस्ट क्रिकेट में लगातार बड़ा उलटफेर कर रही श्रीलंकाई टीम एक बार फिर खिलाड़ियों के चोटों से परेशान नजर आ रही है। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से पहले तेज गेंदबाज विश्वा फर्नांडो चोटिल होने के कारण बाहर हो गए हैं और उनकी जगह ऑफ स्पिनर निशान पीरिस को टीम में शामिल किया है। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने मंगलवार को यह घोषणा की। फर्नांडो को अभ्यास के दौरान दाहिने हैमस्ट्रिंग में जकड़न महसूस हुई और उन्हें रिहैब के लिए हाई परफॉर्मेंस सेंटर भेज दिया गया है। श्रीलंका क्रिकेट ने मंगलवार को जारी बयान में बताया, ह्लविश्वा फर्नांडो को अभ्यास के दौरान दाएं हैमस्ट्रिंग में जकड़न हो गई थी, इसलिए उन्हें रिहैब के लिए हाई परफॉर्मेंस सेंटर भेज दिया गया है। उनकी जगह 27 वर्षीय दाएं हाथ के ऑफ स्पिनर निशान पीरिस को टीम में शामिल किया गया है। फर्नांडो, जिन्होंने अपने अंतिम टेस्ट मैच में 86 रन देकर 5 विकेट लिए थे। इसलिए यह श्रीलंका के लिए एक बड़ा झटका होगा, लेकिन टीम को 27 वर्षीय निशान से काफी उम्मीदें हैं।

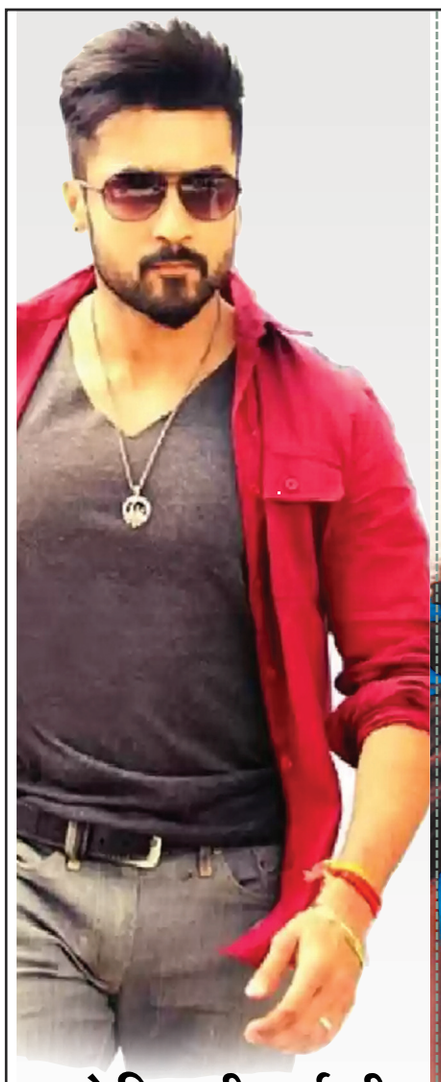

आगे खिसकी सूर्या की कंगुवा की रिलीज की तारीख, अब रजनीकांत की वेट्टैयन के साथ नहीं भिड़ेगी फिल्म

साउथ सुपरस्टार सूर्या की कंगुवा इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसकी रिलीज का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। वे लगातार फिल्म से जुड़ी छोटी सी छोटी जानकारी पाने के लिए उत्सुक रहते हैं। अब इस फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। यह फिल्म पहले 10 अक्तूबर को रिलीज होने वाली थी। अब यह तय समय पर रिलीज नहीं होगी। निर्माताओं ने इसकी रिलीज की तारीख को आगे खिसका दिया है, जिससे सूर्या के प्रशंसक निराश हो गए हैं।

निर्देशक सिरुथाई शिवा की सूर्या, बॉबी देओल और दिशा पटानी अभिनीत फिल्म कंगुवा की रिलीज डेट बदल दी गई है। यह फैंटेसी-एक्शन फिल्म पहले 10 अक्तूबर को रिलीज होने वाली थी। अब यह फिल्म 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्माताओं ने एक्स अकाउंट पर पोस्ट साझा करते हुए इसका एलान किया है। कंगुवा अब नवंबर में रिलीज होगी। इसकी घोषणा करते हुए फिल्म के निर्माता स्टूडियो ग्रीन ने एक्स पर लिखा, गर्व और गौरव की लड़ाई, जिसे दुनिया देखेगी। कंगुवा का शक्तिशाली शासन 14 नवंबर 2024 से स्क्रीन पर धूम मचाएगा।

दरअसल, इससे पहले कंगुवा 10 अक्तूबर को टीजे ज्ञानवेल के निर्देशन में बनी रजनीकांत अभिनीत वेट्टैयन के साथ बॉक्स ऑफिस पर टकराने वाली थी, लेकिन इस टकराव से बचने के लिए फिल्म की रिलीज को स्थगित कर दिया गया था। निर्देशक सिरुथाई शिवा की कंगुवा एक महत्वाकांक्षी फैंटसी एक्शन है फिल्म है, जिसे कथित तौर पर 350 करोड़ रुपये से अधिक के भारी बजट पर तैयार किया गया है। फिल्म में सूर्या और बॉबी देओल के अलावा दिशा पटानी, नटराजन सुब्रमण्यम, जगपति बाबू, योगी बाबू, रेडिन किंग्सले, कोवई सरला, आनंदराज, मारीमुथु, दीपा वेंकट, रवि राघवेंद्र और केएस रविकुमार सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे।

काश मैं गोलू जितनी ही निडर होती

मसान की मासूम शालू गुप्ता हो या फिर मिर्जापुर की दबंग गोलू गुप्ता। श्वेता त्रिपाठी ने अपनी ऐक्टिंग के दम पर इन किरदारों में जान डाल दी। बीते दिनों श्वेता त्रिपाठी से हुई खास बातचीत में उन्होंने कई मुद्दों पर खूब बातें कीं।

आंकड़े मुझे समझ नहीं आते

शो क्या मस्त है लाइफ में जेनिया खान नाम का किरदार था। मैंने उसके लिए ऑडिशन दिया और सिलेक्शन हो गया था। मुझे लगता है कि आपको मौके के लिए तैयार रहना चाहिए। जब मिले, तब कैच कर लें। नहीं पता था कि मुझे असल में क्या करना है। बहुत से लोग लक्ष्य बनाकर काम करते हैं। उन पर यह ट्रिक काम भी करती है। मुझे बस कुछ चीजें ही समझ आती हैं जैसे मेरी फिल्म कितने थिएटर में रिलीज हो, वो फिल्म क्या कहना चाहती है, उसमें नयापन क्या है? फिल्म ने कितना कमाया, बॉक्स ऑफिस के आंकड़े मुझे समझ नहीं आते। यह मेरी प्राथमिकता नहीं है।

काश, मैं गोलू जितनी ही निडर होती

मिर्जापुर में मेरा गोलू का किरदार काफी पसंद किया गया। एक दबंग किरदार है। अगर आप मुझसे पूछेंगे कि क्या यह कैरेक्टर आपसे रिलेट करता है तो मैं कहूंगी कि काश मैं भी गोलू की तरह निडर होती। वैसे, मैं निडर हूं लेकिन गोलू जितनी नहीं। सच बताऊं तो गोलू के कैरेक्टर के लिए मुझे बुरा फील होता है क्योंकि वह एक साधारण सी लड़की थी लेकिन उसकी जिंदगी से बहन, दोस्त को छीन लिया जाता है। वह मजबूरी में ऐसी बनी है। मुझे लग रहा था कि शायद मुझे गोलू की तरह ही किरदार ऑफर होने लगें लेकिन ऐसा नहीं है। मेरी अभी वेब सीरीज ये काली काली आंखें आने वाली है, इसमें मेरा किरदार बहुत अलग है। मैं शुक्रगुजार हूं कि अभी तक मुझे जितने भी रोल मिले हैं, वो एक दूसरे से बहुत अलग हैं।

ओटीटी से दुनिया खुल गई

मिर्जापुर एक ऐसी सीरीज है, जिसको दर्शकों का बहुत प्यार मिला। अभी इसका चौथा सीजन लिखा जा रहा है। सीरीज को जितना पसंद किया गया, उससे हम लोगों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। दर्शक नया और अनोखा देखने की उम्मीद करते हैं। ओटीटी की बात की जाए तो सिर्फ ऐक्टर ही नहीं बल्कि राइटर, लाइटमैन, स्पॉट बॉय तक को खूब काम मिल रहा है। ओटीटी की वजह से स्क्रीन का साइज बड़ा कर दिया गया है। अब हम बिहार में बैठकर विदेशी फिल्में देख सकते हैं। ओटीटी से दुनिया खुल गई है। मेरे हिसाब से आर्ट और कहानियां भाषा में नहीं बंधनी चाहिए। पहले इंटरनैशनल अवॉर्ड विनिंग मूवी देखने के लिए ढूंढनी पड़ती थी लेकिन अब ऐसा नहीं है।

वकील, हाइस्ट और टीचर का रोल करना है

मुझे टीचर का किरदार निभाना है। मुझे वकील बनना था। अगर मुझे दमदार वकील का रोल मिला तो जरूर करूंगी। मनी हाइस्ट में प्रोफेसर की तरह वाला रोल करने की तमन्ना है। यह तीन ऐसे किरदार हैं, जिनको मैं शिद्दत के साथ करना चाहती हूं। बस मौके की तलाश में हूं।

तुम्बाड को सोहम शाह ने बताया अन्य हॉरर फिल्मों से अलग, फिल्म के सीक्वल को लेकर भी की बात

साल 2018 की फिल्म तुम्बाड को दोबारा से सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है, फिल्म काफी शानदार प्रदर्शन भी कर रही है। इस बीच फिल्म के सह-निर्माता और अभिनेता सोहम शाह ने इसे अन्य हॉरर फिल्मों से काफी अलग बताया है।

लोकप्रिय और बेहद चर्चित फिल्म तुम्बाड एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज की गई है। फिल्म की मूल रिलीज साल 2018 में हुई थी। अब इसके छह साल बाद इसे दोबारा से रिलीज किया गया है। दिलचस्प बात है कि फिल्म इस बार टिकट खिड़की पर पहले से भी ज्यादा सफल साबित हुई है। फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। इस फिल्म के सह-निर्माता और अभिनेता सोहम शाह ने फिल्म की सफलता को लेकर उत्साह जाहिर किया है। उन्होंने हाल में ही इंडिया टुडे के साथ एक इंटरव्यू के दौरान इसे समकालीन हॉरर फिल्मों से अलग बताया है। इंटरव्यू के दौरान सोहम शाह ने कहा कि ये फिल्म अन्य हॉरर फिल्मों से अलग है। उन्होंने फिल्म के अनूठे पहलुओं पर जोर देते हुए कहा कि ये स्त्री और मुंजा जैसी अन्य लोककथा आधारित हॉरर फिल्मों में अलग है। अभिनेता ने कहा कि वो लोग दादी-नानी की कहानियां नहीं बना रहे। इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या मैडॉक की हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स को मिली शानदार सफलता को देखते हुए उनके लिए तुम्बाड 2 बनाना आसान होगा, जो एक जैसे थीम पर आधारित हैं? इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि दोनों में महत्वपूर्ण अंतर है। अभिनेता सह निर्माता ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें नहीं लगता कि यह कोई समस्या है। उन्होंने कहा, वो फिल्में अलग हैं, उनमें कोई भी तुम्बाड जैसी नहीं हैं। इन कहानियों में काफी अंतर है। उन्होंने आगे कहा कि तुम्बाड एकमात्र ऐसी फिल्म है, जो दादी-नानी की कहानियों पर आधारित है। अभिनेता ने इसमें जोड़ते हुए आगे कहा, वे दादी-नानी की कहानियां नहीं बना रहे हैं। हमारी कहानी आधुनिक समय पर आधारित नहीं है। हमारी फिल्म उस समय में शुरू और खत्म होती है। हमारे पास एक राक्षस है। तुम्बाड 2 की स्क्रिप्ट पर चल रहा है काम अभिनेता ने तुम्बाड की दोबारा रिलीज को मिली सफलता पर दर्शकों का आभार जताया। निश्चित तौर पर फिल्म को मिली इस सफलता से उन्हें तुम्बाड 2 को लेकर प्रोत्साहित किया है। इस वजह से हाल में ही उन्होंने एक छोटे टीजर से इस फिल्म के सीक्वेल की घोषणा की है। उन्होंने इसके सीक्वेल को लेकर कहा कि फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन के चरण में है।

धनुष की अगली फिल्म इडली कढ़ाई का एलान

अभिनेता धनुष ने अपनी अगली फिल्म का एलान कर दिया है। यह निर्देशक के रूप में उनकी चौथी और अभिनेता के रूप में 52वीं फिल्म है। अभिनेता ने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म का कॉन्सेप्ट पोस्टर साझा किया। वहीं, उन्होंने इसके शीर्षक से भी पर्दा उठा दिया पोस्ट देख साफ हुआ कि फिल्म का नाम इडली कढ़ाई है। इडली कढ़ाई के एलान ने धनुष के प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ा दिया है।

आयरनमैन ट्रायथलॉन को पूरा करने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं सैयामी

सैयामी खेर ने कई भारतीय फिल्मों में शानदार अभिनय किया है। बड़े पर्दे पर चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने वाली सैयामी ने साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म मिर्जिया से हिंदी फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत की थी। सैयामी अग्नि में एक अग्निशमन दस्ता के सदस्य की भूमिका में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने कुछ खतरनाक स्टंट भी किए थे। घूमर में भी पैराप्लेजिक किरदार की अपनी भूमिका से सभी का दिल जीता। अब कई महीनों के गहन प्रशिक्षण के बाद आयरनमैन ट्रायथलॉन 2024 को सैयामी खेर ने सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। सैयामी ने बर्लिन में आयरनमैन दौड़ में भाग लिया था।

सैयामी ने आयरनमैन 70.3 रेस को पूरा कर लिया है। इस ट्रायथलॉन में दौड़, तैराकी, साइकिलिंग शामिल होता है। इन सभी को मिलाकर कुल 113 किमी दूरी तय करनी होती है। बता दें सैयामी इसके लिए काफी दिनों से मेहनत कर रही थीं। सैयामी फिल्मों की शूटिंग के साथ समय निकालकर इस ड्रीम को पूरा करने की जीतोड़ कोशिश करती रहीं। आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई और उन्होंने ये मुकाम हासिल कर लिया। सैयमी ऐसी पहली भारतीय अभिनेत्री हैं, जिन्होंने जर्मनी की राजधानी बर्लिन में आयरनमैन 70.3 को पूरा किया है। सैयामी के अलावा, आयरनमैन ट्रायथलॉन में भाग लेने वाले एकमात्र बॉलीवुड सेलिब्रिटी मिलिंद सोमन हैं।

सैयामी ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की और लिखा, आयरनमैन 70.3 फिनिशर यह कुछ रोमांचकारी था, कड़ाके की ठंड और रास्ते में रास्ता भटक जाना! एक बार जब यह सब समझ में आ जाए, तो जल्द ही लंबी पोस्ट लिखूंगी। बता दें अभिनेत्री अपनी फिल्म घूमर की स्क्रीनिंग के लिए कनाडा में थीं और वहां से सीधे दौड़ के लिए जर्मनी पहुंचीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस रेस को पूरा करने के बाद सैयामी ने इंटरव्यू में कहा, आयरनमैन 70.3 की फिनिश लाइन को पार करना और वह पदक हासिल करना मेरे जीवन के सबसे गौरवपूर्ण क्षणों में से एक है।

इंडस्ट्री में छह साल बिताने के बाद भी इस चीज से जूझ रहे हैं ईशान

ईशान खट्टर अपनी वेब सीरीज द परफेक्ट कपल को लेकर चर्चा में हैं। इसमें उन्होंने निकोल किडमैन, डकोटा फैनिंग और ईव हेवसन के साथ काम किया है। अब हाल ही में, अभिनेता ने बताया कि इंडस्ट्री में उन्हें सबसे ज्यादा किस चीज से जूझना पड़ता है। यही नहीं, उन्होंने यह भी बताया कि है कि उन्हें सबसे ज्यादा किस चीज को लेकर फीडबैक मिला है।

ईशान खट्टर भले ही सिर्फ कुछ फिल्में ही कर चुके हों, लेकिन उन्होंने बड़े पर्दे, ओटीटी और हॉलीवुड दोनों पर अपने प्रोजेक्ट्स की वजह से इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना ली है। धड़क (2018) में जान्हवी कपूर के साथ हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने वाले इस अभिनेता ने पिप्पा, ए सूटेबल बॉय और कई प्रोजेक्ट्स में काम किया। हालांकि, इंडस्ट्री में करीब छह साल रहने के बाद भी, अभिनेता अभी भी एक बड़ी कमी से जूझ रहे हैं और वह है कि बहुत कम उम्र का दिखना।

हाल ही में, इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मुझे जो सबसे लगातार फीडबैक मिला है, वह यह है कि मैं बहुत कम उम्र का दिखता हूं। उन्होंने आगे कहा, जब मैंने शुरुआत की थी तब मैं 21 साल का था। अभिनेता ने आगे बताया कि लंबे समय से मुझे यही फीडबैक मिल रहा है कि मैं बहुत यंग दिखता हूं। अच्छा हो या बुरा, हम यहां युवा चेहरों और युवा अभिनेताओं के लिए बहुत ज्यादा भूमिकाएं नहीं लिखते हैं। इसलिए, मैं बहुत भाग्यशाली था कि मुझे दो-तीन सालों में ही कुछ अच्छे कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला है।

अपने करियर के बारे में बात करते हुए, ईशान ने कहा, मैंने कभी भी बहुत ज्यादा प्लान नहीं बनाए हैं। मैं काफी हद तक भाग्यशाली भी रहा हूं और मुझे ऐसे अवसर मिले हैं। मैं अपने करियर में केवल छह साल ही रहा हूं और मुझे शानदार अवसर मिले हैं। मैंने हमेशा अपने काम को अलग-अलग तरह से करने का प्रयास किया है।

टीवी से होने के कारण फिल्मों से हाथ धो बैठीं क्रिस्टल डिसूजा?

क्रिस्टल डिसूजा टीवी इंडस्ट्री की जानी मानी अभिनेत्री हैं। क्रिस्टल को एक हजारों में मेरी बहना है से लोकप्रियता हासिल हुई थी। हालांकि, एक ऐसा समय भी आया, जब अभिनेत्री को घर बैठना पड़ गया था। हाल ही में, बॉलीवुड बबल से एक बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें एक प्रोजेक्ट की शूटिंग से दो दिन पहले बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था। अभिनेत्री ने आगे यह भी कहा कि ऐसा भी हुआ है मेरे साथ की शूट के लिए मुझे दो दिन पहले निकलना होता है और ऐसे कॉल आते हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि मेरे हाथ से कई फिल्में इसलिए भी निकल चुकी हैं क्योंकि हम लोग टीवी से हैं।